अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली

वार्षिक प्रतिवेदन

2013–2014

वार्षिक प्रतिवेदन

2013–14

"It is education which is the right weapon to cut the social slavery and it is education which will enlighten the downtrodden masses to come up and gain social status, economic betterment and political freedom."

Dr BR Ambedkar

Ambedkar University Delhi

Ambedkar University Delhi

Published by
The Registrar
Ambedkar University Delhi
Lothian Road, Kashmere Gate, New Delhi-110 006

Designed & Printed at
Amar Ujala Publications Limited
C-21, Sector-59, Noida-201301
Website: www.amarujala.com

Front cover photograph by Vikas Dalal

अंतर्वस्तु

विश्वविद्यालय		5
एयूडी की अंतरराष्ट्रीय सहभागिता		8
विश्वविद्यालय का विकास		15
विश्वविद्यालय के शिक्षालय		19
विश्वविद्यालय के केन्द्र		29
विश्वविद्यालय के छात्र		43
विश्वविद्यालय की भौतिक परिसम्पत्तियाँ		47
शिक्षालय और संकाय की अकादमिक उन्मुख गतिविधियाँ		54
परिशिष्ट–कः	प्रवेश प्रक्रिया	106
परिशिष्ट–खः	एयूडी के वरिष्ठ अधिकारियों की सूची	110
परिशिष्ट–गः	विश्वविद्यालय के अधिकारी	111
परिशिष्ट–घः	पाठ्य समिति	115
परिशिष्ट–ङ.:	सूचना अधिकार अधिनियम (आर टी आई)	116
परिशिष्ट–चः	समितियों की सूची	119
परिशिष्ट–छः	विश्वविद्यालय संकाय	125
परिशिष्ट–जः	अध्यापनेतर अधिकारी एवं कर्मचारी	131
परिशिष्ट–झः	आय और व्यय का बहीखाता	138

विश्वविद्यालय

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी), राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार द्वारा 2007 में पारित विधानमंडल के अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया। इसे जुलाई 2008 में अधिसूचित किया गया। डॉ० अम्बेडकर के विचारों समानता और सामाजिक न्याय सम्बन्धी निदेषन से प्रेरित यह विश्वविद्यालय समाज विज्ञान, मानविकी में शोध और अध्यापन को केन्द्र में रखते हुए अध्यादेशित है। एयूडी उच्च शिक्षा तक पहुँच एवम् सफलता के बीच सतत् और प्रभावी संपर्क निर्धारित करने को अपना लक्ष्य समझता है। एयूडी मानवता, गैर–पद्सोपानीकरण, सामूहिक कार्य और सृजनात्मकता को परिपोषित करने के लिये प्रतिबद्ध है। वर्तमान में अंबेडकर विश्वविद्यालय कश्मीरी गेट परिसर से संचालित है। जून 2013 में एयूडी ने द्वारका में स्थित आईआईटी परिसर को खाली कर दिया है । वर्तमान में यह कश्मीरी गेट में लोथियान रोड पर स्थित परिसर से अपने सभी कार्य संचालित कर रहा है। इस परिसर को यह गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय एवं इंदिरा गाँधी महिला तकनीकी विश्वविद्यालय दिल्ली के साथ बांटता है ।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने एयूडी को परिसर–निर्माण के लिए दो स्थानों पर भूमि प्रदान की है। इसमें से एक रोहिणी सेक्टर–3 (7.02 हक्टेयर) में और दूसरी धीरपुर फेज–1 (17.1956 हक्टेयर) में स्थित है। दोनों स्थानों पर परिसर बनाने का कार्य जारी है।

सभी अकादमिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने शिक्षालयों एवं केन्द्रों के साथ विकेंद्रीकृत संरचना को अपनाया है। इसने अपने शिक्षालयों, केन्द्रों एवं कार्यक्रमों की कल्पना नयी संभावनाओं को तलाशने के लिए की है। इन संभावनाओं को आकार देने के लिए इन्होनें एक ऐसे प्रारूप को अपनाया है जो अंतर्विषयक पद्धतियों के साथ अनिवार्य रूप से कार्य करें। साथ ही शिक्षालय की अवधारणा को इस प्रकार से निरुपित किया गया है कि इसका प्रत्येक कार्यक्रम अंतर्विषयक रूप में संरचित हो। हालाँकि अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्रों की संकल्पना शोध परियोजना, अधिवक्तृत्व नीति, प्रशिक्षण, अभियन्त्रीकरण और गृह–कार्य समाशोधन के अनुरुप की गयी है ताकि समकालीन महत्त्व के क्षेत्रों को और अधिक बढ़ावा मिल सके।

नवीनीकरण एवं अनुकूलित क्रियाएं

मानव पारिस्थितिकी शिक्षालय ने एक वार्षिक अनुसंधान संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें दर्शकों के रूप में संकाय सदस्य, विद्यार्थी एवं आमंत्रित अथिति शामिल थे। इस संगोष्ठी में एम.ए एवं पीएच.डी विद्यार्थियों ने अपने अनुसंधान सम्बन्धी शोध–पत्र भी प्रस्तुत किये। क्षेत्र व्यावहारिकता अध्यापन–अधिगम प्रक्रिया का एक महत्त्वपूर्ण भाग है। इसके अलावा ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण और शोध–प्रबंध द्वारा एम.ए के विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम में क्षेत्र वास्तविकताओं से अवगत हो रहे हैं।

दीक्षांत समारोह

11 जनवरी 2014 को कश्मीरी गेट परिसर में द्वितीय वार्षिक दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रो. श्याम बी. मेनन (कुलपति) ने की। इस समारोह में श्री जयराम रमेश (ग्रामीण विकास मंत्री) विशेष अथिति के रूप में आमंत्रित थे। इन्होनें दीक्षांत समारोह को संबोधित भी किया।

इस दीक्षांत समारोह में 243 छात्रों को स्नातकोत्तर डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधि से सम्मानित किया गया। इसमें से 39 विद्यार्थी स्नातक अध्ययन शिक्षालय,

111 ललित अध्ययन शिक्षालय, 23 विकास अध्ययन शिक्षालय, 21 मानव पारिस्थितिकी शिक्षालय एवं 49 मानव अध्ययन शिक्षालय से थे। 165 विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से उपाधि/डिप्लोमा प्रदान किये गए।शेष विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक)

विश्वविद्यालय ने मान्यता प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) में आवेदन किया। प्रत्यायन प्रक्रिया के भाग के रूप में विभिन्न शिक्षालयों के संकाय सदस्यों के साथ एक संचालन समिति का गठन किया गया। विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को सहभागिता प्रक्रिया के माध्यम से संचालन समिति में शामिल किया गया ताकि नैक में प्रस्तुत करने के लिए 'स्व अध्ययन प्रतिवेदन' (एसएसआर) तैयार किया जा सके। इस प्रक्रिया का अंतिम चरण यह होगा कि नैक सहकर्मी दल द्वारा विश्वविद्यालय के अगले अकादमिक सत्र का दौरा कभी–भी किया जा सकता है।

एयूडी की अंतरराष्ट्रीय सहभागिता

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली की अंतरराष्ट्रीय साझेदारी की देख–रेख अंतरराष्ट्रीय सहभागिता सलाहकार समिति (एसीआईपी) द्वारा की जाती है। इस समिति की प्राथमिक भूमिका यह है कि विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय और विदेशी संस्थानों/ अन्तरराष्ट्रीय एजेंसियों के बीच अनुबंध तैयार करते समय सलाह देना। इसके साथ ही इस समिति का यह कार्य भी है कि अधिगम एवं अनुसंधान कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाने तथा अध्ययन या अनुसंधान के लिए विदेश जाने वाले अध्येताओं, छात्रों, शोधकर्ताओं एवं एयूडी के सदस्यों का सहयोग करें।

2008 में एयूडी ने अपनी स्थापना के बाद अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सहयोग प्राप्त करने के लिए कई स्रोतों से अवसर प्राप्त किये जिसके तहत विश्वविद्यालय ने विदेशी संस्थानों के साथ मिलकर समझौता–ज्ञापनों (द्विपक्षीय) पर हस्ताक्षर किये। इन समझौता/ ज्ञापनों के अंतर्गत विश्वविद्यालय एवं विदेशी संस्थानों के बीच निम्नलिखित विषयों पर बातचीत की गयीः– अन्तरराष्ट्रीय छात्रों के लिए संस्थानों का निर्माण करना, संकाय सदस्यों का आदान–प्रदान, संयुक्त उपाधि कार्यक्रम, अनुसंधान सहयोग एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना।

एसीआईपी के कार्य एवं उद्देश्य इस प्रकार हैं :–

- विश्वविद्यालय के लक्ष्य एवं उद्देश्य के सन्दर्भ में अंतरराष्ट्रीय सहभागिता के लिए नए प्रस्तावों का आकलन करना।
- इन प्रस्तावों में प्रस्तावित साझेदारी/सहयोग की शर्तों के सन्दर्भ में समझौता–ज्ञापनों या अन्य उपकरणों को क्रियान्वित करना।
- अगर आवश्यकता हो तो साझेदारी के समझौता–ज्ञापन या उपकरणों के मसौदे पर कानूनी पुनर्निरीक्षण की मांग करना।
- साझेदारी के लिए एक अंतरिम अनुमोदन पर कुलपति को परामर्श देना।
- वैधानिक मंजूरी के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के साथ वचनबद्ध।

- सहभागिता समझौता– ज्ञापन या इस तरह के उपकरणों पर अमल करने के लिए कुलपति को आवश्यक सुझाव देना।
- एयूडी और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों / अनुसंधानकर्ताओं / संकाय सदस्यों / विद्यार्थियों के बीच संबंधों को स्थापित करना एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा आगे बढ़ने के अवसरों की तलाश करना।
- एयूडी में विदेशी विद्यार्थियों, अथिति संकाय एवं अनुसंधानकर्ताओं की व्यावहारिक आवश्यकताओं के लिए सेवा प्रदान करना एवं इन्हें विश्वविद्यालयी जीवन में पूरी तरह संलग्न होने में मदद करना। इसके अलावा इन्हें आवश्यक मंजूरी दिलवाना, वीज़ा, आवास एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना भी शामिल है।
- विदेशी अध्येताओं, विद्यार्थियों, संस्थानों एवं अंतरराष्ट्रीय अभिकरणों के लिए एयूडी के शैक्षणिक अनुभव और भारतीय शैक्षणिक परम्पराओं की अद्वितीय विशेषताओं का प्रदर्शन करना।
- एयूडी समुदाय की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय आयाम लाना।

एयूडी द्वारा निम्न समझौता–ज्ञापनों (द्विपक्षीय) पर पिछले वर्षों में हस्ताक्षर किये गए :–

- एयूडी 2011 से 'अर्बन नॉलेज नेटवर्क एशिया' (यूकेएनए) का सदस्य है। यह संघ सदस्य संस्थानों के बीच अल्पकालिक संकाय सदस्यों के माध्यम से अनुसंधान सम्बन्धी सुविधाएं उपलब्ध करवाता है।
- 2011 में सैन फ्रांसिस्को स्टेट यूनिवर्सिटी (यूएसए)
- 2012 में अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन (यूएसए)
- 2012 में हवाई–मनोआ यूनिवर्सिटी (यूएसए)

एयूडी. द्वारा इस वर्ष के दौरान निम्न समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये गयेः

- 2013 में नोर्थम्पटन यूनिवर्सिटी (यूके)
- 2013 में बैंक स्ट्रीट कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन, न्यूयॉर्क (यूएसए)
- 2013 में इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल स्टडीज, इरास्मस यूनिवर्सिटी रॉटरडैम (नीदरलैंड)

- 2013 में नार्वेजियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंटरनेशनल अफेयर्स (एनयूपीआई)
- 2014 में ब्रिटिश काउंसिल एवं रॉयल कॉलेज ऑफ़ आर्ट

इसके अलावा एयूडी उच्च शिक्षा (शिक्षाशास्त्र, अधिगम तकनीक , नीति एवं प्रशासन) के क्षेत्र में सर्वोत्तम विचारधाराओं का प्रसार करने के लिए ब्रिटिश परिषद् / यूरोपियन संघ ई–कुअल 'एन्हान्सिंग क्वालिटी, एक्सेस एंड गवर्नेंस ऑफ़ अंडरग्रेजुएट एजुकेशन इन इंडिया' (2013–2017) द्वारा वित्त पोषित छः विश्वविद्यालयों के अंतरराष्ट्रीय संघ के साथ साझेदारी करने के लिए प्रयासरत है। इसके साथ ही यह बाह्य (विदेशी) विश्वविद्यालयों एवं अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने लिए वचनबद्ध है जिसमें नोर्थम्पटन विश्वविद्यालय (यूके), कोपेनहेगन विश्वविद्यालय (डेनमार्क), ल्योन 3 विश्वविद्यालय (फ्रांस), सेन्स मलेशिया विश्वविद्यालय एवं अनेक विश्वविद्यालय शामिल हैं।

एयूडी के कुछ समझौतों की रपट :–

सेन फ्रांसिस्को स्टेट यूनिवर्सिटी (एसएफएसयू), यूएसए

2011 में एयूडी एवं एसएफएसयू के बीच समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। एसएफएसयू के प्रोफेसर संजीत सेन गुप्ता ने एयूडी के एस.बी.पी.पी.एस.ई का दौरा किया एवं 2013–14 के दौरान एमबीए विद्यार्थियों के लिए मार्केटिंग में नए कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। 'सामाजिक उद्यमिता' के क्षेत्र में सहयोग के लिए नोर्थम्प्टन बिजनेस स्कूल के साथ चर्चा की गयी।

हवाई–मनाओ यूनिवर्सिटी (यूएच), यूएसए

2012 में एयूडी और यूएच के बीच अंतरराष्ट्रीय सहभागिता के मसौदे पर हस्ताक्षर हुए परन्तु औपचारिक तौर पर इसका पर्दापण जुलाई 2013 में हुआ। 2013 के मानसून सत्र में एसयूएस में यूएच के चार स्नातक स्तर के विद्यार्थियों का नामांकन हुआ। संकाय सदस्य प्रोफेसर नेड बेर्त्ज़ के द्वारा यह छात्र यहाँ लाये गए। एयूडी में प्रोफेसर नेड बेर्त्ज़ की भागीदारी इस प्रकार है –

मानसून सत्र (2013): इंडियन हिस्ट्री थ्रू लिटरेचर (वैकल्पिक) एसयूएस के III वर्ष के छात्रों को शिक्षित किया।

मानसून सत्र (2013): हिस्ट्री ऑफ़ द इंडियन ओशन वर्ल्ड (वैकल्पिक) इतिहास के III वर्ष के छात्रों को शिक्षित किया।

शरदकालीन सत्र (2014): स्नातकोत्तर कार्यक्रम के विद्यार्थियों को शिक्षण में सहयोग प्रदान किया।

बैंक स्ट्रीट कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन, न्यूयॉर्क (यूएसए)

अनुसंधान परियोजनाओं के पारस्परिक हित और लाभ के लिए तय समझौता–ज्ञापन के मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं–पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र पर विशेषज्ञता का आदान–प्रदान; संगोष्ठी, सम्मेलन एवं संयुक्त परियोजनाओं का आयोजन; संयुक्त सहयोगी परियोजनाओं के लिए स्रोतों व छात्रों एवं संकाय सदस्यों का आदान– प्रदान तथा संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों का विकास करना।

बैंक स्ट्रीट कॉलेज, न्यूयॉर्क की प्रोफेसर सुसेन एल्लिन स्टिरेस ने अथिति संकाय के तौर पर मार्च 2014 में शैक्षिक अध्ययन शिक्षालय (एसईएस) का दौरा किया। इस कॉलेज को शिक्षक–शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक न्याय और चिन्तनशील अभ्यास की दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। प्रोफेसर स्टिरेस ने अपने दौरे के दौरान विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए चिन्तनशील लेखन पर कुछ कार्यशालाओं का आयोजन किया। इन्होनें शिक्षा के नए स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईसीसीई) की योजना पर अपने विचार प्रस्तुत किये एवं इस कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए आलोचनात्मक प्रतिपुष्टि प्रदान की। उन्होनें कहा कि एसईएस में क्षेत्र अध्ययन की समकालीन पद्धतियों को प्रतिबिंबित करने के लिए विचार–विमर्श का एक खुला मंच प्रदान किया जाए। उन्होनें नयी रणनीतियों का विकास करने के लिए भी संकाय सदस्यों को अभिप्रेरित किया। प्रो. स्टिरेस ने प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र के कार्यों की सरहाना की। मुख्य रूप से उन्होनें केंद्र द्वारा 'विशिष्ट शिक्षा' नीति के विकास में किये गए कार्य को अत्यधिक सराहा। एसईएस के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने प्रो. स्टिरेस की सराहना इनकी ईमानदारी एवं महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं को प्रतिबिंबित करने के सन्दर्भ में की।

इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल स्टडीज, इरास्मस यूनिवर्सिटी रॉटरडैम, नीदरलैंड्स।

इस कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है एवं आगामी सत्र में यह पाठ्यक्रम के रूप में विकसित हो जाएगा।

एयूडी–एनयूपीआई सहभागिता

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली ने नार्वेजियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंटरनेशनल (एनयूपीआई), ओस्लो के सहयोग से एक अनुसंधान परियोजना "दी स्टेट, ग्लोबलाइजेशन एंड इंडस्ट्रीलाइज़ेशन इन इंडियाः दी पोलिटिकल इकॉनमी ऑफ़ रेगुलेशन एंड डीरेगुलेशन" की शुरुआत की। इस सहयोगी परियोजना में भारतीय प्रबंधन संस्थान, कलकत्ता ने एक अन्य संस्थान के रूप में भाग लिया। डॉ. सुरजीत मजूमदार और डॉ. चिरश्री दास गुप्ता इस परियोजना के अनुसंधानकर्ता हैं। मई 2013 में एनयूपीआई एवं एयूडी की बैठक में इस परियोजना के कार्य–क्षेत्र को अंतरिम रूप प्रदान किया गया। इसके पश्चात इसी वित्तीय वर्ष में समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किये गए। इस परियोजना की कार्य–अवधि 2013–2016 तक तीन वर्ष की है। यह परियोजना अभी शुरुआती स्तर पर है। इस अनुसंधान परियोजना की पद्धतियों, विषयों एवं आंकड़ों के स्रोतों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। इस परियोजना के अंतर्गत मई 2014 में ओस्लो में होने वाली कार्यशाला की तैयारियां जारी हैं।

ब्रिटिश काउंसिल एवं रॉयल कॉलेज ऑफ़ आर्ट :–

ब्रिटिश काउंसिल एवं रॉयल कॉलेज ऑफ़ आर्ट की सहभागिता से शुरू की गयी परियोजना का शीर्षक "एवोलविंग बेस्ट प्रैक्टिसेज फॉर पोस्टग्रेजुएट टीचिंग अबाउट डिजाईन, कल्चर एंड सोसायटीः डेवलपिंग करिकुलम, पेडागोजी एंड टीचिंग मैटेरियल्स थ्रू कोल्लाबरेटिव, क्रॉस– कल्चरल पार्टनरशिप" है। इस परियोजना में शामिल संकाय सदस्यों के नाम इस प्रकार हैं–डॉ. सुचित्रा बालासुब्रमण्यन, एसोसिएट प्रोफेसर, डिजाईन शिक्षालय, एयूडी एवं डॉ. क्रिस्टीन गुथ, वरिष्ठ शिक्षक, हिस्ट्री ऑफ़ डिजाईन, स्कूल ऑफ़ ह्यूमेनीटिस, रॉयल कॉलेज ऑफ़ आर्ट, लन्दन।

इस परियोजना के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :–

- डिजाईन शिक्षा के क्षेत्र में विविध सांस्कृतिक विचारों के आदान–प्रदान के लिए एक सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना करना।

- सहयोगी भागीदारों के बीच कौशल के आदान–प्रदान एवं पारस्परिक ज्ञान (द्विपथवर्तीय ज्ञान) के लिए नयी पद्धतियों का विकास करना।
- संकाय अध्यापन तथा अनुसंधान क्षमताओं का विकास करना।
- डिजाईन शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम प्रक्रिया, सामग्री एवं वितरण का विकास करना।
- वैश्विक डिजाईन समुदाय की सर्वोत्तम प्रासंगिक क्रियाओं के लिए मानक तैयार करना।

शुरूआती तीन महीनों में (जनवरी–मार्च 2014) परियोजना का लक्ष्य सहयोगी संस्थानों, क्षेत्रीय कार्यों एवं अनुसंधानों द्वारा कार्यशाला के लिए सामग्री तैयार करना था। इसके अतिरिक्त साझा–ऑनलाइन डिजिटल प्लेटफार्म एवं अल्पकालीन प्रतिभागियों के लिए परियोजना केंद्र की स्थापना की गयी। परियोजना का यह चरण पूर्णतः सफल रहा। "एनक्शियस बॉडीजः डिजाईन एंड अनसर्टेनली इन दी ग्लोबल प्रेजेंट" नामक कार्यशाला के लिए एयूडी से पहले संकाय सदस्यों के समूह को लन्दन के कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स में भेजने की पूरी तैयारियां कर ली गयी थीं परन्तु अब यह कार्य आगामी सत्र के अंतर्गत पूर्ण किया जाएगा।

अर्बन नॉलेज नेटवर्क एशिया (यूकेएनए)

यूकेएनए ने यूरोप और एशिया के 14 संस्थानों से ऐसे शोधार्थियों को एकत्रित किया है जो विभिन्न विषयों, शहरी वातावरण, विरासतों एवं आवासों से सम्बन्ध रखते हैं। यूरोपीय संघ द्वारा वित्त पोषित 'प्राधिकारी विनिमय कार्यक्रम' वर्तमान (2012–2016) में जारी है। लेडियन के इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर एशियन स्टडीज में डॉ. रोहित नेगी एक विद्वान के रूप में तीन महीनों तक (मार्च–जून 2014) रहे। यहाँ उन्होनें अपनी जारी परियोजना ' दिल्ली की शहरी राजनीतिक पारिस्थितिकी' पर कार्य किया तथा 5 जून 2014 को टेक्निकल यूनिवर्सिटी डेल्फ्ट के वास्तुशास्त्र (आर्किटेक्चर) संकाय की संगोष्ठी में इन्होनें अपने द्वारा निकाले गए प्रारम्भिक निष्कर्षों को प्रस्तुत किया। अपने प्रारम्भिक आबंटन के लिए एयूडी के पास आईआईएएस में लगभग 10 और टीयूडी में 3 महीने शेष हैं। मध्यावधि यूरोपीय संघ (ईयू) के आकलन के बाद, यूकेएनए ने प्रस्तावित कार्यक्रम को और अधिक लचीला बना दिया है ताकि कार्यक्रम की शुरुआत में शोधार्थियों को शामिल करने की आवश्यकता न पड़े। इसलिए, शहरी अनुसंधान के खुले आह्वान के बाद एयूडी की सहभागिता को भविष्य के लिए विस्तारित किया गया।

विश्वविद्यालय का विकास

2008–2009 के बाद से एयूडी में छात्रों की संख्या में वृद्धि

2008–2009 के शैक्षिक सत्र में विश्वविद्यालय ने अपना पहला कार्यक्रम विकास अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 13 छात्रों के साथ प्रारंभ किया था। अगले पांच वर्षों में विश्वविद्यालय 34 से अधिक कार्यकर्मों को शुरू करने में सफल हुआ जिनमें 7 स्नातक, 15 स्नातकोत्तर, 2 प्रोफेशनल एम.फिल, 3 एम.फिल एवं 6 पीएच.डी कार्यक्रम शामिल हैं।

वर्ष 2008–09 में कुल नामांकित विद्यार्थियों की संख्या 13 थी। ये संख्या 2013–14 में बढ़कर 1438 हो गयी। वर्तमान में, विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या 1457 है, जिसमें से 546 विद्यार्थी स्नातक में, 795 स्नातकोत्तर में और 116 एम.फिल/पीएच.डी कार्यक्रमों में नामांकित हैं। अकादमिक सत्र 2013–14 में 949 नए विद्यार्थियों का नामांकन हुआ, जिनमें 582 महिला विद्यार्थी हैं। (नीचे दिया गया ग्राफ देखें)

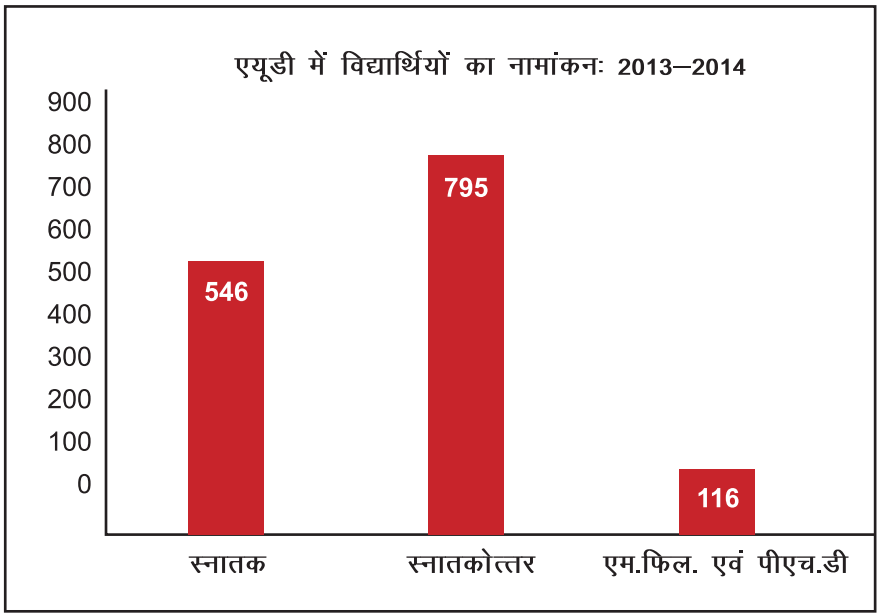

पिछले पांच वर्षों में विद्यालय में प्रवेश हुए विद्यार्थियों की संख्या

श्रेणियां	2009–10		2010–11		2011–12		2012–13		2013–14	
	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां
अनुसूचित जाति	–	06	02	04	21	19	46	40	65	49
अनुसूचित जनजाति	04	02	03	08	29	24	19	38	22	59
अन्य पिछड़ा वर्ग	04	06	–	07	18	27	41	43	68	76
सामान्य	18	53	36	115	104	258	142	368	208	375
अन्य	02	05	06	05	17	25	04	02	04	23
कुल	28	72	47	139	189	353	154	491	367	582

पिछले पांच वर्षों में विभिन्न कार्यक्रमों के लिए मांग अनुपात में काफी वृद्धि हुई है। (नीचे दी गयी तालिका देखें)

स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए मांग अनुपात

प्रस्तुत कार्यक्रम	2010-11			2011-12			2012-13			2013-14		
	आवेदन	छात्रों की प्रवेश संख्या	मांग अनुपात	आवेदन	छात्रों की प्रवेश संख्या	मांग अनुपात	आवेदन	छात्रों की प्रवेश संख्या	मांग अनुपात	आवेदन	छात्रों की प्रवेश संख्या	मांग अनुपात
व्यापार,लोक नीति एवं सामाजिक उद्यमिता शिक्षालय												
व्यावसायिक प्रशासन में स्नातकोत्तर							181	29	6:1	290	38	8:1
संस्कृति एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति शिक्षालय												
एम.ए सिनेमाई अध्ययन							111	06	19:1	165	10	16:1
एम.ए साहित्यिक कला							94	04	24:1	164	09	18:1
एम.ए निष्पादन कला							94	07	13:1	92	12	8:1
एम.ए दृश्य कला							97	07	14:1	100	09	11:1
विकास अध्ययन शिक्षालय												
एम.ए विकास अध्ययन	189	40	5:1	183	41	4:1	417	46	9:1	537	42	13:1
शैक्षणिक अध्ययन शिक्षालय												
एम.ए शिक्षा							141	19	7:1	195	21	9:1
मानव पारिस्थितिकी शिक्षालय												
एम.ए पर्यावरण एवं विकास	118	25	5:1	149	32	5:1	285	34	8:1	286	38	8:1
मानव अध्ययन शिक्षालय												
एम.ए जेंडर अध्ययन	18	12	2:1	80	19	4:1	267	30	9:1	319	39	8:1
एम.ए मनोविज्ञान	257	41	6:1	344	56	6:1	460	45	10:1	464	47	10:1

ललित अध्ययन शिक्षालय									
एम.ए अर्थशास्त्र	273	45	6:1	551	56	10:1	939	41	23:1
एम.ए अंग्रेजी	257	50	5:1	438	58	8:1	729	38	19:1
एम.ए इतिहास	110	23	5:1	177	45	3:1	246	35	7:1
एम.ए समाजशास्त्र	170	40	4:1	373	48	8:1	400	58	7:1
सामाजिक डिजाईन शिक्षालय									
एम.ए सामाजिक डिजाईन							81	12	7:1

स्नातक कार्यक्रमों के लिए मांग अनुपात

प्रस्तुत कार्यक्रम	2010—11			2011—12			2012—13			2013—14		
	आवेदन	छात्रों की प्रवेश संख्या	मांग अनुपात	आवेदन	छात्रों की प्रवेश संख्या	मांग अनुपात	आवेदन	छात्रों की प्रवेश संख्या	मांग अनुपात	आवेदन	छात्रों की प्रवेश संख्या	मांग अनुपात
ललित अध्ययन शिक्षालय												
बी.ए अर्थशास्त्र	117	36	3:1	458	51	9:1	528	42	12:1	1098	41	27:1
बी.ए अंग्रेजी				823	40	20:1	747	55	13:1	1610	42	38:1
बी.ए इतिहास	28	04	7:1	224	20	11:1	444	28	16:1	723	38	19:1
बी.ए गणित				144	12	12:1	236	25	9:1	566	26	22:1
बी.ए मनोविज्ञान	98	22	4:1	457	17	27:1	642	35	18:1	1069	34	31:1
बी.ए सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी	128	06	21:1	335	32	10:1	515	29	18:1	901	33	27:1
बी.ए समाजशास्त्र				285	14	20:1	546	34	16:1	917	30	30:1

2009 से स्नातक हुए विद्यार्थी

वर्ष	कार्यक्रम	स्नातक हुए विद्याथी
2009	डिप्लोमा	10
2010*	—	—
2011	एम ए	77
2012	एम ए	87
2013	एम ए	39
	एम ए	194
कुल		407

2009 में स्नातकोत्तर डिप्लोमा विकास अध्ययन के पहले बैच ने उपाधि प्राप्त की, एम.ए विद्यार्थियों के पहले बैच ने 2011 में उपाधि प्राप्त की। 2010* में किसी भी कार्यक्रम में उपाधि प्रदान नहीं की गयी।

संकाय सदस्यों की संख्या

प्रोफेसर	विशिष्ट प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्राध्यापक	अस्थायी/आगंतुक संकाय	अकादमिक फेलो
10	1	18	60	22	6

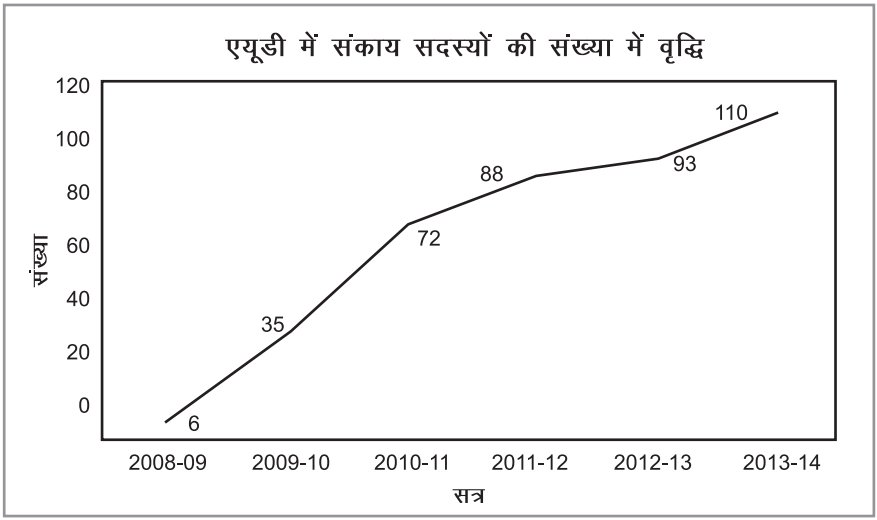
एयूडी में संकाय सदस्यों की संख्या में वृद्धि
120
100
80
60
40
20
0
संख्या
6
35
72
88
93
110
2008-09
2009-10
2010-11
2011-12
2012-13
2013-14
सत्र

विश्वविद्यालय के शिक्षालय

एयूडी अपने शिक्षालयों और केंद्रों के जरिये कार्य करता है। एयूडी के संस्थापित शिक्षालय इस प्रकार हैं :

- व्यवसाय, लोकनीति एवम् सामाजिक उद्यमिता अध्ययन शिक्षालय (एसबीपीपीएसई)
  - एमबीए (एसबीपीपीएसई)
  - प्रकाशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (एसबीपीपीएसई)
- संस्कृति एवम् सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन शिक्षालय (एससीसीई)
  - एम. ए. सिनेमाई अध्ययन (एससीसीई) एम. ए. परफोर्मेंस स्टडीज (एससीसीई)
  - एम. ए. दृश्यकला (एससीसीई)
  - एम. ए. साहित्यिक कला (एससीसीई)
- डिजाईन अध्ययन शिक्षालय (एसडीईएस)
  - एम.ए. सोशल डिजाईन (एसडीईएस)
- विकास अध्ययन शिक्षालय (एसडीएस)
  - एम. ए. विकास अध्य्यन (एसडीएस)
- शैक्षिक अध्ययन शिक्षालय (एसईएस)
  - एम. ए. शिक्षाशास्त्र (एसईएस)
- मानव पारिस्थितिकी अध्ययन शिक्षालय (एसएचई)
  - एम. ए. पर्यावरण और विकास (एसएचई)
- मानव अध्ययन शिक्षालय (एसएचएस)
  - एम. ए. मनोविज्ञान –मनोसामाजिक नैदानिक अध्य्यन (एसएचएस)
  - एम. ए. जेंडर अध्ययन (एसएचएस)
- ललित अध्ययन शिक्षालय (एसएलएस)
  - एम. ए. अर्थशास्त्र (एसएलएस)
  - एम. ए. इतिहास (एसएलएस)

एम. ए. अंग्रेजी (एसएलएस)

एम. ए. समाज शास्त्र (एसएलएस)

- स्नातक अध्ययन शिक्षालय (एसयूएस)

  बी.ए . सम्मान, अर्थशास्त्र (मुख्य विषय)

  बी.ए . सम्मान, अंग्रेजी (मुख्य विषय)

  बी.ए . सम्मान, इतिहास (मुख्य विषय)

  बी.ए . सम्मान, गणित (मुख्य विषय)

  बी.ए . सम्मान, मनोविज्ञान (मुख्य विषय)

  बी.ए . सम्मान, समाज शास्त्र (मुख्य विषय)

  बी.ए . सम्मान, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी (मुख्य विषय)

विश्वविद्यालय में बी.ए. सम्मान, दो मुख्य विषयों में भी उपलब्ध है।

निम्नलिखित विषयों में प्रोफेशनल एम.फिल कार्यक्रम का संचालन इस प्रकार है /

1. एम.फिल मनोचिकित्सा एवं नैदानिक चिंतन (एसएचएस)
2. एम.फिल डेवलपमेंट प्रैक्टिस (एसएचएस एवं एसडीएस)
3. एम.फिल हिंदी
4. एम.फिल इतिहास
5. एम.फिल वीमेन एवं जेंडर अध्ययन

निम्नलखित विषयों में डॉक्टोरल कार्यक्रम भी चलाये जा रहे हैं :

1. पीएच.डी विकास अध्ययन
2. पीएच.डी मानव पारिस्थितिकी
3. पीएच.डी मनोविज्ञान
4. पीएच.डी इतिहास
5. पीएच.डी हिंदी
6. पीएच.डी वीमेन एवं जेंडर अध्ययन

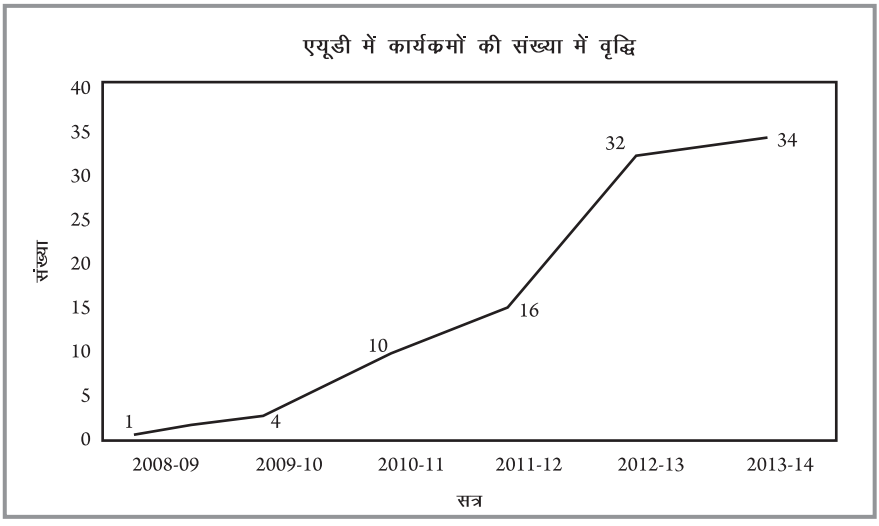

व्यापार, लोकनीति एवम् सामाजिक उद्यमिता अध्ययन शिक्षालय (एसबीपीपीएसई):

सामाजिक उद्यमिता एवं नवप्रवर्तन ऊष्मायन (इन्क्यूबेशन) केंद्र–

एयूडी के लक्ष्य के तहत अन्य शिक्षालयों और एयूडी के केन्द्रों के सहयोग से एसबीपीपीएसई ने "सामाजिक उद्यमिता एवं नवप्रवर्तन ऊष्मायन केंद्र" स्थापित करने की पहल की। इस केंद्र की कल्पना एयूडी के विभिन्न शिक्षालयों के अकादमिक कार्यक्रमों के पूरक के रूप में की गयी। इसका लक्ष्य दो प्रकार के उद्देश्यों को प्राप्त करना है : (1) सामाजिक रूप से उपयोगी व्यवहार के अंतर्गत सैद्धांतिक और वैचारिक अधिगम का अनुवाद करना (2) समाज के उन वंचित वर्गों तक पहुंचना जो नए और समसामयिक ज्ञान का प्रयोग करने में असमर्थ हैं।

यह केंद्र एयूडी के विद्यार्थियों के साथ–साथ बाहरी व्यक्तियों के उन नवीन विचारों को भी आमंत्रित करेगा जो वास्तविक व्यापार से सम्बंधित विचारों को व्यवहार में लाने के लिए परामर्श और आयोजन की प्रक्रिया के अंतर्गत दूत निवेशकों/उद्यम पूंजीपतियों से वित्तीय सहायता की सुविधा प्राप्त कर सकें। यह केंद्र उन लोगों को विचारों के साथ अवसर भी उपलब्ध कराएगा जो सामाजिक उद्यमिता के अंतर्गत अपना व्यवसाय शुरू

करना चाहते हैं। यह केंद्र कम लागत के व्यापार मॉडल के डिजाईन और स्थापना के लिए आवश्यक कौशलों को सिखाने के साथ–साथ अवसरों के विकास और नए विचारों का परीक्षण करने की सुविधा भी उपलब्ध कराएगा। यह ऐसी संभावनाएं बनायेगा जिनके द्वारा उन सफल व्यक्तियों के अनुभवों को साझा किया जा सके जो विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी विद्वानों के साथ कार्य कर चुके हैं। यह केंद्र ऐसी बुनियादी सुविधायें, परामर्श एवं तंत्र प्रदान करेगा जो नए उद्यम स्नातकों के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। यह केंद्र एम.ए. सामाजिक उद्यमिता कार्यक्रम के, विशेष रूप से द्वितीय वर्ष के छात्रों को अपने घर जैसा आभास देगा।

संस्कृति एवम् सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन शिक्षालय (एससीसीई)

आमंत्रित संकाय योजना के एक भाग के रूप में शिक्षालय नियमित आधार पर सप्ताह में दो बार पाठ्येतर कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इसके अंतर्गत फिल्म निर्माताओं, कलाकारों, विद्वानों एवं सिद्धांतवादियों को आमंत्रित किया जाता है जो कि शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ अपने कार्यों की प्रस्तुति पर चर्चा करते हैं। इसमें माया कृष्णा राव, वसुधा थोजुर, अमितेश ग्रोवर, के. सच्चिदानंदन, विवान सुन्दरम, मासूम सायद, अरी सीतास, बिंदु मेहरा, जेयोर्जिना मेड्रोक्स, रवि वासुदेवन, शुक्ला सावंत, इंद्रा चंद्रशेखर, श्रीलक्ष्मी गोवर्धन द्वारा दी गयी प्रस्तुतियां शामिल हैं।

शैक्षणिक अध्ययन शिक्षालय (एसईएस)

शैक्षणिक अध्ययन शिक्षालय की स्थापना अनुशासन एवं अभ्यास के रूप में शिक्षा को समझने, विश्लेषण करने तथा विभिन्न चुनौतियों के साथ संलग्न करने के लिए की गयी। एसईएस को अभिनियोजित छात्रवृत्ति तथा अभ्यास के जरिये अपने ऐतिहासिक और समसामयिक संदर्भों में शिक्षा को समझाने में प्रयासरत व्यवसायिकों और विद्वानों के समुदाय के रूप में विकसित करने के लिये परिकल्पित किया गया है। यह अध्ययन शिक्षालय अपने विविध स्थानों में शिक्षा के सिद्धांत और व्यवहार के बीच अंतराल को पाटने का प्रस्ताव करता है तथा यह सामाजिक घटना के रूप में शिक्षा के अध्ययन तथा व्यवसायिक शिक्षकों को तैयार करने के बीच अधिक समाभिरूपता को बढ़ावा देगा। यह अध्ययन शिक्षालय शिक्षकों की शिक्षा शिक्षणशास्त्र, पाठ्यचर्या, नीति, नियोजन और प्रशासन पर ध्यान देते हुए विश्लेषण और अनुसंधान हेतु गम्भीर प्रैक्टिस आधारित सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य के विकास के लिये कार्य करता है।

अपने लक्ष्य के अंतर्गत एसईएस ने 2012 में अपने पहले अकादमिक कार्यक्रम 'शिक्षा' में एम.ए. की शुरुआत की। प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र (सीईसीईडी) के सहयोग से शिक्षालय ने 2014 में 'प्रारम्भिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा' में एम.ए. कार्यक्रम की शुरुआत की। एसईएस द्वारा भविष्य में शिक्षा में एम.फिल/पीएच.डी, पूर्व–सेवा अध्यापक शिक्षा एवं सर्टिफिकेट/डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू करने की योजना है।

वर्ष 2013–14 के दौरान शिक्षालय की गतिविधियाँ

- अनुभवी विद्वानों, अतिथि के रूप में आये शोधार्थियों, अतिथि एवं सहायक संकाय ने छात्रों के लिए शिक्षा संगठन एवं प्रतिनिधित्व, पाठ्यक्रम अध्ययन, शैक्षणिक सांख्यिकी और वैचारिक लेखन विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किये तथा कार्यशाला का आयोजन किया।
- शिक्षा के क्षेत्र में महत्त्व रखने वाले विषयों पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किये गए:–
- हिट, स्टीवन, ब्रिग्हम यंग यूनिवर्सिटी: क्वालिटेटिव रिसर्च इन एजुकेशन
- कीर्ति जयाराम, आर्गेनाईजेशन फॉर अर्ली लिटरेसी प्रमोशन : दी अर्ली लिटरेसी मूवमेंट इन इंडिया
- कबीर वाजपेयी, विन्यास: बिल्डिंग एस लर्निंग ऐड
- विद्यार्थियों ने क्षेत्र अनुभव प्राप्त करने के लिए विभिन्न संस्थाओं एवं विद्यालयों का दौरा किया–(अ) गैर–सरकारी संगठन– बोध शिक्षा समिति, एकलव्य और विद्या भवन सोसायटी, (ब) सरकारी संस्थान–एनसीईआरटी और सर्व शिक्षा अभियान (लखनऊ) एवं (स) दिल्ली के सरकारी और गैर सरकारी विद्यालय–एक्सपेरिमेंटल बेसिक स्कूल (दिल्ली विश्वविद्यालय), ब्लूबेल्स इंटरनेशनल, सेंट मैरीज़, प्रेजेंटेशन कान्वेंट तथा डी.ए.वी स्कूल।
- अध्यापक सहयोगी 'दिल्ली सरकार की विद्यालय परियोजना' के पूर्व चरण की अवधारणा को 'आह्वान' ट्रस्ट द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। एसईएस, संकाय परियोजना को समन्वित करने के लिए इसकी संरचना एवं गतिविधियों को विकसित करने में कार्यरत है। शिक्षालय ने सीईसीईडी एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के सहयोग से परियोजना के लिए आधारभूत उपकरणों को डिजाईन किया तथा

जनवरी–फ़रवरी 2014 में दिल्ली के 'पांच विद्यालयी परियोजना' के अंतर्गत छात्रों के अधिगम स्तरों एवं विद्यालय के वातावरण की आधारभूत संरचना का निर्माण किया।

- सुजेन स्टिरस (बैंक स्टेट कॉलेज, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एजुकेशन, न्यूयॉर्क) द्वारा अथिति संकाय के रूप में शिक्षालय के स्नातकोत्तर शिक्षा कार्यक्रम के लिए क्षेत्र अनुभव घटक को दृढ़ बनाने के सन्दर्भ में संकाय के साथ विचार–विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त इन्होनें छात्रों को फील्ड नोट्स बनाने के लिए निर्देशित भी किया।
- 16 –21 दिसम्बर 2013 के दौरान एसईएस संकाय ने टीआईएसएस , एपीयू एवं नयूपा के सहयोग से टीआईएसएस, हैदराबाद में 'एजुकेशन पालिसी दैट फोकस ऑन रेगुलेशन इन एजुकेशन' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया।

एसईएस की उपलब्धियां–

- 2013–14 में शिक्षालय ने सीईसीईडी के सहयोग से 'प्रारंभिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा' दो वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम की शुरुआत की। सर रतन टाटा ट्रस्ट की वित्तीय सहायता के द्वारा इस कार्यक्रम को शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के प्रथम बैच का प्रवेश 2014–15 में होगा।
- 2014 में शिक्षालय द्वारा ' टीचर्स इन कन्वर्सेशन : स्कूलटीचर्स नैरेटिव्स, डिसकशन्स एंड डायलोग्स' का प्रकाशन किया गया। यह विद्यालय के 40 शिक्षकों के समूह द्वारा की गयी चर्चा की रपट एवं पांच सरकारी अध्यापकों द्वारा लिखित विवरण का एक दस्तावेज है। 2011–12 में एसईएस संकाय ने आह्वान ट्रस्ट के सौजन्य से 'टीचर्स इन कन्वर्सेशनः स्कूलटीचर्स नैरेटिव्स, डिसकशन्स एंड डायलोग्स' दस्तावेज में उभरे कई विषयों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया।
- वर्ष 2013–14 में शिक्षालय के संकाय सदस्य राष्ट्रीय स्तर की समितियों एवं संस्थाओं के सदस्य रहे। यह समितियां एवं संस्थाएं शिक्षा के प्रासंगिक क्षेत्रों, विशेष रूप से अध्यापक शिक्षा क्षेत्र में नीतिगत स्तर की सिफारिशें बनाने में संलग्न हैं।

मानव अध्ययन शिक्षालय (एसएचएस)

एम.फिल मनोसामाजिक एवं नैदानिक अनुसंधान तथा पीएच.डी मनोविज्ञान कार्यक्रम संवेदनशील मानव मन में चल रहे ज्ञान और सत्ता के प्रश्नों पर अंतर–अनुशासनात्मक बल एवं आत्म–आलोचना द्वारा निर्देशित हैं। इन कार्यक्रमों की महत्त्वाकांक्षा

मनोवैज्ञानिक मानव विज्ञान की सांस्कृतिक संवेदनशीलता, राजनीतिक स्वतंत्रता एवं सामाजिक–राजनीतिक जागरूकता को पुनः प्राप्त करना है।

ललित अध्ययन शिक्षालय

समाजशास्त्र में पीएच.डी कार्यक्रम को स्वीकृत किया जा चुका है, यह कार्यक्रम 2014–15 से आरम्भ हो जाएगा। इसके अलावा भविष्य में गणित में एम.फिल एवं पीएच. डी शुरू करने पर विचार किया जा रहा है।

स्नातक अध्ययन शिक्षालय (एस.यू.एस)

अकादमिक वर्ष 2013–14 के दौरान डॉ. सत्यकेतु सांकृत (एसोसिएट प्रोफ़सर, एसएलएस/ एसयूएस) एसयूएस के डिप्टी डीन (उप–अधिष्ठाता) के पद पर नियुक्त हुए। इससे प्रशासनिक और शैक्षणिक गतिविधियों को कारगर बनाने में मदद मिली।

वर्ष 2013–14 में एसयूएस में 280 छात्रों को प्रवेश दिया गया। वर्तमान में एसयूएस में छात्रों की संख्या 523 है। 2011 –12 बैच के 111 छात्र इस समय अंतिम वर्ष में हैं। ये जून 2014 में स्नातक हो चुके होंगे। ऐसी आशा है कि इनमें से बहुत से छात्र दो मेजर सहित ऑनर्स डिग्री के लिये अतिरिक्त चौथे वर्ष के लिये रुकेंगे।

अकादमिक वर्ष 2013–14 में पहली बार एसयूएस में सर्वव्यापी आधारित (क्लाउड बेस्ड) ई.आर.पी मॉडल के द्वारा कागजरहित ऑनलाइन प्रणाली के जरिये छात्रों को प्रवेश दिया गया। प्रो. सलिल मिश्र (अधिष्ठाता,एसयूएस) और आशा देवी (सहायक, एसयूएस कार्यालय) ने ई.आर.पी द्वारा संस्थानिक प्रवेश के लिये महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। आईटी सेवा निदेशक डॉ. के. श्रीनिवासन और श्री दीपक बिसला, इनके सहयोग में अनुकरणीय थे। दोनों सत्रों के अंत तक एसयूएस कार्यालय द्वारा वरिष्ठ छात्रों के आँकड़ों को ई.आर.पी में दर्ज किया गया तथा ई.आर.पी का प्रयोग करके अंतिम ग्रेड्स और परिणाम भी घोषित किये गये। एसयूएस कार्यालय एवं संकाय द्वारा मानसून एवं शरदकालीन सत्रों में छात्रों के हाजिरी संबंधी आँकड़ों को संगृहीत करने के लिये ई.आर. पी सुविधा का प्रयोग किया गया। एसयूएस कार्यालय ने मानसून एवं शरदकालीन सत्रों में छात्रों के पंजीकरण के लिये ई.आर.पी के प्रयोग के लिये अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

हमेशा की तरह विश्वविद्यालय ने उन्मुखीकरण कार्यक्रम द्वारा छात्रों का स्वागत किया। यहाँ छात्र एयूडी की एसयूएस संरचना से परिचित हुए। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय की यौन शोषण तथा रैगिंग के विरुद्ध नीतियों के बारे में भी उन्हें बताया गया। विश्वविद्यालय की समितियों के पास यह अधिकार है कि वह समय–समय पर इस तरह की नीतियों में परिवर्तन लायें। इसके अलावा 'एहसास' (मनोवैज्ञानिक क्लिनिक) के सदस्यों ने नए विद्यार्थियों के साथ संपर्क स्थापित करने के लिए अपना परिचय प्रदान किया। उन्मुखीकरण कार्यक्रम के द्वारा नए विद्यार्थियों को एक समझ के साथ उनकी जिम्मेदारियों एवं विश्वविद्यालय से मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी बताया गया।

2013–14 के मानसून और शरदकालीन सत्र में छात्रों के लिये स्नातक कार्यक्रम के 61 और 67 पाठ्यक्रम मौजूद थे। इतनी बडी संख्या में मौजूद पाठ्यक्रमों का संचालन एक बड़ी समस्या बन गया था जिसके लिए एयूडी में अतिरिक्त संकाय सदस्यों की नियुक्ति की गयी। एसीसी और कार्यक्रम समिति ने नियमित बैठकों में इन चुनौतियों को सुलझाने का प्रयास किया। निर्णय क्षमता को प्रतिभागी और ज्ञानप्रद बनाने के क्रम में कार्यक्रम समिति और एसीसी के बीच संप्रेषण माध्यम को खुला रखा गया है। एसीसी बैठकों के प्रावधानों को वृहत तौर पर एयूडी संकाय के साथ साझा किया जाता है।

प्रो. डेनिस लेईटन (इतिहास,एसएलएस) की अध्यक्षता वाली एसयूएस मूल्यांकन और हाजिरी समिति (ईएसी) ने मानसून सत्र 2013–14 के परिणामों को प्रमाणित कर दिया है। शरदकालीन सत्र 2013–14 के लिए डॉ. रुक्मिणी सेन को ईएसी के संयोजक के पद पर नियुक्त किया गया।

एसयूएस की सात कार्यक्रम स्तरीय छात्र संकाय समितियों (एसएफसीएस) के छात्र सदस्यों को चयनित करने के लिये डॉ. धरित्री नर्ज़री (सहायक प्रो.,इतिहास, एसएलएस) की देखरेख में एक लघु समिति यह कार्य देखती है।

डॉ. भूमिका मेलिंग (सहायक प्रो., अंग्रेजी, एसएलएस) की अध्यक्षता में एसयूएस की समय–सारणी समिति ने मानसून और शरदकालीन सत्र के लिये समय–सारणी निर्मित करने का उत्कृष्ट कार्य किया है।

एसयूएस के छात्रों को छात्रवृत्ति और शुल्क छूट

2013–14 के शरदकालीन सत्र में एसयूएस के 82 छात्रों को उनके मानसून सत्र के प्रदर्शन के आधार पर मेधावी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।

मानसून सत्र 2013 –14 में 81 छात्रों को शुल्क छूट प्रदान की गई। इन 81 छात्रों में से 28 छात्रों को आंशिक छूट और 53 छात्रों को पूर्ण छूट दी गई। शरदकालीन सत्र 2013–14 के लिये मार्च 2014 में भी 100 छात्रों को शुल्क छूट प्रदान की गई। 100 छात्रों में से 41छात्रों को आंशिक छूट और 59 छात्रों को पूर्ण छूट दी गई।

छात्र कल्याण निधि

अकादमिक सत्र 2013–14 में छात्र कल्याण निधि समिति का गठन का किया गया। एसयूएस के अधिष्ठाता इस समिति के सभापति नियुक्त किये गए। विश्वविद्यालय के संकाय की ओर से डॉ. धरित्री नर्ज़री, डॉ.सत्यकेतु सांकृत और डॉ. बिधान चन्द्र दास एवं तीन विद्यार्थी प्रतिनिधि– सुश्री नीति दियोलिया, सुश्री रुचिका राय तथा सुश्री अन्तरा मुखर्जी इस समिति के सदस्य चुने गए। यह समिति आर्थिक रूप से कमज़ोर विद्यार्थियों

की समस्याओं का निदान, परिवहन सहयोग, अध्ययन सामग्री एवं विश्वविद्यालय के 6 विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

पार्श्विक प्रवेश समिति

एसयूएस के अधिष्ठाता के सभापतित्व में पार्श्विक (लेटरल) प्रवेश समिति की स्थापना की गयी। अकादमिक सत्र 2013–14 में डॉ.अनिल प्रसाद एवं सुश्री दीप्ति सचदेव इस समिति के सदस्य थे। वर्ष 2013–14 में पार्श्विक प्रवेश योजना के तहत चार विद्यार्थियों को दाखिला दिया गया।

विश्वविद्यालय के केंद्र

एयूडी में केंद्र विश्वविद्यालय की संरचना का एक अभिन्न अंग हैं तथा यह मौलिक अंतर्विषयक अनुसंधान में शामिल हैं। जबकि एयूडी के शिक्षालयों की मुख्य विशेषता अकादमिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत करना है । केंद्र मुख्यतः बड़ी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए होते हैं। इसके अतिरिक्त केंद्र नीति विश्लेषण, सक्रिय समर्थन, प्रशिक्षण एवं अन्य संस्थानों के साथ सम्बन्ध स्थापित करने का भी कार्य करते हैं। अधिकांश केंद्र उभरते हुए अंतर्विषयक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं तथा अंतर्विषयक अनुसंधान के लिए बाहरी एजेंसियों व अध्ययन शिक्षालयों के साथ सहभागी के रूप में कार्य करते हैं। वर्तमान में पांच केंद्र संचालित हैं। इसके अलावा नेतृत्व और परिवर्तन, समानता एवं सामाजिक न्याय, आध्यात्मिक समन्वय और शान्ति की स्थापना, गणित का सामाजिक उपयोग तथा प्रकाशन केन्द्रों को स्थापित करने के लिए योजना बनायी जा रही है।

सामुदायिक ज्ञान केंद्र (सीसीके)

एयूडी में सामुदायिक केंद्र तीन अंतर्विषयी कार्यक्षेत्र विकसित कर रहा है :– (क) समुदाय आधारित मौखिक इतिहास एवं व्यवहार आधारित ज्ञान में क्षेत्रीय कार्य (ख) वस्तुओं के संग्रहण के लिए संग्रहालयों के साथ कार्य, एवं (ग) डिजिटल संग्रहण।

दिल्ली स्मरण परियोजना

यह परियोजना शहरी आख्यान के अप्रयुक्त स्रोतों से शहरी इतिहास और कथाओं को उजागर करने एवं उनके प्रलेखन पर ध्यान केन्द्रित करने की ओर लक्षित है। इस बहुआयामी प्रलेखन एवं सामुदायिक समन्वयन का प्रचार सार्वजनिक गतिविधियों एवं निम्नलिखित उप–कार्यक्रमों के द्वारा किया जा रहा है :–

- **दिल्ली की यादें (अक्टूबर 2013 से अब तक)**: यह शृंखला वार्ता दिल्ली के पुराने निवासियों द्वारा 75 वर्ष की आयु से ऊपर उन सात व्यक्तियों के साथ आयोजित की गयी थी जो विभिन्न वर्गों और समुदायों से आये थे तथा जिन्होनें अपनी संगृहीत फोटो के साथ–साथ अपने निजी अनुभव भी संकाय सदस्यों एवं छात्रों के साथ बांटे।
- **दारा शिकोह उत्सव (फ़रवरी 2014–अगस्त 2014)**: दारा शिकोह उत्सव के अंतर्गत कश्मीरी गेट और शाहजहानाबाद शहर के कुछ पुराने हिस्सों के इतिहास को समझने एवं पुस्तकों से मौखिक इतिहास और जानकारी को विलय करने की दिशा में कार्य किया जा रहा था। इस उत्सव में प्रदर्शनियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं परिचर्चाओं को भी शामिल किया गया।
- **पूर्वोत्तर क्षेत्र**: पूर्वोत्तरी परियोजना नागालैंड के मोन जिले में कार्यरत है जहाँ समुदाय के सांस्कृतिक संसधानों के नेतृत्व में नृजातीय (मानव सम्बन्धी विज्ञान) अन्वेषण का कार्य चल रहा है।
- **कोन्यक समुदाय के सांस्कृतिक संसाधनों का प्रलेखन**: एन. तन्वांग कोन्यक (क्षेत्र प्रलेखन अध्येता) ने स्थानीय दल के साथ 15 मई 2013 को नागालैंड विश्वविद्यालय के लूमामी परिसर में आयोजित नवोन्मेष (इनोवेशन) उत्सव में "कोन्यक समुदाय की औषधीय और जैव विविधता विरासत" के प्रलेखीय पहलुओं को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भारत के राष्ट्रपति द्वारा किया गया।

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण द्वारा इस परियोजना का समर्थन एवं क्रियान्वयन किया गया (जुलाई 2012/जून 2013)। 'एनडेंजरड आर्काइव्स प्रोग्राम', ब्रिटिश लाइब्रेरी के समर्थन के लिए इस प्रस्ताव को बनाया गया था तथा प्रारम्भिक चरण में ही इसे चयनित कर लिया गया।

- **समुदाय के भीतरी परिप्रेक्ष्यः** भौतिक संस्कृति निर्माण और उपयोग – यह सीसीके, एयूडी के विभिन्न शिक्षालयों के संकाय सदस्यों एवं नार्थ ईस्ट फोरम (एनईएफ), एयूडी द्वारा शुरू की गयी एक सहयोगी परियोजना है जिसमें भौतिक संस्कृति के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण शामिल हैं। यह परियोजना, सामाजिक रूप से समृद्ध शब्दकोशों की गतिशील अभिव्यक्ति के रूप में फिर से पहचान करेगी। यह परियोजना नागालैंड, मणिपुर, मेघालय व असम समुदायों की भौतिक संस्कृति के अंदरूनी सूत्रों का एक अध्ययन है। वर्तमान में इसके संपादित शोध–पत्रों को प्रकाशन हेतु प्रेस में भेजा जा चुका है।

अनुसंधान क्षेत्रों की पहचान तथा शोध–विषयों को जारी रखने के लिए सीसीके द्वारा 'भौतिक संस्कृति में सांस्कृतिक देश : पूर्वोत्तर भारत व दक्षिण पूर्वी एशिया" विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने की योजना बनायी गयी है। प्रथम सह–प्रायोजक इंस्टिट्यूट ऑफ़ चाइना से अनुदान की राशि का एक छोटा भाग प्राप्त हो चुका है।

मध्यप्रदेश क्षेत्र

ओरल नॉलेज फ्रॉम सतपुड़ा रीजन ऑफ़ मध्यप्रदेश : सी.पी मौर्य (क्षेत्रीय अध्येता, पिपरिया, जिला होशंगाबाद, मध्यप्रदेश) ने मौखिक इतिहास परम्परागत कृषि पद्धतियों के ज्ञान एवं इसके निरंतर उपयोग की सीमा को निर्धारित करने के लिए स्थानीय संगठनों के साथ कार्य किया। सीसीके ने क्षेत्र आधारित संवहनीय (टिकाऊ) कृषि ज्ञान की रणनीति तैयार करने के लिए लघु कृषक तंत्रों व संगठनों के साथ विचार–विमर्श शुरू कर दिया है। वर्तमान में सीसीके प्रदर्शनी आयोजन तथा अनुसंधान विषयों की पहचान के लिए एक सम्मलेन के विकास पर 'राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान' एवं 'इंटेक' के साथ चर्चा कर रहा है।

(क) क्षेत्रीय प्रलेखन अध्येता परियोजना (फील्ड डॉक्यूमेंटेशन फेलो प्रोजेक्ट) जुलाई 2012 / जून 2013

इस सहयोगी परियोजना का उद्देश्य राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (एनआईएफ) के साथ मिलकर अमूर्त ज्ञान विरासत के प्रलेखन में समुदाय के अंदरूनी सूत्रों व इसकी मूर्त अभिव्यक्ति को संबल प्रदान करना था। नागालैंड के मोन जिले तथा मध्यप्रदेश के पिपरिया जिले में इस परियोजना के अध्येता (फेलो) कार्यरत थे।

इस परियोजना के द्वारा एकत्रित जानकारी प्रलेखन कार्यक्रम के विस्तार के लिए बहुत उपयोगी है। भूमिकाओं, उत्तरदायित्वों के विभाजन व सूचनाओं के आदान–प्रदान ने इस परियोजना को और अधिक प्रभावी बना दिया है।

(ख) संग्रहालयों में सामुदायिक ज्ञान (कम्युनिटी नॉलेज इन दी म्यूजियम)

संग्रहालय एवं अन्य संग्रहों द्वारा एकत्रित, दुर्लभ, अनदेखी व ऐतिहासिक सामग्री के बहु–विषयक क्षेत्रों का पुनः परीक्षण करना इस परियोजना का प्रारम्भिक चरण है। स्रोत समुदायों की समीक्षा और टिप्पणियों के लिए डिजिटल प्रत्यावर्तन, डिजिटल कलाकृतियों एवं तस्वीरों की वापसी समुदाय के पुनर्मूल्यांकन का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पहलू है जिसमें सीसीके सहयोगी रूप से प्रवेश कर चुका है।

ऐतिहासिक समुदाय ज्ञान का आकलन करने की प्रक्रिया के एक भाग के रूप में, सीसीके ने देश के अग्रणी संग्रहालयों के साथ सहयोगात्मक परियोजनाओं का प्रस्ताव रखा है एवं इन परियोजनाओं पर कार्य करना भी आरम्भ कर दिया है।

- **राष्ट्रीय संग्रहालय, नयी दिल्ली**: 'सफरनामा' प्रदर्शनी एवं अंतर्विषयक कार्यशाला द्वारा उद्‌गम और कारीगरी की पहचान तथा शिल्प परम्परा और इसके संरक्षण की दिशा में एक नवीन दृष्टिकोण का गठन किया गया। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम में भारत एवं विदेशों से अनेक विद्वान एवं अभ्यासकर्ता सम्मिलित हुए। सीसीके, राष्ट्रीय संग्रहालय तथा म्यूजियम ऑफ़ प्रिंटेड टेक्सटाइल ऑफ़ मुलहाउस, फ्रांस के सहयोग का ही परिणाम था कि इतने बड़े पैमाने पर विभिन्न देशों के विद्वान एक साथ एक ही स्थान पर एकत्रित हुए। विभिन्न अकादमिक क्षेत्रों–कला इतिहास, वास्तुकला एवं पुरातत्व, वनस्पति ज्ञान, जीव विज्ञान, वस्त्र व प्राकृतिक मुद्रण शिल्प परंपरा, सामुदायिक ज्ञान तथा अमूर्त विरासत से विद्वानों को इस कार्यशाला में

आमंत्रित किया गया। कार्यशाला में प्रस्तुत शोध–पत्र 2014 के पाठ्यक्रम में संग्रहालय की सहभागिता द्वारा प्रकाशित किये गए हैं। इस प्रदर्शनी और कार्यशाला के प्रदर्शन को देखते हुए अगस्त से दिसम्बर 2014 के बीच फ्रेंच संस्थान ने अपने नेतृत्व में भारत के तीन अन्य स्थानों पर प्रदर्शनी का आयोजन किया।

- **भारतीय संग्रहालय, कलकत्ताः** 'नागा कल्चरल हेरिटेज' कार्यशाला का आयोजन इस उद्देश्य से किया गया था कि इसमें शामिल समुदाय के सदस्य उद्गम और उपयोग का निर्धारण करते हुए , 18वीं सदी में नागा जनजातियों की दुर्लभ ऐतिहासिक सामग्री व कलाकृतियों की व्याख्या कर सकें। संग्रहालय द्वारा इस कार्यशाला का नेतृत्व इसलिए किया गया था ताकि इसके कार्यान्वयन में शामिल समुदाय सदस्य आगे की गतिविधियों के लिए अपनी प्रकृति का विस्तार करें। 2014–15 में समुदाय की आगे की गतिविधियों में सीसीके से सुझाव मांगे गए हैं। (नवम्बर 2012)
- सीसीके ने भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् , बिब्लियोथेक नेशनल दे फ्रांस, राष्ट्रीय संग्रहालय एवं इंडियन इंटरनेशनल सेंटर के सहयोग से "टाइम, स्पेस, डायरेक्शन–डाइवर्सिटीज़ इन कॉगनिटिव एप्रोच : मैप्स एंड चार्ट्स ऑफ़ दी इंडियन ओशियन रीजन" पर प्रदर्शनी एवं परिचर्चा शृंखला का आयोजन किया। बिब्लियोथेक नेशनल दे फ्रांस के संग्रहण से मानचित्रों के साथ देश के 7 संग्रहालयों की कलाकृतियों एवं मानचित्रों को भी इसमें शामिल किया गया। प्रदर्शनी के एक भाग के रूप में सूचीपत्र का भी प्रकाशन किया गया (फ़रवरी–अप्रैल 2014)। इस प्रदर्शनी में निम्न प्रतिभागी शामिल थे–लारा राय (स्वतंत्र अध्येता), निलजा अंग्मो (सहायक प्राध्यापक, डीयू), शेरिल जेकोब (पीएच.डी शोधार्थी,एसएलएस) एवं शम्बवादित्य घोष (स्वतंत्र अध्येता)।
- एयूडी में 2014 के बाद दिल्ली के बहु–विषयक मानचित्रकारों के तुलनाकारी समूह (दिल्ली विश्वविद्यालय में स्थित) के सहयोग द्वारा वैकल्पिक मानचित्रकारी पर आयोजित होने वाले सम्मेलन एवं सम्बंधित प्रकाशन के नेतृत्व का निर्णय इस प्रदर्शनी में लिया गया।
- आईसीएचआर, राष्ट्रीय संग्रहालय एवं आईएनएसए द्वारा "कल्चरल नॉलेज ट्रांसमिशन अक्रॉस कल्चरल ज़ोन्स इन एंटीक्यूटी" पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन समूह का हिस्सा बनाने के लिए सीसीके को आमंत्रित किया गया। इस परियोजना का कार्य ललित अध्ययन शिक्षालय तथा अन्य शिक्षालयों के संकाय सदस्यों के द्वारा किया जाएगा।

अध्यापन पाठ्यक्रम / कार्यशाला

सीसीके द्वारा दो अध्यापन पाठ्यक्रमों को विकसित किया गया (प्रत्येक पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट का है)–एसएलएस–एसयूएस के सहयोग से बी.ए तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 'इतिहास में दिल्ली' पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया। इस पाठ्यक्रम में क्षेत्र आधारित गतिविधियों द्वारा इतिहास का पता लगाया जाता है। सभी स्नातक विद्यार्थियों के लिए एक विशेष रुचि पाठ्यक्रम "डिजिटल स्टोरीटेलिंग फ्रॉम दी फील्ड" बनाया गया है जो कि सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के व्यवहार में दृश्य–श्रव्य विधियों के उपयोग का प्रसार करता है। प्रख्यात मौखिक इतिहासकार प्रोफेसर सुरूपा मुखर्जी (हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय) के साथ मिलकर दूसरे पाठ्यक्रमों का विकास किया जाएगा।

सीसीके ने विद्यार्थियों एवं विभिन्न शिक्षालयों के संकाय सदस्यों के लिए "दृश्य–श्रव्य प्रलेखन तथा क्षेत्र आधारित नृजातीय (मानव सम्बन्धी विज्ञान) विज्ञान व्यवहार" पर विश्वविद्यालयी कार्यशाला का आयोजन किया।

(ग) डिजिटल ज्ञान कोष एवं संग्रहण कार्यक्रम

वर्तमान में, सीसीके डॉ.लतिका वरदराजन के मानव जाति विज्ञान सम्बन्धी अनुसंधान आंकड़ों पर आधारित देश का पहला मल्टीमीडिया नृजातीय विज्ञान संग्रह बना रहा है। इसके अतिरिक्त सीसीके' एयूडी संस्थागत स्मृति परियोजना' के क्रियान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है। हालांकि अन्य प्रख्यात अध्येताओं एवं साहित्यिक विद्वानों ने अपने कार्य के संग्रहण के लिए सीसीके से संपर्क स्थापित किया। सीसीके ने प्रतिभागी शिक्षालयों के बीच एक अलग सहयोगी परियोजना बनाने का प्रस्ताव रखा है जिसे सीसीके में शामिल किया जा सके।

- **मानव जाति विज्ञान सम्बन्धी संग्रहः** वस्त्र, बुनाई और मल्लाह परम्पराओं पर विशेष जोर देते हुए 'अमूर्त सांस्कृतिक ज्ञान संग्रह' परियोजना बनाने के लिए सीसीके को संस्कृति मंत्रालय (एमओसी) से 2013 –14 में अनुदान की राशि प्राप्त हुई है। इस परियोजना के लिए सामग्री डॉ. लतिका वरदराजन द्वारा प्रदान की गयी है तथा इसमें 1960–2010 तक के समय को शामिल किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य पहला भारतीय नृजातीय विज्ञान संग्रह तैयार करना है जो सांस्कृतिक परम्पराओं, सामुदायिक कौशलों एवं ज्ञान में परिवर्तन के लिए एक असाधारण दृष्टिकोण प्रदान करे।

सीसीके में पहला अनुसंधान संग्रह बनाया जा रहा है जिसका कार्य–क्षेत्र तय की गयी योजना से ज्यादा विस्तृत है। पर्याप्त धन की कमी के कारण डिजिटलीकरण एवं संकलन की दर धीमी है। इस वजह से परियोजना को दूसरे वर्ष में स्थानांतरित किया जा रहा है।

- **एयूडी संस्थानिक स्मृति परियोजनाः** यह परियोजना एयूडी समुदाय के लिए ऑनलाइन संग्रह बनाने की ओर अग्रसर है। इस परियोजना में विश्वविद्यालय की संस्थानिक स्मृति एवं इतिहास की प्रासंगिकता को बनाये रखने के लिए पुरालेख एवं ए/वी आइटम्स को शामिल किया गया है।

परिसर कार्यक्रमों पर आधारित दस्तावेजों को नियमित तौर पर यूट्यूब चैनल के माध्यम से संपादित और प्रचारित किया जाता है। इस परियोजना के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए दृश्य–श्रव्य प्रलेखन कार्यशालाओं का आयोजन भी होता है।

ऑनलाइन संग्रह के डिजाईन एवं स्थापना के लिए आवश्यक स्थान उपलब्ध करवाना इस परियोजना की सबसे बड़ी चुनौती है। इस संग्रह की संरचना प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। इसके डिजाईन एवं ऑनलाइन प्रचार–प्रसार के लिए आईटी के विशेष सहयोग की आवश्यकता होगी।

डेवलपमेंट प्रैक्टिस सेंटर (सीडीपी)

डेवलपमेंट प्रैक्टिस सेंटर ने अर्थशास्त्र विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय एवं अर्थशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय के सहयोग से आईसीएसएसआर में अनुसंधान–अनुदान (25 लाख) के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। इस परियोजना के शुरुआती दो वर्ष में ग्रामीण भारत में जाति और वर्ग के संबंधों को बदलने के प्रश्नों पर ध्यान केन्द्रित किया जायेगा। इस परियोजना के अंतर्गत सीडीपी में दो अनुसंधान सहयोगियों (रिसर्च एसोसिएट्स) को नियुक्त किया जाएगा।

सीडीपी ने 'विकास कार्यवाही/व्यवहार से सम्बंधित मुद्दों' पर विकास क्षेत्र के विद्वानों/कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर 7 सात दिन की कार्यशाला शृंखला आयोजित करने की योजना बनायी। इस शृंखला की पहली 10 कार्यशालाओं का आयोजन एयूडी में 20–26 जून के बीच हुआ जिसमें भारत के विभिन्न क्षेत्रों से 22 विकास विद्वान/कार्यकर्ता उपस्थित हुए। इसकी पहली कार्यशाला का विषय "फिलोसोफिज़ ऑफ़ डेवलपमेंट प्रैक्टिस" था। सीडीपी, एयूडी संकाय एवं 'प्रदान' क्षेत्र के ग्रामीण पेशेवरों के साथ अनुसंधान सम्बन्धी विषयों को निर्धारित करने की प्रक्रिया में भी शामिल है। इस अनुसंधान के अंतर्गत प्रवास, हिंसा एवं विकास के सामुदायिक परिप्रेक्ष्य विचाराधीन हैं जिनके तहत विस्थापन– अव्यवस्था, ग्रामीण क्षेत्रों में लिंग अनुपात, शिक्षा, स्वास्थ्य, शासन, कुपोषण एवं आजीविका जैसे मुद्दों पर भी ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है।

सीडीपी ने रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित ग्रामीण पुनर्निर्माण कार्यक्रम 'श्रीनिकेतन' पर एक अध्ययन का संचालन भी किया है। रुक्मिणी सेन शान्ति निकेतन, बंगाल में इस अध्ययन को संचालित कर रही हैं।

मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र (सीपीसीआर)

मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी मुद्दों के बारे में जागरूकता लाना, मनोविश्लेषण एवं मनोसामाजिक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। साथ ही यह केंद्र सांस्कृतिक जड़ों में निहित संवेदनशील ढंग से मानव–मन में चल रहे ज्ञान और सत्ता पर अंतर–अनुशासनात्मक बल एवं आत्मालोचना द्वारा सवाल खड़े करना भी चाहता है। इस अनुसंधान में मनोचिकित्सा के व्यवहार, पीढ़ी दर पीढ़ी मानसिक आघात, निर्धनता के अनुभवों, राजनीतिक एवं सामाजिक विस्थापन, मनोगतिशील दृष्टिकोण के माध्यम से सामुदायिक कार्य के निहितार्थ, स्वदेशी चिकित्सा की परम्पराओं और प्रथाओं तथा नैदानिक–सांस्कृतिक संवाद की संभावनाओं से जुड़े क्षेत्रों पर बल दिया जाएगा।

केंद्र की गतिविधियाँ

मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र मुख्य रूप से मानव अध्ययन शिक्षालय के साथ जुड़ा हुआ है। कई वर्षों के प्रयासों के पश्चात् सीपीसीआर जुलाई 2013 में अस्तित्व में आया। 2011 से अम्बेडकर विश्वविद्यालय में स्थित 'एहसास' क्लिनिक द्वारा सीपीसीआर मनोचिकित्सा एवं परामर्श उपलब्ध करवाता है। एहसास किसी भी सामाजिक–आर्थिक वर्ग के व्यक्तियों को जिन्हें भावनात्मक एवं मनोवैज्ञानिक देखभाल की आवश्यकता है उन्हें सहायता प्रदान करता है। सामाजिक और आर्थिक रूप से कमज़ोर व्यक्ति जो निजी क्लिनिकों एवं अस्पतालों से सहायता प्राप्त करने में असमर्थ हैं 'एहसास' मुख्य रूप से इन लोगों को मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाएं उपलब्ध करवाता है। 'एहसास' के अंतर्गत चार क्लिनिक शामिल हैं–'अनुभव (वयस्कों के लिए)', 'अभिव्यक्ति (किशोरों के लिए)', 'खेल–खेल में (बच्चों के लिए)' तथा 'हमसफ़र (परिवारों के लिए)'। इन क्लिनिकों के तहत चार 'मनोचिकित्सक' तथा 'एम.फिल मनोचिकित्सा एवं नैदानिक चिंतन' के 17 छात्र कार्य करते हैं।

अब तक क्लिनिक एयूडी के विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों तथा अन्य प्राधिकरणों के अलावा 150 से अधिक बाह्य व्यक्तियों को मनोवैज्ञानिक रूप से स्वस्थ करने में योगदान दे चुका है।

सीपीसीआर 2011 में शुरू हुए मानव अध्ययन शिक्षालय के एम.फिल (मनोचिकत्सा एवं नैदानिक चिंतन) कार्यक्रम का अभिन्न–अंग है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामाजिक रूप से संवेदनशील मनोचिकित्सकों व अनुसंधानकर्ताओं को तैयार करना है।

प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र

प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र (सीईसीईडी) एक संस्थान के रूप में सुसंगत और समग्र वैचारिक सीमा के अंतर्गत ' प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास' (ईसीईडी) के क्षेत्र में अनुसंधान, नीति और व्यवहार को एक साथ लाता है। सीईसीईडी का उद्देश्य बाल–अधिगम में सम्मिलित ईसीईडी के विकास और इसके लिए प्रासंगिक रूप से उपयुक्त, व्यवस्थित समझ को बढ़ावा देना है। केंद्र, ईसीईडी के माध्यम से बाल–अधिकारों को बढ़ावा देकर जीवन को दृढ़ता प्रदान करना चाहता है जिससे सामाजिक न्याय और समानता के राष्ट्रीय लक्ष्यों में योगदान दिया जा सके। केंद्र अनुसंधान, क्षमता– निर्माण और सक्रिय समर्थन के माध्यम से ईसीईडी में प्रमाण आधारित गुणवत्ता को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहा है। केंद्र की जारी परियोजनाओं में से कुछ समाप्त हो चुकी हैं। इनमें से कुछ अनुसंधान परियोजनाएं मुख्य रूप से बच्चों में 'विद्यालय तत्परता' पर बाल शिक्षा की गुणवत्ता के प्रभाव का पता लगाने की ओर अग्रसर है। केंद्र क्षमता निर्माण के लिए राज्यों को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है। इसके अलावा केंद्र शैक्षणिक अध्ययन शिक्षालय के सहयोग से एम.ए प्रारम्भिक संरक्षण एवं शिक्षा (ईसीसीई) कार्यक्रम की शुरुआत के लिए प्रयासरत है। केंद्र का वेब पोर्टल ईसीईडी की नीति में प्रमाण–आधारित सक्रिय समर्थन के लिए संक्षिप्त श्रृंखलाओं, संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों द्वारा सेवा प्रदान कर रहा है।

केंद्र की मुख्य उपलब्धियां

- "भारतीय प्रारम्भिक बाल शिक्षा प्रभाव" (आईईसीईआई) अध्ययन एक अनुदैर्घ्य (लम्बा चलने वाला) अनुसंधान है जिसकी शुरुआत 2010 में की गई थी। इस अनुसंधान के अंतर्गत ईसीई के पाठ्यक्रम में विद्यमान गुणवत्ता की विविधता एवं इसके विस्तृत प्रभाव का अध्ययन किया गया है। इस अनुसंधान का आयोजन सीईसीईडी, अम्बेडकर विश्वविद्यालय एवं एएसईआर केंद्र (भारत) के सहयोग से किया गया है। दक्षिण एशियाई क्षेत्र में होने वाला यह पहला ऐतिहासिक अध्ययन है जिसे इतने विस्तृत पैमाने पर आयोजित एवं संयोजित किया गया है। यह अनुसंधान "भारत में

नीति के कार्यान्वयन और पाठ्यक्रम विकास के लिए महत्त्वपूर्ण निहितार्थ" के सन्दर्भ में अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करेगा। 2013 में इस अध्ययन द्वारा अपना पहला (विद्यालय–पूर्व) चरण पूर्ण कर लिया गया है। आईईसीईआई अपने अध्ययन द्वारा यह दर्शाता है कि विभिन्न राज्यों में मनोसामाजिक कौशल अपेक्षाकृत स्वीकार्य स्तर पर हैं लेकिन विद्यालय पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक संज्ञान, भाषा–कौशल तथा अवधारणा पर अधिक बल देने की ज़रूरत है। यह अध्ययन प्राइमरी ग्रेड्स में बच्चों के औसत प्रभाव का आंकलन करने के लिए 2016 तक जारी रहेगा। यह अनुसंधान यूनिसेफ, चिल्ड्रेन्स इन्वेस्टमेंट फण्ड फाउंडेशन (वर्ल्ड बैंक), बेर्नार्ड वैन लीयर फाउंडेशन, केयर इंडिया, एसईआरपी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं यूनेस्को द्वारा वित्त पोषित है।

- शैक्षणिक अध्ययन शिक्षालय के सहयोग द्वारा प्रस्तुत ईसीसीई (प्रारम्भिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा) भारत का पहला ऐसा दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम है जिसके द्वारा प्रारंभिक बाल देखभाल एवं शिक्षा पर जोर दिया जाता है। यह कार्यक्रम इस दोहरे विकल्प के साथ संरचित है कि यदि कोई छात्र प्रथम वर्ष पूर्ण करने के पश्चात् इस कार्यक्रम को छोड़ता है तो उसे डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा और अगर विद्यार्थी कार्यक्रम के दो वर्ष पूर्ण करता है तो उसे स्नातकोत्तर उपाधि प्रदान की जायेगी। इस कार्यक्रम की पेशकश इसलिए की जा रही है क्योंकि ' प्रारम्भिक बाल देखभाल एवं शिक्षा' को राष्ट्रीय नीति के रूप में मान्यता दे दी गयी है, जिसके कारण वर्तमान में विभिन्न स्तरों पर ईसीई के पेशेवरों में इस कार्यक्रम की मांग में बढ़ोत्तरी हुई है। इस कार्यक्रम ने सरकारी एवं निजी क्षेत्रों तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों में आजीविका के कई नए विकल्प खोल दिए हैं। इसकी शुरुआत जुलाई 2014 में हुई तथा यह कार्यक्रम सर रतन टाटा ट्रस्ट वित्त पोषित है।

2013–14 के दौरान केंद्र की सक्रिय–समर्थित गतिविधियाँ

- सीईसीईडी ने 24 अगस्त 2013 को राष्ट्रीय बाल–भवन, नयी दिल्ली में 'फर्स्ट इयर फर्स्ट (एफ.वाय.एफ) पेरेंट्स इवेंट" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की। इस संगोष्ठी में विद्वानों के समूह द्वारा 'दुनिया में अभिभावकीय देखभाल' के मुद्दों पर चर्चा की गयी। एफ.वाय.एफ एक ऐसी पहल है जिसके द्वारा एक अच्छी अभिभावकीय परवरिश को समझा जा सकता है। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों, विद्वानों, शिक्षकों एवं शोधार्थियों के बीच हुई चर्चा से उजागर श्रेष्ठ व्यवहारों को विकसित करना था।

एफ.वाय.एफ से सम्बंधित जनक आवाज़ (पेरेंट्स वॉइस), मल्टीमीडिया श्रृंखला तथा अन्य संसाधन http://ceced.net/FYF/ पर उपलब्ध हैं।

- केयर इंडिया ने सीईसीईडी के सहयोग से 25–27 सितम्बर 2013 को भारतीय पर्यावास केंद्र, नयी दिल्ली में " अर्ली लर्निंग : स्टेट्स एंड दी वे फॉरवर्ड" विषय पर राष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों के उन बच्चों की स्थिति को समझना था जो शैक्षिक विफलता प्रक्रिया के तहत बुनियादी अधिगम कौशल (पढ़ना, लिखना तथा अंकीय ज्ञान) का प्रदर्शन करने में असमर्थ हैं। इस सम्मलेन का आयोजन बच्चों की सतत शिक्षा और विकास के ठोस आधारों को सुनिश्चित करने एवं प्रारम्भिक शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु प्रमाण–आधारित सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से किया गया था। इस सम्मलेन की संकल्पना इस उद्देश्य से बनायी गयी थी कि प्रारम्भिक शिक्षा के क्षेत्र में वाद–विवाद, विचार–विमर्श तथा अनुभव के आदान–प्रदान का एक मंच उपलब्ध करवाया जा सके। प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ इस क्षेत्र की अत्याधुनिक अनुसंधान की बारीकियों और प्रमाण–आधारित व्यवहारों पर चर्चा कर रहे हैं।
- सीईसीईडी ने केयर इंडिया के सहयोग से 20 मार्च 2014 को "डिकोडिंग इमर्जेंट एंड अर्ली लिटरेसीः एन इमर्जिंग सेनेरियो" विषय पर गोलमेज परामर्श सम्मलेन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारम्भिक शिक्षा पर शोधकर्ताओं, अभ्यासकर्ताओं एवं चिंतकों के बीच एक ऐसी 'परिचर्चा श्रृंखला' की शुरुआत करना था जो सम्बंधित अनुभवों और प्रमाणों के आधार पर इस क्षेत्र में संगृहीत विचारों को प्रतिबिंबित कर सके। इस सम्मलेन में उभरे विचारों से यह उम्मीद की गयी कि यह प्रारंभिक अधिगम के 'स्थिति प्रपत्र' (पोजीशन पेपर) को विकसित करने में नेतृत्व प्रदान करेंगे। इसके अलावा प्रारंभिक साक्षरता पर आधारित प्रथम गोलमेज सम्मेलन से यह आशा भी की जा रही थी कि यह स्थिति प्रपत्र की व्यापक रूपरेखा पर आम सहमति का नेतृत्व भी करेगा। इस सम्मलेन की मुख्य विशेषतायें http://roundtable.careindiaeducation.org/ पर उपलब्ध हैं।
- सीईसीईडी ने केयर इंडिया के सहयोग से 14 मार्च 2014 को "वर्किंग विद यंग चिल्ड्रेन फ्रॉम मार्जिनलाइस्ड कम्युनिटीज़" विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया। कीर्ति जयाराम (अर्ली लिटरेसी प्रमोशन आर्गेनाईजेशन) ने बाल मजदूरी एवं गरीबी पर एक अनुसंधान प्रस्तुत किया। इस अनुसन्धान में इस बात पर प्रकाष डाला गया है कि हाशिये पर स्थित आबादी की औपचारिक विद्यालय शिक्षा के प्रति क्या इच्छा

है, साथ ही विद्यालय इनके वर्तमान जीवन की अनुचित परिस्थितियों के साथ किस तरह सामंजस्य बनाये। डॉ. सुजेन स्टिरीस (बैंक स्ट्रीट कॉलेज, न्यूयॉर्क, यूएस) ने हाशिये पर स्थित एन.वाय.सी समुदायों के छात्रों के लिए सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षाशास्त्र के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए दो केस अध्ययनों को प्रस्तुत किया।

- 5 दिसम्बर 2013 को प्रोफेसर हेरोकाजू योशिकावा द्वारा "इन्वेस्टिंग इन ऑर फ्यूचरः दी एविडेंस बेस ऑन प्रीस्कूल एजुकेशन" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

राज्यों में क्षमता–निर्माण

- 2012 से सीईसीईडी द्वारा पश्चिम बंगाल के प्रमुख हितधारकों के ईसीई में क्षमता–निर्माण एवं नीति और व्यवहार के अनुसंधान अध्ययनों के अधिगमों को सम्मिलित करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की गयी। इसके अंतर्गत निम्न गतिविधियाँ शामिल थीं:– (क) सदस्य के रूप में सीईसीईडी के साथ एक राज्य स्तरीय पाठ्यक्रम (कोर) समिति का गठन करना, (ख) राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा के सन्दर्भ में पाठ्यचर्या और अंतर–विश्लेषण की समीक्षा करना तथा (ग) पाठ्यचर्या संरचना, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की हस्त पुस्तिका का निर्माण एवं कार्यान्वयन रणनीति का विकास करना। यह परियोजना यूनिसेफ, पश्चिम बंगाल द्वारा वित्त पोषित है।
- राजस्थान में सीईसीईडी अगले तीन सालों में ईसीसीई सेवाओं की गुणवत्ता को सुधारने के लिए एक राज्य परियोजना में मदद करने की ओर अग्रसर है। इस योजना को राज्य की वर्तमान स्थितियों, चुनौतियों तथा संभावनाओं के अनुभवजन्य प्रमाणों का विश्लेषण करने के पश्चात् विकसित किया जाएगा। यह परियोजना यूनिसेफ, राजस्थान द्वारा वित्त पोषित है।

विश्वविद्यालय के छात्र

01/09/2013 तक कार्यक्रम अनुसार छात्रों का आबंटन

कार्यक्रम	छात्रों की कुल संख्या	लड़के	लड़कियाँ	अनु.जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	शारीरिक अक्षम	रक्षा / सीडब्ल्यू पी	विदेशी छात्र	सामान्य
व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता										
व्यावसायिक प्रशासन में स्नातकोत्तर	73	34	39	12	04	12	02	—	—	43
प्रकाशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	16	09	07	—	—	02	—	—	—	14
संस्कृति एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति शिक्षालय										
एम.ए सिनेमाई अध्ययन	14	07	07	01	02	03	—	—	—	08
एम.ए साहित्यिक कला	14	06	08	01	01	01	—	—	—	11
एम.ए निष्पादन अध्ययन	14	08	06	01	—	01	—	—	—	12
एम.ए दृश्य कला	13	05	08	—	—	01	—	—	—	12
डिजाईन शिक्षालय										
एम.ए सामाजिक डिजाईन	12	03	09	—	02	—	—	—	—	10
विकास अध्ययन शिक्षालय										
एम.ए विकास अध्ययन	72	21	51	07	08	12	01	—	—	44
शैक्षणिक अध्ययन शिक्षालय										
एम.ए शिक्षा	39	04	35	07	02	01	—	—	—	29
मानव पारिस्थितिकी शिक्षालय										
एम.ए पर्यावरण एवं विकास	62	21	41	09	05	08	01	—	—	39
मानव अध्ययन शिक्षालय										
एम.ए जेंडर अध्ययन	59	01	58	01	07	02	—	—	—	49
एम.ए मनोविज्ञान	91	08	83	07	07	12	01	01	01	62

ललित अध्ययन शिक्षालय										
एम.ए अर्थशास्त्र	82	27	55	10	04	16	—	01	—	51
एम.ए अंग्रेजी	73	16	57	08	05	19	—	—	—	41
एम.ए इतिहास	74	16	58	01	11	06	—	—	—	56
एम.ए समाजशास्त्र	87	16	71	07	21	08	01	—	—	50
कुल सीटें (एम.ए)	**795**	**202**	**593**	**72**	**79**	**104**	**06**	**02**	**01**	**531**

स्नातक अध्ययन शिक्षालय										
बी.ए अर्थशास्त्र	110	68	42	14	01	20	—	—	03	72
बी.ए अंग्रेजी	108	34	74	11	07	21	—	—	01	68
बी.ए इतिहास	61	39	22	12	02	07	—	—	—	40
बी.ए गणित	56	39	17	02	—	07	01	—	—	46
बी.ए मनोविज्ञान	81	38	43	05	01	08	01	—	01	65
बी.ए सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी	73	45	28	05	03	09	—	—	06	50
बी.ए समाज– शास्त्र	57	29	28	09	01	04	—	—	—	43
कुल सीटें (बी.ए)	**546**	**292**	**254**	**58**	**15**	**76**	**02**	**—**	**11**	**384**

एम.फिल										
डेवलपमेंट प्रैक्टिस	24	10	14	05	04	02	—	—	01	12
हिंदी	11	05	06	03	—	03	—	—	—	05
इतिहास	15	06	09	01	01	03	—	—	—	10
मनोचिकित्सक एवं नैदानिक चिंतन	17	02	15	01	—	—	—	—	—	16
महिला एवं जेंडर अध्ययन	10	—	10	02	—	01	—	—	—	07
कुल सीटें (एम.फिल)	**77**	**23**	**54**	**12**	**05**	**09**	**—**	**—**	**01**	**50**

पीएच.डी										
डेवलपमेंट प्रैक्टिस	09	05	04	02	01	01	—	—	—	05
हिंदी	05	01	04	01	—	—	—	—	—	04
इतिहास	04	01	03	—	—	—	—	—	01	03
मानव पारिस्थितिकी	08	05	03	01	—	—	—	—	—	07
मनोविज्ञान	13	04	09	02	01	02	—	—	—	08
कुल सीटें (पीएच.डी)	**39**	**16**	**23**	**06**	**02**	**03**	**—**	**—**	**01**	**27**

कुल जोड़	**1457**	**533**	**924**	**148**	**101**	**192**	**08**	**02**	**14**	**992**

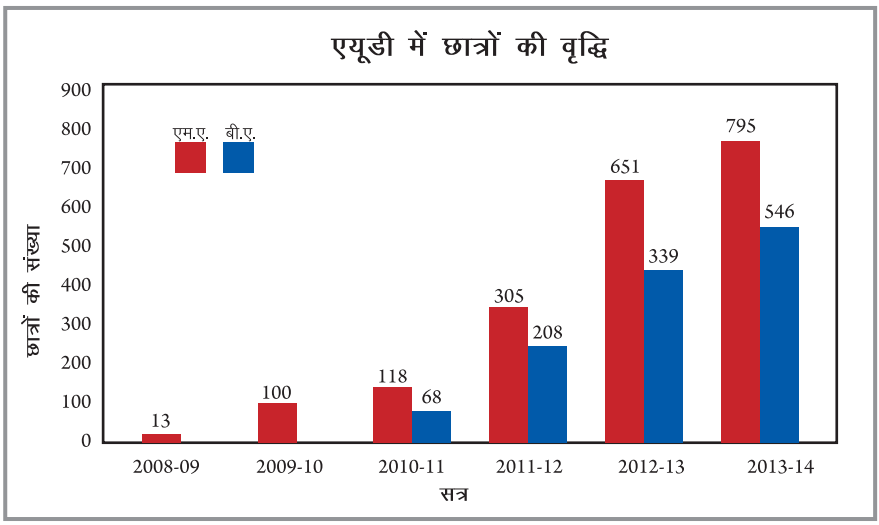

यूडी में एम.फिल. और पीएच.डी.

एम.फिल. और पीएच.डी की डिग्रियाँ स्नातक अध्ययन शिक्षालय को छोड़कर विश्वविद्यालय के किसी भी अध्ययन शिक्षालय द्वारा दी जा सकती हैं। एम.फिल. और पीएच.डी डिग्रियों से सम्बन्धित सभी विश्वविद्यालय स्तर के अकादमिक मामलों का निरीक्षण शैक्षिक परिषद् की स्थायी समिति (अनुसंधान) द्वारा किया जायेगा।

एम.फिल. और पीएच.डी. डिग्रियों से सम्बन्धित सभी अध्ययन शिक्षालय स्तर के अकादमिक मामलों का निरीक्षण अनुसंधान अध्ययन समिति (आरएससी) द्वारा किया जायेगा। आरएससी अध्ययनशालाओं के अध्ययन बोर्ड की उपसमिति होगी। प्रत्येक आरएससी संबंधित अध्ययन शिक्षालय के क्षेत्राधिकार में अनुसंधान विषयों/क्षेत्रों के एम. फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों का विनियमन करेगी (हर अध्ययन शिक्षालय के लिये आरएससी एक से अधिक भी हो सकती है)। आरएससी का गठन अकादमिक परिषद् द्वारा निर्धारित किया जाता है। अंतरिम तौर पर प्रत्येक आरएससी का गठन निम्न रूप से होता है –

- अध्ययन शिक्षालय के अधिष्ठाता (डीन)
- अध्ययन शिक्षालय के चार सदस्य को जो डॉक्टोरल पर्यवेक्षक के रूप में मान्य होने के लिये पात्र हों और जिन्हें अध्ययन शिक्षालय में नियुक्त किया गया हो उन्हें फिलहाल बोर्ड द्वारा नामित किया जाना है।

- अध्ययन शिक्षालय के बाहर का एक सदस्य जिन्हें कुलपति द्वारा नामित किया गया हो।

प्रवेश के लिये मानदंड :

- वे छात्र जिनके पास एम.फिल् डिग्री नहीं है, एम.फिल् और पीएच.डी के लिये प्रत्येक वर्ष जून–जुलाई में प्रवेश होगा।
- जिनके पास एम. फिल् डिग्री है उनके लिए पीएच. डी. प्रवेश पूरे वर्ष चलेगा।
- प्रत्येक अध्ययन शिक्षालय में एम. फिल. की सीटों का निर्धारण आरएससी की सिफारिशों के आधार पर स्थायी समिति (अनुसंधान) द्वारा किया जायेगा और इसे प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने के पहले घोषित/प्रकाशित किया जायेगा।
- प्रत्येक अध्ययन शिक्षालय में पीएच.डी. कार्यक्रम में सीटों की संख्या संकाय में मान्यता प्राप्त पर्यवेक्षकों की संख्या पर निर्भर करते हुए, वर्ष दर वर्ष अलग–अलग हो सकती है और डॉक्टोरल छात्र की अधिकतम संख्या जिन्हें किसी निश्चित समय पर्यवेक्षण करने की अनुमति दी जाती है।
- यह संख्या आरएससी द्वारा निर्धारित की जायेगी और पूरे वर्ष आवधिक रूप से घोषित की जायेगी।

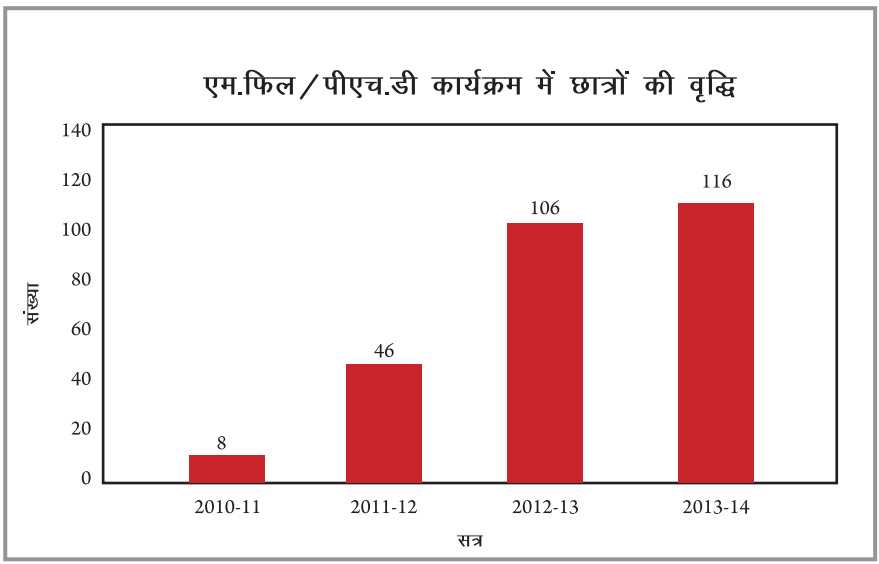

विश्वविद्यालय की भौतिक संपत्तियां

पुस्तकालय

एयूडी के पास एक आधुनिक तथा सभी सामग्रियों से युक्त पुस्तकालय है। यह विश्वविद्यालय के मध्य भाग में स्थित है एवं सभी अकादमिक गतिविधियों का केंद्र है। इसके अध्ययन भवन वातानुकूलित हैं। पुस्तकालय के अधिकतम कार्य कंप्यूटर द्वारा संचालित हैं तथा दूसरे कार्य कंप्यूटरीकरण की प्रक्रिया में हैं। तीन राष्ट्रीय अवकाशों के अलावा पुस्तकालय पूरे वर्ष प्रातः 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक खुला रहता है। पुस्तकालय में इन्टरनेट ब्राउज़िंग एवं विद्यार्थियों के ओपीएसी प्रयोग के लिए तीन कंप्यूटर संस्थापित किये गए हैं।

पाठकों के लिए सेवाएँ

इस वर्ष छात्रों, संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं एवं विश्वविद्यालय के प्राधिकरण (कुल 1545 व्यक्तियों) द्वारा पुस्तकालय का प्रयोग किया गया। 1 अप्रैल 2013 से 31 मार्च 2014 तक पुस्तकालय की कुल 24,360 पुस्तकों को देखा गया तथा 17,400 पुस्तकों को पुस्तकालय द्वारा जारी किया गया जिसमें 3947 पुस्तकें दोबारा जारी की गईं। इस दौरान पुस्तकालय में कुल 28,960 उपयोगकर्ताओं की प्रविष्टि दर्ज की गयी।

संसाधनों का सहभाजन

एयूडी पुस्तकालय के पास सदस्यों को उपलब्ध करवाने के क्रम में अन्य पुस्तकालयों के साथ साझा करने के लिए " डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क" (डेलनेट) एवं " इनफार्मेशन एंड लाइब्रेरी नेटवर्क सेंटर" (इन्फिलब्नेट) की सदस्यता है। इसके अतिरिक्त पुस्तकालय सदस्यों को अंतर–पुस्तकालय की ऋण सेवाएँ भी उपलब्ध करवाता है।

पुस्तक संग्रहण विकास

इस वर्ष पुस्तकालय ने कुल 6660 पुस्तकें प्राप्त कीं जिसमें से 2677 पुस्तकें विभिन्न प्रख्यात व्यक्तियों एवं संस्थाओं से उपहार स्वरुप अर्जित की गईं। वर्ष के अंत में पुस्तकालय का कुल संग्रहण 27,582 था। इस वर्ष में पुस्तकालय का कुल खर्च

1,63,16,368 रु. था, जिसमें से 1,40,14,504 रु. पुस्तकों की खरीद पर खर्च किये गए जबकि 20,01,868 रु. प्रकाशित एवं ऑनलाइन शोध पत्रिकाओं तथा 300000 रु. पुस्तकालय फर्नीचर पर खर्च हुए।

इस वर्ष के दौरान पुस्तकालय ने 35 प्रकाशित शोध पत्रिकाएं, 25 ऑनलाइन शोध पत्रिकाएं एवं 4 ऑनलाइन ई–शोध पत्रिकाओं के डेटाबेस की सदस्यता का नवीनीकरण किया। वित्तीय संकट के कारण इस वर्ष एक व्यावसायिक मामला पूर्ण नहीं हो पाया। एयूडी पुस्तकालय द्वारा अंग्रेजी एवं हिंदी में 9 प्रतियोगी पत्रिकाओं तथा 11 प्रतिष्ठित समाचार पत्रों की सदस्यता शुरू की गयी है।

यूजीसी के (12बी) अधिनियम की सदस्यता प्राप्त करने के पश्चात एयूडी पुस्तकालय को यूजीसी इन्फोनेट डिजिटल लाइब्रेरी कोन्सोर्टियम के एक भाग के रूप में पांच प्रकाशकों की ऑनलाइन शोध पत्रिकाओं का डेटाबेस मुफ्त में प्राप्त हुआ –

- विली ब्लैकवेल (1997 से 908 से अधिक शोध पत्रिकाओं का अभिलेखीय प्रयोग)
- ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (1997 से कुल 198 शोध–पत्रिकाओं का अभिलेखीय प्रयोग)
- स्प्रिंगर (1997 से 1400 से अधिक शोध पत्रिकाओं का अभिलेखीय प्रयोग)
- टेलर एंड फ्रांसिस (1998 से 1365 से अधिक शोध पत्रिकाओं का अभिलेखीय प्रयोग)
- प्रोजेक्ट म्यूस (100 प्रकाशकों से 400 शोध–पत्रिकाएँ)

पुस्तकालय सेवाएँ

एयूडी पुस्तकालय निम्न प्रकार की सेवाएँ उपलब्ध करवाता है :–

- पुस्तकें जारी एवं वापिस करना
- सन्दर्भ सेवाएं (रिफरेन्स सर्विस)
- अंतर–पुस्तकालय ऋण
- निजी सूचना सेवा
- इन्टरनेट प्रयोग–ई–मेल एवं अन्य सुविधाएं
- ई–संसाधनों के लिए ऑनलाइन सेवा
- उपयोगकर्ताओं के लिए उन्मुखी कार्यक्रम

आईटी सेवाएँ

एयूडी का आईटी सेवा प्रभाग कश्मीरी गेट परिसर में आईटी सम्बंधित गतिविधियों की रीढ़ के रूप में सेवा प्रदान करता है। आईटी सेवा प्रभाग सर्वव्यापी (क्लाउड) आधारित ईआरपी प्रणाली के कार्यान्वयन द्वारा एयूडी के निर्माण में काफी अहम् भूमिका अदा करता है। छात्रों के ऑनलाइन एवम् ऑफलाइन प्रवेश से लेकर कक्षा के संचालन, स्टाफ की भर्ती से लेकर सेवा निवृत्ति तक की प्रक्रिया तथा वेतन आदि से संबंधित विश्वविद्यालय की सभी कार्यात्मक अपेक्षाओं को सम्पादन सहयोग उपलब्ध करवाता है।

2012 में एयूडी ईआरपी के क्रियान्वित होने से अब तक, आईटी सेवा प्रभाग ने व्यवस्था में पारदर्शिता एवम् प्रभाविता को बढ़ाने हेतु नई विशिष्टताओं के विकास द्वारा व्यवस्था को लगातार विकसित किये जाने के लिये कार्य किया है। 2013–14 के सभी प्रवेश ऑनलाइन माध्यम से पूर्ण हुए और छात्र पाठ्यक्रम पंजीकरण से पाठ्यक्रम फीस भुगतान भी ऑनलाइन माध्यम से हुई। यह प्रभाग एक वेब पोर्टल और इंटरानेट की भी देखरेख करता है। यह विशिष्टता पूर्ण पोर्टल वेब 2.0 तकनीकियों पर आधारित है और विश्वविद्यालय के आंतरिक यूजर्स के साथ–साथ बाहरी यूजर्स को भी नवीनतम जानकारियाँ उपलब्ध करवाता है। यह प्रभाग एयूडी नेटवर्क से बाहर भी संकाय को एक सुरक्षित वीपीएन आधारित ई–जर्नल और इंट्रानेट की सुलभता उपलब्ध करवाता है। सभी कक्षाओं में एल.सी.डी/डी.एल.पी प्रक्षेपक स्क्रीन हैं। सभी संकाय सदस्यों को कंप्यूटर के साथ इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध करायी गयी है ताकि वह मीडिया/बाह्य अधिगम स्रोतों के द्वारा कक्षा अध्यापन कर सकें अकादमिक और प्रशासनिक स्टाफ के बीच सहयोग बढाने हेतु आईटी सेवा प्रभाग ने गूगल एप्प फॉर एजुकेशन को लागू किया। एयूडी में अध्यापन, प्रशासन, तकनीकी स्टाफ और छात्रों की सुविधा के लिये 1000 से भी अधिक अकाउंट बनाये जा चुके हैं। साथ ही एयूडी मेल सर्विस द्वारा यूजर्स गूगल डॉक्यूमेंट, कैलेंडर और ग्रुप्स आदि का भी प्रयोग कर सकते हैं। प्रत्येक यूजर को हर अकाउंट के लिये 25 जीबी का एक मेल बॉक्स दिया गया है।

- आईटी सेवाएँ अधिगम स्रोतों के इन्टरनेट उपयोग के लिए प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित करती है। कंप्यूटर द्वारा शिक्षा प्रदान करने के लिए सभी संकाय सदस्यों को एल.सी.डी, ओ.एच.पी एवं सभी संसाधनों से लेस कंप्यूटर केंद्र उपलब्ध करवाया गया है। आईसीटी के प्रयोग से जुड़ी हुई किसी भी समस्या के समाधान के लिए कंप्यूटर संकाय सदा उपस्थित रहता है। विद्यार्थी मुख्यतः केंद्रीय कंप्यूटिंग सुविधाओं का उपयोग सामयिक ज्ञान, प्रयोगशाला कार्य एवं अनुसंधान के लिए करते हैं।
- 24x7 इन्टरनेट का प्रयोग
- संकाय एवं विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय परिसर से वीपीएन प्रयोग की सुविधा
- लीगल सॉफ्टवेयर के साथ निजी कंप्यूटिंग डिवाईस
- पुस्तकालय एवं अन्य अनुसंधान स्रोतों के उपयोग के लिए
- स्व–सेवा की क्षमता बढ़ाने के लिए

- विद्यार्थियों के लिए प्रावधानिकरण अकादमिक सूचना सेवाएँ
- 8 एमबीपीएस एरनेट इन्टरनेट की बेक–अप सुविधा

यह प्रभाग संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय प्राधिकरण के आईसीटी क्षमता विकास के लिए ईआरपी मोड्यूल्स एवं उनके प्रयोग पर नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

लड़कों के लिए छात्रावास

तकनीकी शिक्षा/उच्च शिक्षा निदेशालय के निर्णय अनुसार 2010–11 में एयूडी को समेकित तकनीकी संस्थान के द्वारका परिसर में छात्रावास की सुविधा प्राप्त हुई थी। अकादमिक वर्ष 2013–14 में विश्वविद्यालय परिसर कश्मीरी गेट में स्थानांतरित होने के पश्चात एयूडी प्रबंधन ने द्वारका में स्थित छात्रावास को एनआईटी (दिल्ली) को सौंप दिया। हालाँकि, यह तय किया गया था कि द्वारका स्थित छात्रावास में मौजूद सीटों में एयूडी की बराबरी की हिस्सेदारी रहेगी। प्रबंधन की लापरवाही के कारण छात्रावास में एयूडी के केवल 3 विद्यार्थियों (लड़कों) को ही प्रवेश मिला जबकि एयूडी के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 18 थी।

लड़कियों के लिए छात्रावास

आई.जी.डी.टी.यू.डब्लू, आईपी एवं एयूडी की समन्वयन समिति ने निर्णय लिया कि अकादमिक वर्ष 2013–14 में आई.जी.डी.टी.यू.डब्लू के पूर्वी छात्रावास की ऊपरी मंजिल में 45 सीटें एयूडी की छात्राओं के लिए आरक्षित रहेंगी। यह तय किया गया कि आई.जी.डी.टी.यू.डब्लू द्वारा नियुक्त प्रबंधक (वार्डन) ही एयूडी की छात्राओं को भोजन की सुविधाएँ उपलब्ध करायेंगी। छात्रावास अनुबंध के अनुसार आई.जी.डी.टी.यू.डब्लू और एयूडी द्वारा छात्रावास प्रबंधन को सीटों के आबंटन के लिए छात्राओं की सूची बनाने के निर्देश दिए जायेंगे। एयूडी की छात्राएं शुल्क संरचना सहित छात्रावास के नियमों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

2013–14 के दौरान कश्मीरी गेट परिसर में नवीनीकरण कार्य होने के कारण प्रवेश प्रक्रिया में विलम्ब हुआ। नतीजतन, 46 सीटों में से केवल 29 सीटों में ही प्रवेश हो पाया। श्रेणीकरण के बावजूद आवेदन करने वाली सभी योग्य छात्राओं को प्रवेश देने की

कोशिश की गयी। छात्रावास की सीटों का आबंटन आरक्षण कोटे के अनुसार ही किया जाता है।

शिक्षालय और संकाय की अकादमिक उन्मुख गतिविधियाँ

I. व्यापार,लोक नीति और सामाजिक उद्यमिता शिक्षालय

शोध–पत्र / पत्रिकाओं में प्रकाशित अध्याय / पुस्तकें :

दवे,के. (2013): "स्टोर फॉर्मेट चॉइस एंड रिलेशनशिप क्वालिटी इन अप्परेल रिटेल : ए स्टडी ऑफ़ यंग एंड अर्ली–मिडिल एज्ड शोपर्स इन न्यू देल्ही" जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, एल्सेविएर, साइंस डायरेक्ट.20:5,479–487 में प्रकाशित।

———(2013) : "एफडीआई इन मल्टी ब्रांड रिटेल : एन एम्पिरिकल स्टडी ऑफ़ कंज्यूमर्स इन एनसीआर रीज़न (इंडिया)", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंडियन कल्चर एंड बिज़नस मैनेजमेंट, इंडरसाइंस पब्लिशर्स, वोल्यूम 7 : 1 , 90–108 में प्रकाशित।

———(2013) : "चैलेंजेज़ फॉर इंटरप्रेन्योर इन माइक्रो एंटरप्राइज सेक्टर : ए स्टडी ऑफ सिलेक्टेड क्लस्टर्स ऑफ वेस्टर्न उत्तर प्रदेश", इंडिया जर्नल फॉर ग्लोबल बिज़नस एडवांसमेंट, इंडरसाइंस पब्लिशर्स, वोल्यूम 6: 3 में प्रकाशित।

झा, पी.सी, पी.माणिक एवं ए. गुप्ता (2013) : "डायनामिक प्रमोशनल रिसोर्स एलोकेशन फॉर सेग्म्नेट स्पेसिफिक एंड स्पेक्ट्रम इफ़ेक्ट ऑफ़ प्रमोशन फॉर ए प्रोडक्ट लाइन इनकोरपोरेटिंग रिपीट परचेस बेहवियर", अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑपरेशनस रिसर्च, 3 (3), 350–362 में प्रकाशित।

गैह आर, एन.कैकर, के. इमै, वी. कुलकर्णी एवं जी.थापा (2013): "हैज़ डाइटरी ट्रांजीशन स्लोड इन इण्डिया : एन एनालिसिस बेस्ड ऑन 50, 61 एंड 66 राउंड्स ऑफ दी नेशनल सैंपल सर्वे", ओकेज़नल पेपर नं. 16, इंटरनेशनल फंड फॉर एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट में प्रकाशित।

इमै के, आर गैह, ए अली एवं एन कैकर (2014) : "रेमिटेंस, ग्रोथ एंड पावर्टी : न्यू एविडेंस फ्रॉम एशियन कन्ट्रीज", जर्नल ऑफ पालिसी मॉडलिंग में प्रकाशित (लिंक) – http://dx.doi.org/10.1016/j.jpolmod.2014.01.009

झा आर, आर गैह ,एम पाण्डेय एवं एन कैकर (2013) : "फूड सब्सिडी, इनकम ट्रान्सफर एंड दी पुअर : ए कम्पेरेटिव एनालिसिस ऑफ़ दी पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम इन इंडियास स्टेट्स", जर्नल ऑफ पालिसी मॉडलिंग वोल्यूम 35,887 –908 में प्रकाशित।

कैकर एन एवं आर गैह (2013) : "कैलोरी थ्रेसहोल्ड एंड अंडरन्यूट्रीशंस इन इंडिया", जर्नल ऑफ पालिसी मॉडलिंग वोल्यूम 35, 271–288 में प्रकाशित।

थापा जी., आर गैह, एस कौर,एन कैकर एवं पी. वशिष्ठ (2013): "एग्रीकल्चर–पाथवेज़ टू प्रोस्पेरिटी इन एशिया एंड दी पेसिफिक", ओकेज़नल पेपर नं. 17, इंटरनेशनल फंड फॉर एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट में प्रकाशित।

मुख़र्जी टी एवं एस. महेश्वरी (2014) : "दी पोज़िटिव साइड ऑफ कॉल सेंटर्स : एन इंडियन पर्सपेक्टिव", साउथ एशियन जर्नल ऑफ ग्लोबल बिज़नस रिसर्च, वोल्यूम 3 (1), 36–53 में प्रकाशित।

सम्मलेन :

दवे, के (2013) : "एन एक्सप्लोरेशन ऑफ़ रेस्टोरेंट सर्विस क्वालिटी फैक्टर्स इन इण्डिया", दी 6जी इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन सर्विस मैनेजमेंट : मैनेजिंग सर्विस अक्रॉस कांटीनेंट्स, ऑक्सफ़ोर्ड स्कूल ऑफ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट, सायप्रस।

———(2013): "रिटेल सर्विस क्वालिटी एंड शोपर्स डेमोग्राफ़िक : ए स्टडी ऑफ रिटेल कस्टमर्स इन दी नेशनल कैपिटल रीज़न (एनसीआर), इंडिया", दी 6जी इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन सर्विस मैनेजमेंटः मैनेजिंग सर्विस अक्रॉस कांटीनेंट्स, ऑक्सफ़ोर्ड स्कूल ऑफ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट, सायप्रस।

गुप्ता, ए (2013) : केस मेथड टीचिंग सेमीनार, केस रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया इन कोलैबोरेशन विद हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग,20–21 अक्टूबर।

कैकर एन, (2013): "रिलेशनशिप बिटवीन स्टॉक मार्किट वोलेटिलिटी एंड मैक्रोइकनोमिक वोलेटिलिटी" विषय पर 'गोल्डन जुबली कांफ्रेंस ऑफ़ दी इंडियन एकोनोमेट्रीक सोसायटी', आईजीआईडीआर,मुंबई में 22–24 दिसम्बर को शोध–पत्र प्रस्तुत किया गया।

वेलेंटिना, के (2013): "ग्लोबलाइजेशन एंड पब्लिक पॉलिसी : एन एक्सप्लोरेट्री स्टडी ऑफ अनऑर्गनाइज्ड वर्कर्स इन इंडिया" ,क़ानून विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय (यूनिवर्सिटी ऑफ़ नार्थ बंगाल), दार्जलिंग।

———(2013) : "मानव अधिकारों का उल्लंघन" यूजीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, जीजीएससीडब्लू कॉलेज, चंडीगढ़।

अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन एवं यात्राएं :

अनिल,कँवल (2013) : "हार्वा : ए केस ऑन हर्नेस्सिंग वैल्यू फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड इंक्लूसिव ग्रोथ इन रूरल इंडिया", वर्ल्ड फाइनेंस कांफ्रेंस, सायप्रस,1–3 जुलाई।

अग्रवाल एस., ए. कॉल , ए. गुप्ता एवं पी.सी. झा (2013) : "मल्टी पीरियड एडवरटाइजिंग मीडिया सिलेक्शन इन ए सेगमेंटेड मार्किट" विषय पर 'सॉफ्ट कंप्यूटिंग फॉर प्रॉब्लम सॉल्विंग' के तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन में 26–28 दिसम्बर को शोध–पत्र प्रस्तुत किया गया।

कैकर, एन (2013) : "रिलेशनशिप बिटवीन फाइनेंस डेवलपमेंट एंड इकनोमिक डेवलपमेंट" विषय पर ओइकोस यंग स्कोलर्स अकैडमी के 'फाइनेंशियल इन्क्लुज़न',ज्यूरिख में 15–19 सितम्बर को शोध–पत्र प्रस्तुत किया गया।

अनिल, कँवल, आर.ग्रोवर एवं एस.साहू (2013): एन इम्पीरिकल एनालिसिस ऑफ़ द वोलेटाइल स्टॉक बिहेवियर एट द इवेंट ऑफ़ डिवाइडेण्ड अनाउंसमेंट : एविडेंस फ्रॉम इंडियन कैपिटल मार्किट नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया "वर्ल्ड फाइनेंस एंड बैंकिंग सिम्पोज़ियम, शंघाई, चीन में 17–18 दिसम्बर को प्रस्तुत किया गया।

मुख़र्जी,टी एवं के.टी बहल (2013) : "परसीव्ड एथिकेलिटी ऑफ इमोशनल लेबर", सामाजिक मनोविज्ञान की एशियाई एसोसिएशन का दसवाँ द्विवर्षीय सम्मलेन, योग्याकार्ता, इंडोनेशिया, 21–24 अगस्त।

वेलेंटिना,के (2013): "ह्यूमन ट्रैफिकिंग ऐज़ ए वॉयलेशन ऑफ़ ह्यूमन राइट्स", 'एम्पावरमेंट ऑफ़ वीमेन इन दी डेवलपिंग वर्ल्ड' विषय पर डब्लू.डी.सी का पहला अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली विश्वविद्यालय।

अनुसंधान परियोजना :–

जारी अथवा पूर्ण परियोजनाएं

परियोजना का शीर्षक	फंडिंग	एजेंसी प्राप्त अनुदान
सतपुड़ा क्षेत्र में प्रवासी समुदाय के 'इमारती लकड़ी व्यापार' का अध्ययन संकायः डॉ. कंचारला वेलेंटिना (परियोजना संयोजक), डॉ. अंशु गुप्ता एवं डॉ. तुहीना मुख़र्जी	अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में सीसीके के साथ सहयोग	2.6 लाख
पौरुषत्व एवं पत्नी अपराधः आन्ध्र प्रदेश एवं बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में मुसलमानों का समाजशास्त्रीय अध्ययन।	आईसीएसएसआर (जारी परियोजना)	5.76 लाख

II. संस्कृति एवम् सृजनात्मक अभिव्यक्ति शिक्षालय

छात्रों के लिए आयोजित कार्यशालाएं / सम्मेलन :–

फ्रेरे,पाओलो (2013): "डॉक्यूमेंट्री फिल्म एंड डिजिटल टेक्नोलॉजीज़ : फ्रॉम ग्रियरसन टू वेबडॉक्स एंड रिटर्न",13 –21 सितम्बर।

––––(2014): "फोटोग्राफी",20–24 जनवरी।

सयद,मासूम (2013): "एंडूरन्स एंड एफेमेरल",अक्टूबर–नवम्बर।

सुन्दरम, विवान (2014): "मेकिंग आर्ट वर्क्स बेस्ड ऑन आर्काइव्स", फरवरी–मार्च,2014।

विनोद, चिन्नन (2014) : "टाइपोग्राफी",7–14 फरवरी।

सत्र के अंत में एक नवीन अभ्यास के रूप में शिक्षालय ने खुली मौखिक परीक्षा आयोजित की। साथ ही छात्रों ने कलापरक प्रस्तुति का प्रदर्शन किया। शिक्षालय ने क्षेत्र अध्ययन के लिए, एम.ए. द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए सात दिन का बनारस स्टडी टूर का आयोजन अक्टूबर 2013 में किया।

एससीसीई ने ईएसबीए टीएएलएम, फ्रांस, अलायन्स फ्रेंचाइजी,नई दिल्ली के साथ मिलकर 24–26 मार्च (2014) को "दी एंड ऑफ़ पेडागॉजी इन आर्ट : ओपेनिंग्स इन

कंटेम्पररी प्रैक्टिस" विषय पर सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में एससीसीई के अध्यापकों, छात्रों एवं फ्रांस के 6 प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया।

व्याख्यान / शोध–पत्र प्रस्तुतीकरण / कार्यशालाएं

पणिक्कर, शिवाजी के (2014): "लोकेटिंग आर्ट हिस्ट्रीज़ : डायलॉग्स ऑन लैंग्वेज, राइटिंग एंड रिसर्च इन इंडिया" विषय पर दो दिवसीय कार्यक्रम में मध्यस्थ के रूप में भाग लिया। यह कार्यक्रम एशिया आर्ट आर्काइव, हॉन्ग कॉन्ग एवं आईएफए बैंगलोर, स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स ऑडिटोरियम,जेएनयू, नई दिल्ली 14–15 फरवरी।

———(2013): 'संस्कृति एवम् सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन शिक्षालय के एम.ए. दृश्य कला कार्यक्रम के अंतर्गत "डाइवर्सिफाइड आर्ट एजुकेशन इन ग्लोब्लिज़ेशन कॉन्टेक्स्ट" सम्मेलन किया गया। यह सम्मेलन आईएपीए–दी इंटरनेशनल आर्ट्स प्रेसिडेंट्स एसोसिएशन एंड सेंट्रल अकैडमी ऑफ फाइन आर्ट्स (सीएएफए, बीजिंग),बीजिंग,चीन द्वारा 5–7 दिसम्बर को आयोजित किया गया था।

———(2013): थ्रिस्सुर, केरल के कॉलेज ऑफ़ फाइन आर्ट्स में अतिथि संकाय ने 19–20 नवम्बर को निम्नलिखित शोध–पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया :– (1) आर्ट एजुकेशन एंड आर्ट इन इंडिया : ए ब्रीफ हिस्ट्री एंड सम स्पेसिफिक कॉन्टेक्स्टस ऑफ क्रिटिकल प्रैक्टिसीस इन आर्ट एजुकेशन। (2) आर्टिकुलेटिंग रेजिस्टेंस : आर्ट एंड एक्टिविज्म। (3) गे डिस्क्लोज़र एंड रियलिज्म : ए क्रिटिकल री–रीडिंग ऑफ़ भूपेन खखार।

———(2013): इंडियन सोशल इंस्टिट्यूट, बेंसोन टाउन, बैंगलोर में 17–18 अगस्त को आयोजित 'नेशन वाइड एलजीबीटीक्यू आर्काइव्स इन इंडिया' कार्यशाला में "आर्काइव, रिसर्च एंड कुईर कल्चरल प्रैक्टिसेज" विषय पर व्याख्यान दिया।

———(2013): इंस्टिट्यूट ऑफ़ लाइफ लॉन्ग लर्निंग (आईएलएलएल),दिल्ली विश्वविद्यालय में 14 मार्च को आयोजित सहायक प्राध्यापक के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में विषय– विशेषज्ञ के रूप में उपस्थिती एवं "करिकुलम डेवलपमेंट इन दी फील्ड ऑफ आर्ट : दी कॉन्टेक्स्ट" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुति।

शिवरमन, दीपन (2013): जून में 'कल्चरल रिसोर्सेस एंड ट्रेनिंग, दिल्ली' के लिए "इंफ्रास्ट्रक्चरल प्रोब्लम्स इन कंटेम्पररी इंडियन थिएटर एट सेंटर" विषय पर व्याख्यान दिया।

———(2013): अक्टूबर में जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय के कला एवं सौन्दर्यशास्त्र केंद्र (दी स्कूल ऑफ़ आर्ट एंड एस्थेटिक्स) में "दी प्रोसेस ऑफ़ मेकिंग ऑफ़ जेरीस उबू रॉय" विषय पर व्याख्यान दिया।

———(2013): नवम्बर में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय,दिल्ली में जोस सरम्गो के उपन्यास 'ब्लाइंडनेस' पर एक पटरचना(सिनोग्राफी) कार्यशाला आयोजित की।

———(2014) : जनवरी में आयोजित केरल अंतरराष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "हाइपररियलिज्म इन इंडियन थिएटर" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2014) : मार्च में हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित 'भारत–ब्रिटेन (यू.के.आई.ई.आर.ई) संगोष्ठी' में "न्यू मटेरियलिटी ऑफ सिनोग्राफी इन डिजिटल एरा" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2014) : मार्च में आयोजित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के वार्षिक रंगमंचीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम में "थिएटर ऑफ सिनोग्राफी" विषय पर व्याख्या दिया, जो कि एनईएचयू शिलॉन्ग का एक भाग था।

वाकणकर,मिलिंद (2013): कोच्ची के ली–मैरेडियन होटल में 18–21 जुलाई को आयोजित 'तत्त्वमीमांसा और राजनीति' के वार्षिक सम्मेलन में "कबीर की नकारात्मकता पर विचार" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया गया।

———(2013) : 'विक्षोभ में मानविकी'(दी ह्यूमैनिटीस इन फर्मेंट) विषय पर 16–18 अगस्त को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "धार्मिक पद्धति पर : प्लोटीनस, हेगेल,हेइडेग्गेर" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2013) : मणिदीपा सेन के आमंत्रण पर जे.एन.यू के दर्शनशास्त्र केंद्र में 11 सितम्बर को "धार्मिक पद्धति पर : प्लोटीनस, हेगेल, हेइडेग्गेर" विषय पर चर्चा की गयी।

———(2013) : समुधा सेन के आमंत्रण पर कला संकाय (दिल्ली विश्वविद्यालय) के अंग्रेजी विभाग में 26 सितम्बर को "धार्मिक पद्धति पर : प्लोटीनस, हेगेल,हेइडेग्गेर" विषय पर चर्चा की गयी।

———(2013) : एडवर्ड रोद्रिगुएज़ के आमंत्रण पर जे.एन.यू (दिल्ली) के सामाजिक व्यवस्था अध्ययन केंद्र में 17 अक्टूबर को "ऐतिहासिक परिवर्तन की संरचना का पुनर्लोकनः बिरसा मुंडा" विषय पर चर्चा की गयी।

———(2014) : 'लॉ एंड भावा : नोट्स टुवर्ड ए ट्रीटीज ऑन फ्रीडम' विषय पर निम्नलिखित स्थानों पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया गया :– (1.) 7–9 जनवरी को आयोजित "इकॉनमी, रीज़न,एफर्टः एंटी–कोलोनियल सेंसिबिलिटी,1860 –1950", एनएमएमएल, दिल्ली के एन.वाय.यू–स्टेनफोर्ड–डी.यू सम्मेलन में। (2.) 20–21 जनवरी को आयोजित "कास्ट इन इंडिया : प्रेसेंस एंड एराश्यौर", टीआईएसएस, मुंबई के टीआईएसएस–आईसीपीआर सम्मेलन में। (3.) 13–14 फरवरी को आयोजित "रिकवरी कांसेप्चुअल हिस्ट्रीज़", सीएसडीएस, दिल्ली के सम्मेलन में।

———(2014) : हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के तुलनात्मक साहित्य विभाग में 1–9 फरवरी को "दलित आलोचना : बिरसा मुंडा और क़ानून" विषय पर आयोजित तीन चर्चाओं में अतिथि प्राध्यापक के रूप में भाग लिया।

———(2014) : के.सत्यनारायण के आमंत्रण पर ई.एफ.एल विश्वविद्यालय,हैदराबाद में 19–21 फ़रवरी को "अंडरस्टैंडिंग एमनसिपेशन टुडे" (ईएफएलयू–आईसीपीआर) सम्मेलन में "टॉपिक्स ऑफ़ दी न्यू दलित क्रिटिक" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2014): जेएनयू, दिल्ली के अंग्रेजी विभाग ने 21 मार्च को " दी डिवाइन नेम्स : लिंगविस्टिक थिअरिज़ इन थियोलोजी,एस्थेटिक्स एंड पोलिटिक्स" पर कार्यशाला आयोजित की, जिसमें " ऑन नेमिंग दी डिवाइन : एन एक्सकरसस ऑन दी महानुभाव्स" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2014) : अलायन्स फ़्रनसायस, नई दिल्ली में 25–26 मार्च को "दी एंड्स ऑफ पेडागोजी इन आर्ट : ओपेनिंग्स इन कंटेम्पररी प्रैक्टिसेज" सम्मेलन में 'नोट्स ऑन ए थ्योरी ऑफ़ फ्लूएंसी' विषय पर आख्यान प्रस्तुत किया।

———(2014) : जेएनयू , दिल्ली में 9 अप्रैल को "लैंग्वेज एंड दी पोलिटिकल इन दी मॉडर्न वर्ल्ड" कार्यशाला में 'नोट्स ऑन ए थ्योरी ऑफ़ फ्लूएंसी' विषय पर आख्यान प्रस्तुत किया।

कन्डली,मोशुमी,(2014) : भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् एवं तेजपुर विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक अध्ययन विभाग ने मिलकर 31 मार्च से 1 अप्रैल तक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की, जिसमें 'संस्कृति का दर्शन' विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2013) : भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान,शिमला ने 11–14 अगस्त को "वेव्स इन दी साइलेंट पूल : लिटरेचर्स ऑफ दी मॉडर्न इंडियन लैंग्वेजेज" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की, जिसमें इन्हें कथाकार एवं शोध–पत्र प्रस्तोता के रूप में आमंत्रित किया गया।

————(2013) : तिहू महाविद्यालय,असम में 20–21 जून को यूजीसी द्वारा प्रायोजित "फेमिनिज्म एंड विमेंस टेक्स्ट ऑफ़ नार्थ ईस्ट इंडिया" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में इन्हें विषय–विशेषज्ञ, लेखक एवं शोध–पत्र प्रस्तोता के रूप में आमंत्रित किया गया।

संतोष,एस(2013): एशिया आर्ट आर्काइव, मोहिल पारख सेंटर (मुंबई) एवं स्टूडियो एक्स (मुंबई) ने मिलकर जुलाई में "फील्ड्स ऑफ लेजिबिलिटी : डिसिप्लिन्स एंड प्रैक्टिसेज ऑफ आर्ट राइटिंग इन इंडिया–एन्थोलोजी वर्कशॉप II" पर विषय–विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

————(2013): एशिया आर्ट आर्काइव, एच.के एवं स्टर्लिंग एंड फ्रांसिने क्लार्क आर्ट इंस्टिट्यूट,विलियम्स टाउन, एमए, यूएसए ने मिलकर 13 –14 सितम्बर को "फील्ड्स ऑफ लेजिबिलिटी : डिसिप्लिन्स एंड प्रैक्टिसेज ऑफ आर्ट राइटिंग इन इंडिया" विषय पर सम्मेलन एवं एन्थोलोजी कार्यशाला (III) में इन्हें विषय–विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

संतोष,एस (2013): 'मैपिंग दी ट्राजेक्टरीस ऑफ मिनोरिटेरियन एस्थेटिक्स एंड कल्चरल पॉलिटिक्स' यह अध्याय दवे–मुख़र्जी, पी.के.सिंह एवं एन. आहूजा द्वारा सम्पादित पुस्तक "इनफ्लक्स : कंटेम्पररी आर्ट इन एशिया", पेज नं. 199–212, सेज पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,नयी दिल्ली, में प्रकाशित हुआ।

जैन,शैफाली (2014): "चित्रों की भाषा", यह शोध–पत्र शुक्ला,सुशील द्वारा संपादित पत्रिका, पृष्ठ संख्या– 20–21, एकलव्य प्रकाशन,भोपाल के जनवरी अंक में प्रकाशित हुआ।

————(2013): "चित्रों की भाषा", यह शोध–पत्र शुक्ला,सुशील द्वारा संपादित पत्रिका, पृष्ठ संख्या– 22–23, एकलव्य प्रकाशन,भोपाल के जनवरी अंक में प्रकाशित हुआ।

कृष्णन,राजन कुरै (2014): सीएसडीएस–एसएआरएआई,नयी दिल्ली द्वारा 9–11 जनवरी ,2014 को आयोजित 'मेनी लीव्स ऑफ इंडियन सिनेमा' सम्मेलन में "स्पेस एंड दी सोशल : ए सेमेओटिक एक्सप्लोरेशन ऑफ मेलोड्रामा इन इंडियन सिनेमा" विषय पर व्याख्यान दिया।

————(2013) : लोयोला महाविद्यालय एवं तमिल फिल्म पत्रिका काचीपिज्ज़यी द्वारा 12 दिसम्बर को आयोजित 'तमिल सिनेमा के 100 वर्ष' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ट्रांजीशन फ्रॉम सोंग्स टू स्पीच इन दी फोर्टीस" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

बिस्वास,बिनिल (2013) : फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट , नयी दिल्ली में 18 जून को "कल्चर एंड इट्स रेलेवंस : वर्ल्ड प्रेस्पेक्टिव टू इंडिया पर्सपेक्टिव" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2014) : केरल संगीत नाटक अकादमी (के.एस.एन.ए), संस्कृति विभाग, केरल सरकार द्वारा 27 जनवरी–3 फरवरी को थ्रिस्सुर में आयोजित "केरल के छठें अंतरराष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव" के सम्मेलन संयोजक रहे।

———(2014):सेंट स्टेफेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के बहुभाषी नाटक संस्था की शेक्सपीयर सभा द्वारा 22–25 फरवरी को आयोजित पहले राष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव "दास्ताँ –14" के 'भाषा' बहुभाषी एकांकी इंटर कॉलेज प्रतियोगिता के निर्णायक रहे।

———(2014): मणिपुर विश्वविद्यालय,इम्फाल, मणिपुर में 26–30 मार्च को आयोजित अंतरराष्ट्रीय रंगमंच प्रदर्शनी "एनकाउंटरः एन एक्स्पोजीशन ऑफ कन्हैयालाल–साबित्रीस थिएटर 2014" में विशेषज्ञ / प्रतियोगी के रूप में भाग लिया।

कलात्मक उपलब्धियां / पुरस्कार / सम्मान

शिवरमन,दीपन (2013) : मई में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा रेपेर्टोरी कंपनी,दिल्ली के अनुराधा कपूर द्वारा निर्देशित एवं महेश एल्कुंच्वर द्वारा लिखित नाटक 'विरासत' के प्रस्तुतीकरण में पटचित्रकार की भूमिका निभायी।

———(2013): दिसम्बर में "बोसका कोमेडिया इंटरनेशनल थिएटर फेस्टिवल ऑफ क्राकोव, पोलैंड में भारतीय प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया।

———(2014): केरल के अंतरराष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव जनवरी,2014 (संस्करण) में कलात्मक निर्देशक एवं प्रबंधकीय अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

———(2014) : बेलारूस में 'मोलिगेव अंतरराष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव'(मार्च) में एम आर्ट कांटेक्ट के निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में भाग लिया।

कन्दली,मोशुमी (2014): अपने सृजनात्मक लेखन के माध्यम से 'संघर्ष क्षेत्र में शांन्ति और सद्भाव' को बढ़ावा देने के लिए, इन्हें राजीव गांधी लीडरशिप अवार्ड 2014 के लिए नामांकित किया गया। (विजेता का नाम घोषित करना अभी बाकी है)

———(2013) : असमिया साहित्य के साहिय अकादमी अनुवाद पुरस्कार 2013 के लिए इन्हें अंतिम तीन प्रत्याशियों में नामांकित किया गया।

आलेख :–

कन्दली,मोशुमी (2013): "टेक ऑन आर्ट" विषय पर शोध–पत्र 'दी ट्रान्सेंडैंटल मिरर, एन इंटरनेशनल जर्नल फॉर कंटेम्परी आर्ट' में प्रकाशित (भाग–3,अंक–11,पृष्ठ संख्या –092–093,आईएसएसएन नं. 0976–4011)।

———(2013): "भक्ति आन्दोलन एवं स्त्रियाँ : भारतीय शास्त्रीय नृत्य परम्परा" विषय पर आलेख 'इंडियन एक्सप्रेस,नेशनल न्यूज़ पेपर ऑफ़ इंडिया',नई दिल्ली के 10 अगस्त अंक में प्रकाशित हुआ।

कन्दली,मोशुमी (2013): समकालीन साहित्यिक पत्रिका 'प्रकाश' के अप्रैल अंक में "कथासरितसागर" नामक कहानी प्रकाशित हुई (11:21–27, आईएसएसएन नं. 2279–0683)।

———(2013): समकालीन साहित्यिक पत्रिका 'प्रकाश' के सितम्बर अंक में "मयूर विहार" नामक कहानी प्रकाशित हुई (16:69–75, आईएसएसएन नं. 2279–0683)।

———(2014): समकालीन साहित्यिक पत्रिका 'प्रकाश' के फ़रवरी अंक में "खंजरे–इसकः एक फ़िल्मी कहानी" नामक कहानी प्रकाशित हुई (21:43–54,आईएसएसएन नं. 2279–0683)।

———(2014): समकालीन साहित्यिक पत्रिका 'प्रकाश' के अप्रैल अंक में "फॉरअवे फायरफ्लाईस" नामक कहानी प्रकाशित हुई (23:86–90,आईएसएसएन नं. 2279–0683)।

कन्दली,मोशुमी : साहित्य,कला एवं सांस्कृतिक मासिक पत्रिका 'गोरियोशी' में मई 2014(भाग–20,अंक–8) से इनका "शिल्पदर्शन" नामक स्तम्भ लगातार प्रकाशित हो रहा है।

———(अगस्त 2012 से अगस्त 2013) : साहित्यिक पत्रिका ' प्रकाश' में संस्कृति एवं साहित्य स्तम्भ के रूप में इनकी 12 निबंधों की एक शृंखला "बतायन" नाम से प्राकशित हुई (भागः 3–15, आईएसएसएन नं. 2279–0683)।

III. डिज़ाइन अध्ययन शिक्षालय

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष सम्मान :–

भट्ट,जतिन (2012–2016): नाटिंघम ट्रेन्ट विश्वविद्यालय, यू.के ने अपने कार्यक्रम "इनेटीरियर प्रोडक्ट डिज़ाइन" के लिए इन्हें बाह्य निरीक्षक के रूप में नियुक्त किया।

———(2013): राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान,अहमदाबाद गुजरात में भारत सरकार की संसदीय समिति द्वारा 'संस्थान की उकृष्टता' के सन्दर्भ में प्रस्तावित एनआईडी बिल पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया गया।

———(2013) : राष्ट्रीय फैशन टेक्नोलॉजी संस्थान (निफ्ट), शिलांग,मेघालय के दीक्षांत समारोह में वक्तव्य देने के लिए आमंत्रित किया।

———(2007 के बाद) : इंडियन इंस्टि्ट्यूट ऑफ जेम्स एंड ज्वेलरी की शैक्षणिक एवं तकनीकी समिति के स्थायी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

फारूकी,एम.एस(2012–2017): हथकरघा एवं हस्तशिल्प की बारहवीं योजना (2012–2017) के लिए गठित योजना आयोग समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित।

बालासुब्रमण्यम,सुचित्रा (2013) : रॉयल कॉलेज ऑफ़ आर्ट में फरवरी से दिसम्बर के दौरान 'लीवरहयूम् वज़िटिंग फ़ेलोशिप' प्रदान की गयी।

मद्दिपति, वेणुगोपाल (2012–2014) : भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान,शिमला द्वारा फ़ेलोशिप प्रदान की गयी।

———(2012–2014) : नेहरु मेमोरियल फ़ेलोशिप प्रदान की गयी।

IV. विकास अध्ययन शिक्षालय

पुस्तकःआलेख / अन्य प्रकाशन :–

दामोदरन, सुमंगला (2013): कैप्चरिंग दी गेन्स (इकनोमिक एंड सोशल अपग्रेडिंग इन ग्लोबल प्रोडक्शन नेटवर्क), ड्यूक विश्वविद्यालय एवं मेनचेस्टर विश्वविद्यालय (अनुसंधान विभाग) की वर्किंग पेपर सीरीज में " न्यू स्ट्रेटेज़ीज़ ऑफ इंडस्ट्रियल ऑर्गेनाईजेशन : आउटसौर्सिंग एंड कंसोलिडेशन इन दी मोबाइल टेलीफोनी सेक्टर इन इंडिया" विषय पर शोध–आलेख प्रकाशित हुए।

सीतास,ए,एस दामोदरन, एन त्रिमिकलिनिओटिस एवं डब्लू कीम(2014) : गेज़िंग एंड इंगेजिंग डेविअंस :1600–2000, तुलिका बुक्स।

पुस्तक समीक्षा :–

सेनगुप्ता,ए (2014) : सेज पब्लिकेशन, नयी दिल्ली के समाजशास्त्रीय बुलेटिन (63(1):157–159) में "बिज़नेस एंड कम्युनिटी : दी स्टोरी ऑफ कॉर्पोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी इन इंडिया" विषय पर पुस्तक समीक्षा प्रकाशित।

–––––(2013) : सेज पब्लिकेशन, नयी दिल्ली के समाजशास्त्रीय बुलेटिन (62(1):158–160) में "दी पॉलिटिक्स ऑफ पॉवर्टी : प्लानिंग इंडियाज़ डेवलपमेंट" (रंगेकर,डी.के, 2012) पर पुस्तक समीक्षा प्रकाशित।

आयोजित कार्यशालाएँ / सम्मेलन / संगोष्ठी

हेग के लन्दन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एवं इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज (विभाग) के प्रो. अश्वनी सेठ को दो महीने के लिए विकास अध्ययन शिक्षालय (एसडीएस) में अथिति अध्यापक के रूप में आमंत्रित किया गया। इन्होनें 'दी डेनियल एंड ओब्फुस्केशन ऑफ इनइकुएलिटी" एवं 'इनइकुएलिटी एंड दी कोर्रोसिओन ऑफ डेमोक्रेसी' इन दो विषयों पर 11 से 13 मार्च 2014 को वक्तव्य दिया।

शिक्षालय ने नियमित संगोष्ठी श्रृंखला के अंतर्गत निम्न व्याख्यान श्रृंखलाओं का आयोजन किया :–

खड़कीवाला,नचिकेत (2013) : सितम्बर में जेएनयू के अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के पीएच.डी शोधार्थी ने "अरब स्प्रिंग विद स्पेशल रिफरेन्स ऑन दी कंफ्लिक्ट इन लीबिया" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कोत्ज़े,अस्त्रिड वोन (2013) : 23 जनवरी को कैप्टाउन विश्वविद्यालय के पोपुलर एजुकेशन विभाग के विशिष्ट अध्यापक ने "पोपुलर एजुकेशन पेडागाजी एंड पॉलिटिक्स" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

पांडे,अमृता (2014) : 28 फरवरी को कैप्टाउन विश्वविद्यालय की सहायक अध्यापक ने "सेरोग्रेसी एज़ लेबर प्रोसेस " विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

बिस्वास, प्रदीप (2014): 26 मार्च को "एफडीआई इन रिटेल इन इंडिया" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

19–20 मार्च 2014 को शिक्षालय ने भारत–दक्षिण अफ्रीका अनुसंधान सहयोगी कार्यशाला का आयोजन किया। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच तुलनात्मक अनुसंधान क्षेत्रों से शोधार्थियों को अवगत करवाना था।

विदेशों में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संकाय की भागीदारी :–

दामोदरन,सुमंगला (2013) : अक्टूबर में दक्षिण अफ्रीका के कैप्टाउन विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग ने इन्हें एक महीने के अध्यापन कार्य के लिए आमंत्रित किया।

दामोदरन,सुमंगला एवं अरी सीतास (2013) : अक्टूबर में कैप्टाउन विश्वविद्यालय के अफ्रीकन अध्ययन केंद्र में " मैपिंग एन अफ्रो–एशियन म्यूजिकल रूट" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

धर,आईवी (2013) : श्रीलंका के केलनिया विश्वविद्यालय में 22–23 नवम्बर को सामाजिक विज्ञान पर आयोजित दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ऑन दी बॉर्डर्स: एन ऐरे ऑफ़ सिक्यूरिटी थ्रेट्स इन नार्थ–ईस्ट इंडिया" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय सम्मेलन :–

दामोदरन,सुमंगला (2014) : केंद्रीय बिहार विश्वविद्यालय,पटना के विकास अध्ययन विभाग द्वारा 22 फ़रवरी को आयोजित 'चौथे विकास समागम (मीट)' के " असमानता एवं सामाजिक बहिष्कार" सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

————(2014): जेयूनेस एटूडस इंडीएनस एसोसिएशन एवं जेएनयू के इनफॉर्मल लेबर स्टडीज केंद्र ने मिलकर फ़रवरी में सोहलवीं युवा शोधार्थी कार्यशाला "श्रम, गतिशीलता एवं भूमंडलीकरण" के आयोजन का निर्णय लिया, जिसके आयोजन में इन्होनें सहायता प्रदान की।

अनुसंधान परियोजनाएं :–

एसडीएस में विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं की शुरुआत की गयी है। यह परियोजनाएं शिक्षालय के समस्त विषयगत क्षेत्रों एवं संकाय के विषय–विशेषज्ञता से सम्बंधित हैं। वर्तमान समय में यह विभिन्न चरणों में हैं। यह अनुमान है कि इन अनुसंधान परियोजनाओं के द्वारा शिक्षालय की समस्त अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

प्रमुख अन्वेषक	परियोजना स्थिति	अनुदान एजेंसी / कार्यकाल	कुल परिव्यय (रु. लाखों में)	शीर्षक परियोजना
सुमंगला दामोदरन	परिचालित	आईसीएसएसआर / 18 महीने	5.6	प्रवासी पहचान एवं औद्योगिक कार्यः दिल्ली के दो औद्योगिक क्षेत्रों का अध्ययन

एस.डी.एस संकाय का विश्वविद्यालय की प्रमुख स्तरीय गतिविधियों के साथ जुड़ाव:	
सुमंगला दामोदरन	• उप अधिष्ठाता डीन, विकास अध्ययन शिक्षालय • सदस्य, अकादमिक परिषद • संयोजक,विश्वविद्यालय के अतिरिक्त पाठयक्रम गतिविधियों की समिति (ईसीए) छात्रों की स्थायी समिति की सदस्य • एनएएसी की संचालन समिति की सदस्य • शैक्षणिक परिषद के कार्यभार उप समिति की सदस्य। • मानव अध्ययन शिक्षालय एवं संस्कृति और सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन शिक्षालय के अध्ययन बोर्ड की सदस्य।

V. शैक्षणिक अध्ययन शिक्षालय :–

प्रस्तुत किये गए शोध–पत्र / प्रकाशन

जैन,मनीष (2013): भारत सरकार के मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय,नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित 'वॉइस ऑफ़ टीचर्स एंड टीचर एजूकेटर्स' में "चैलेंजेज फॉर रीवायटलाइज़िंग टीचर एजुकेशन इन इंडिया : जेआरएम्स एंड बियॉन्ड" विषय पर शोध–पत्र प्रकाशित हुआ। (2(2),जून ,पृष्ठ संख्या :12 –17)

———(2013): भारत सरकार के मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय,नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित 'वॉइस ऑफ़ टीचर्स एंड टीचर एजूकेटर्स' के जून अंक,2(2) में सम्पादकीय प्रकाशित।

———(2013) : शिक्षा का इतिहास,शिक्षा विमर्श, 15(4) पृष्ठ संख्या :16–23

———(2013): एयूडी–टीआईएसएस, एपीयू एवं न्यूपा (एनयूईपीए) टीआईएसएस, हैदराबाद द्वारा 16–21 दिसम्बर को आयोजित 'एजुकेशन पालिसीः रेगुलेशन इन एजुकेशन' कार्यशाला में "स्टेट,सिविल सोसायटी एंड रेगुलेशन इन एजुकेशनः हिस्टोरिकल एन्कुएरिस" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2013) : जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन इंस्टिट्यूट में 29 नवम्बर को "लोकेटिंग वॉइसिस एंड स्कूल इन कंटेम्पररी देल्ही" विषय शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2013): इंस्टिट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स,नई दिल्ली के प्राथमिक शिक्षा विभाग में 3 अप्रैल को " क्रिटिकल थिंकिंग : इट्स इर्म्पोटेन्स एंड रेलेवंस इन टीचिंग ऑफ हिस्ट्री" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

माओ,अखा के(2014): इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 8–9 मार्च को आयोजित 'अल्टरनेटिव्ज इन स्कूल सिस्टम एंड टीचर एजुकेशन' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "पोलिटीकली कॉन्शियस टीचर्स एंड देयर परसेप्शन ऑफ टीचर एजुकेशन प्रोग्राम" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

शर्मा,गुंजन (2014) : दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में 1–17 मार्च को आयोजित 'ओकेज़नल पेपर्स I&VI* में "अंडरस्टैंडिंग दी टी स्टाल्स ऑन देल्ही यूनिवर्सिटी कैंपस : ए क्वालिटेटिव स्टडी" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2013) : राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय,दिल्ली में 16–17 दिसम्बर को अनिल बोरडिया मेमोरियल नेशनल पालिसी सेमिनार आयोजित किया गया, जिसका विषय "शिक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण" था। इसमें "ए स्टेट स्कूल इन एन अर्बन स्लम : ए पोस्ट आरटीई पिक्चर" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

वर्मा,विजया एस एवं गुंजन शर्मा (सम्पादित) (2014) : "टीचर्स इन कन्वर्सेशन : स्कूल टीचर्स, नैरेटिव्स, डिसकशंस एंड डायलोग्स",शैक्षिक अध्ययन शिक्षालय,अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली एवं आह्वान ट्रस्ट।

थपलियाल, मानसी (2014) : मेथ्यू,आर, टी गीता एवं एस चेन्नत द्वारा सम्पादित "ई–लर्निंग इन टीचर एजुकेशन" (शिक्षा विभाग,दिल्ली विश्वविद्यालय) में 'नस्सेंट एक्सपीरियंसस इन ई–लर्निंग ऑफ़ नियोफाइट्स इन रिसर्च' विषय पर शोध–पत्र प्रकाशित हुआ।

VI. मानव पारिस्थितिकी शिक्षालय :–

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष सम्मान :–

काबरा,अस्मिता (2013–2015): जर्नल कांसेर्वेशन एंड सोसायटी में सह–सम्पादक के रूप में आमंत्रित किया।

नेगी,रोहित (2014–2016) : एंटीपोड के अंतरराष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड (भूगोल की प्रमुख पत्रिका) में सदस्य के रूप में आमंत्रित किये गए।

————(2013–2014): अफ्रीका की एशियन स्टडी एसोसिएशन(ए–एशिया) में वैज्ञानिक समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

आयोजित कार्यशालाएं / सम्मेलन / संगोष्ठी :–

ई–कुअल परियोजना : मानव पारिस्थितिकी शिक्षालय चार वर्षीय अंतर–संस्थागत सहयोगी परियोजना का हिस्सा बना जिसका शीर्षक था : ई– कुअल (एन्हान्सिंग क्वालिटी,एक्सेस एंड गवर्नेंस ऑफ़ अंडरग्रेजुएट एजुकेशन इन इंडिया)। ब्रिटिश परिषद् नई दिल्ली के साथ चार भारतीय एवं दो यूरोपियन विश्वविद्यालय इस परियोजना के सहयोगी रहे। एयूडी ने इस परियोजना के चार प्रमुख क्षेत्रों में से एक विशेष क्षेत्र मानव पारिस्थितकी को बढ़ावा देने के निर्णय को स्वीकार किया। 2013–14 के दौरान एसएचई संकाय (रोहित नेगी,सुरेश बाबू, अस्मिता काबरा,हेमलता देवी एवं प्रवीण सिंह) ने इस परियोजना की गतिविधियों के अंतर्गत विभिन्न बिन्दुओं के सन्दर्भ में हैदराबाद विश्वविद्यालय, जादवपुर विश्वविद्यालय और शिव नादर विश्वविद्यालय का दौरा किया।

9 दिसम्बर को एसएचई द्वारा छात्र शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य था कि कक्षा में प्राप्त छात्र उपलब्धियों का प्रदर्शन एवं क्षेत्र अधिगम के रूप में मानव पारिस्थितिकी शिक्षालय के अपने पाँचवें वर्ष में प्रवेश करने पर विस्तार से चर्चा करना। पीएच.डी(मानव पारिस्थितिकी) के दो शोधार्थियों एवं एम.ए (पर्यावरण एवं विकास,सत्र–2013) के तीन विद्यार्थियों ने इस विषय पर चर्चा की। इनके अलावा एम.ए के विद्यार्थियों ने अपनी इंटर्नशिप एवं शोध कार्य पर आधारित पोस्टर प्रस्तुत किये। कुलपति ने इस सभा को संबोधित किया जिसमें एसएचई के छात्र, पूर्व विद्यार्थी,संकाय,आमंत्रित अथिति तथा एयूडी से विस्तृत संख्या में प्रतियोगी मौजूद थे।

'मंगलवार संगोष्ठी श्रृंखला' के एक भाग के रूप में एसएचई ने "अथिति व्याख्यान श्रृंखला" आयोजित की । इस संगोष्ठी में निम्न वक्ता शामिल थे – (1.) 13 जनवरी 2014,श्रीमान बी.के.मनीष (जनजाति मामलों के स्वतंत्र कार्यकर्ता), (2.) 28 जनवरी 2014, डॉ. नंदनी कुमार (एनर्जी रिसोर्सेस इंस्टिट्यूट, दिल्ली) एवं (3.) 3मार्च 2014, डॉ. सौम्या प्रसाद (भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर का पारिस्थितिकी विज्ञान केंद्र)।

आलेख / पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय / अन्य प्रकाशन :–

काबरा,ए (2013) : 'सोशल चेंज'(43(4),पृष्ठ संख्या –533–550) पत्रिका में "कान्सेर्वाशन–इन्क्लुडेड डिस्प्लेसमेंट : एनाटोमी ऑफ़ ए विन–विन सलूशन" विषय पर आलेख प्रकाशित।

शाहबुद्दीन,जी (2014) : रंगराजन, एम एवं के शिवरामकृष्णन द्वारा सम्पादित पुस्तक "शिफ्टिंग ग्राउंड : पीपल,एनिमल्स एंड मोबिलिटी इन इंडियाज़ एनवायर्नमेंटल हिस्ट्री" (प्रकाशन–ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस,नई दिल्ली) में 'टाइगर क्राइसिस एंड दी रिस्पांसः रिक्लैमिंग दी विल्डरनेस इन सरिस्का टाइगर रिज़र्व, राजस्थान' विषय पर आलेख प्रकाशित हुआ।

देवी,ओ.एच (2013): दास,पी एवं दीपांकर चटर्जी द्वारा सम्पादित पत्रिका "लाइवलीहुड्स एंड हेल्थः इश्यूज एंड प्रोसेस इन रूरल डेवलपमेंट" (आईएसएसएन नं. 428–446, प्रकाशन–सीरियल पब्लिकेशंस,नई दिल्ली) में 'हाईजिन एंड कॉमन डिजीज इन दी हेल्थ केयर सिस्टम्स ऑफ ए रूरल विलेज इन मणिपुर' विषय पर आलेख प्रकाशित हुआ।

देवी,ओबी,ओ इशानी एवं ओ.एच देवी (2013): दास,पी एवं दीपांकर चटर्जी द्वारा सम्पादित पत्रिका "लाइवलीहुड्स एंड हेल्थ : इश्यूज एंड प्रोसेस इन रूरल डेवलपमेंट" (आईएसएसएन नं. 428–446,प्रकाशन–सीरियल पब्लिकेशंस,नई दिल्ली) में 'डेमोग्राफी ,माइग्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट : दी मणिपुर एक्सपीरियंस' विषय पर आलेख प्रकाशित।

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाओं में भागीदारी :–

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

काबरा,अस्मिता (2014) : नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय,नई दिल्ली में आयोजित "अनरुली एनवायर्नमेंट्स : इकोलॉजीज़ ऑफ एजेंसी इन दी ग्लोबल एरा" सम्मेलन के 'एड्जेस' सत्र की अध्यक्षता एवं चर्चा की।

नेगी,रोहित (2013): डरबन में,मई में आयोजित 'इंटरनेशनल जियोग्राफीज़ ऑफ जस्टिस' कार्यशाला में विषय–विशेषज्ञ के रूप में मौजूद रहे।

———(2013): साउथ अफ्रीका के स्टेल्लेनबोसच विश्वविद्यालय (एशिया–अफ्रीका एंटेंगलिमेंट्स) में , नवम्बर में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में "नेगोशिएटिंग साउथ–साउथ सॉलिडैरिटीज़ः अफ्रिकन्स इन देल्ही' विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

बाबू,सुरेश (2013): यूएसए के विस्कॉन्सिन में 6–11 अक्टूबर को आयोजित पांचवे विश्व सम्मेलन "इकोलॉजिकल रेस्टोरेशनः रिफ्लेक्शंस ऑन दी पास्ट,डायरेक्शंस फॉर दी फ्यूचर–मेडिसन" में शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2013): यूएसए के विस्कॉन्सिन में 6–11 अक्टूबर को आयोजित पांचवे विश्व सम्मेलन "इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन : रिफ्लेक्शंस ऑन दी पास्ट,डायरेक्शंस फॉर दी फ्यूचर–मेडिसन" में ' रेस्टोरेशन ऑफ लैंडस्केप्स इन्वेडेड बाय लैंटाना (लैंटाना कामारा एल) इन कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व : रेस्पोंस ऑफ दी अविफौनल कम्युनिटी ओवर ए फाइव–इयर पीरियड' विषय पर चर्चा की।

मिश्रा,अक्षिता,ए काबरा एवं सुरेश बाबू (2013): यूएसए के विस्कॉन्सिन में 6–11 अक्टूबर को आयोजित पांचवे विश्व सम्मेलन "इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन : रिफ्लेक्शंस ऑन दी पास्ट,डायरेक्शंस फॉर दी फ्यूचर–मेडिसन" में 'रेस्टोरिंग पोस्चर कॉमन्सः एन एक्सपेरिमेंट इन पैरा आदिवासी,एरिड सेंट्रल इंडिया' विषय पर चर्चा की।

राष्ट्रीय संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :–

काबरा,अस्मिता (2013): सीएसडी–आईसीएसएसआर,आईआईडी नई दिल्ली द्वारा 7–8 मई को आयोजित "सामाजिक प्रभाव आंकलन" संगोष्ठी में भाग लिया और प्रतियोगियों के लिए 'एसआईए' (सामाजिक प्रभाव आंकलन) विषय पर व्याख्यान दिया।

———(2013): बैंगलोर में 25–27 सितम्बर को संरक्षण विज्ञान के छात्र सम्मेलन में "रिसर्चिंग एनवायर्नमेंटल इश्यूज विद ह्यूमन सब्जेक्ट्स : एन इंट्रोडक्शन टू मिक्स्ड मेथड्स अप्रोचेस" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया।

शाहबुद्दीन,गज़ाला(2013): बैंगलोर में 25–28 सितम्बर को संरक्षण विज्ञान के छात्र सम्मेलन में "एक्सप्लोरिंग दी एफ्फोर्ट्स ऑफ लीफ लिटिर रिमूवल ऑन सोइल आर्गेनिक कार्बन" शीर्षक पर नायर,वी,आर थडानी,जी शाहबुद्दीन एवं वी सिंह द्वारा बनाये गए पोस्टर को प्रस्तुत किया।

ओइनम हेमलता,देवी (2014): दिल्ली विश्वविद्यालय के नृविज्ञान विभाग में 3–14 फ़रवरी को सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए 'क्षमता निर्माण कार्यक्रम' पर आईसीएसएसआर कार्यशाला आयोजित की।

अनुसंधान परियोजनाओं में संकाय की भागीदारी

परियोजना शीर्षक	कुल परिव्यय (रू. लाखों में)	अनुदान एजेंसी एवं कार्यकाल	परियोजना स्थिति	प्रमुख अन्वेषक
कम्युनिटी बेस्ड रिस्टोरेशन ऑफ़ डीग्रेडेड ग्रासलैंड्स एंड फेलो लैंड इन दी बफर एरिया ऑफ दी कुनो वाइल्ड लाइफ सेंचुरी	6.00	रुफ्फोर्ड फाउंडेशन (अक्टूबर 2013 से सितम्बर 2014 तक)	जारी है	प्रमुख अन्वेषक–डॉ. अस्मिता काबरा सलाहकार–डॉ.सुरेश बाबू
कल्चर एंड इकोलॉजी ऑफ़ सेक्रेड ग्रोवस एंड टेम्पल्स इन मणिपुर	4.00	आईसीएसएसआर (1 सालः 2013–2014)	जारी है	डॉ. ओइनम हेमलता देवी
मैपिंग सोशिओ इकोलॉजिकल वुल्नेरबिलिटी	21.88	आईसीएसएसआर, (तीन साल)	जारी है	प्रमुख अन्वेषक–डॉ. प्रवीण सिंह – परियोजना सदस्य– डॉ.रोहित नेगी, डॉ. अस्मिता काबरा, डॉ. हेमलता देवी।
इकोलॉजिकल रिस्टोरेशन ऑफ डीग्रेडेड लैंडस्कैप्स इन बोलनी आयरन ओर माइंस एरिया ऑफ़ सेलः ए मॉडल फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, बायोडाइवर्सिटी कॉन्ज़र्वेशन एंड CO_2 मिटिगेशन स्ट्रेटेजी	75.00	स्टील अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (तीन साल)	जारी है	डॉ.सुरेश बाबू
ई–कुअल : एन्हान्सिंग अंडरग्रेजुएट एजुकेशन इन इंडिया (ब्रिटिश परिषद के साथ साझेदारी में इंटर–यूनिवर्सिटी सहयोगी परियोजना)	132.60	यूरोपियन यूनियन (4 साल)	2013–2014 से शुरुआत	परियोजना संयोजकः डॉ. सुरेश बाबू परियोजना सदस्य– डॉ. रोहित नेगी, डॉ.अस्मिता काबरा, डॉ. हेमलता देवी, डॉ. प्रवीण सिंह।

संकाय द्वारा आमंत्रित व्याख्यान :–

काबरा,अस्मिता (2014): दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग में 1 मार्च को आयोजित वार्षिक अर्थशास्त्रीय सम्मेलन में " दी क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म : ब्रीडिंग दी गैप बिटवीन सस्टेनेबल डेवलपमेंट पालिसी एंड प्रैक्टिस" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2013): सामाजिक विकास परिषद् द्वारा 12 दिसम्बर को आयोजित "बेस्ट प्रैक्टिसेज इन रिसेटलमेंट" कार्यशाला में 'बेस्ट प्रैक्टिसेज इन रिसेटलमेंटः दी केस ऑफ नेशनल पार्क्स प्रोजेक्ट्स" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2013): नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय,तीन मूर्ति में 9 सितम्बर को आयोजित 'समाज एवं इतिहास' श्रृंखला के अंतर्गत "विस्थापन,विकास और विकल्प" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2013): टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान के गुवाहाटी परिसर में 5 जुलाई को एम.ए (पारिस्थितिकी,पर्यावरण एवं सतत विकास) विद्यार्थियों के लिए 'पर्यावरण की शोध पद्धतियाँ' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

बाबू,सुरेश (2013): यूएसए,विस्कॉन्सिन के इंटरनेशनल क्रेन फेडरेशन बाराबू में 4 अक्टूबर को "इकोलॉजी एंड सोसायटी : रेसिलिएंस एंड ट्रांसफॉर्मेशन इन दी निकोबार्स" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

नेगी,रोहित (2013): भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली में सितम्बर में आयोजित "देल्ही : अर्बन चेंज एंड एनवायर्नमेंटल डिबेट्स" में भाग लिया।

देवी,ओइनम हेमलता (2013): इग्नू के सीएसडी में 14 नवम्बर को आयोजित 'सोशल चेंज' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

———(2013): इग्नू के सीएसडी में 25 नवम्बर को आयोजित 'इंडिजेनस नॉलेज सिस्टम्स' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

संकाय की अन्य अकादमिक गतिविधियाँ :–

काबरा,अस्मिता (2013): 'एल्सेविएर जर्नल लैंड यूज़ पालिसी' की पाण्डुलिपि समीक्षक।

———(2013): रूटलेज–अर्थस्कैन के एनवायरनमेंट,सस्टेनबिलिटी एंड डेवलपमेंट स्टडीज लिस्ट पर आधारित पुस्तक (दो) की समीक्षक।

———(2013): 'कांजर्वेशन एंड सोसायटी ' की पाण्डुलिपि के विषय संपादक।

नेगी,रोहित (2013): 'कांजर्वेशन एंड सोसायटी' के रेफरी।

———(2014) : 'एंटीपोड' के रेफरी।

———(2013) : 'इंडिया क्वार्टरली' के रेफरी।

———(2013): 'पालिसी एंड पॉलिटिक्स' के रेफरी।

बाबू,सुरेश (2014): भारतीय विज्ञान अकादमी,बैंगलोर की 'करंट साइंस' के रेफरी।

———(2014): 'बायोलॉजिकल कांजर्वेशन' (एल्सेविएर पब्लिशर्स) के रेफरी।

ओइनम,हेमलता (2013): 'जर्नल ऑफ़ अन्थ्रोपोलोजी' की रेफरी।

शिक्षालय की सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियाँ : अध्ययन यात्राएं

स्थान एवं विषयवस्तु	दिनांक	संकाय संरक्षक	विवरण
कुनो वन्यजीव अभयारण्य एवं आसपास के गाँव, जिला श्योपुर, मध्य प्रदेश	दिसम्बर 2014	डॉ. अस्मिता बाबू एवं एसएचई के दो पीएच.डी शोधार्थी।	इस अध्ययन यात्रा के दौरान एम.ए. कार्यक्रम के अंतर्गत पारिस्थितिकी की बहाली एवं पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन किया गया।
संजय वन, नई दिल्ली की अध्ययन यात्रा	अक्टूबर 2013	डॉ. रोहित नेगी	इसके अंतर्गत दिल्ली की शहरी पारिस्थितिकी के बारे में छात्रों को जानकारी दी गयी।
सिरमौर, हिमाचल प्रदेश	फ़रवरी 2014	डॉ. सुरेश बाबू, डॉ. रोहित नेगी	इसके अंतर्गत एम.ए. (अंतिम वर्ष) के विद्यार्थियों को रेणुका बाँध के पारिस्थितिकीय बहाली एवं राजनीतिक पारिस्थितिकी के प्रभाव से अवगत कराया।
रानीखेरा गाँव, दिल्ली	23 मार्च 2014	डॉ. ओइनम हेमलता देवी	एमएईडी(दूसरा सत्र) के 10 विद्यार्थियों ने एलेक्टिव कोर्स विकास एवं जन स्वास्थ्य के अंतर्गत अध्ययन यात्रा की।
राजाजी टाइगर रिज़र्व, उत्तराखंड	1–5 दिसम्बर 2013	डॉ. गज़ाला शाहबुद्दीन	एम.ए (प्रथम सत्र) के विद्यार्थियों को पारिस्थितिकी की क्षेत्र पद्धतियों से अवगत कराया गया।
ओखला पक्षी अभयारण्य	नवम्बर 2013		पक्षियों की पहचान करने की जानकारी दी गयी।
असन कोन्सेर्वेशन रिज़र्व, देहरादून	7–9 फ़रवरी 2014		उत्तराखंड वन्य विभाग के पर्यावरण–पर्यटन विंग द्वारा आयोजित उत्तराखंड पक्षी महोत्सव में विषय–विशेषज्ञ के रूप में मौजूद।

————(2013): स्टीफन यंगर की पत्रिका 'वायलेंस एंड वॉरफेयर इन प्री–कांटेक्ट मेलनेसिया" के दिसम्बर अंक(658597) में आलेख प्रकाशित हुआ।

अनुसंधान पर्यवेक्षण :–

काबरा,अस्मिता (2013): दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में नवम्बर में प्रस्तुत किये गए एम.फिल शोध कार्य "डेवलपमेंट एंड डिस्प्लेसमेंट इन इंडिया : ए वीमेन पर्सपेक्टिव" की परीक्षक रहीं।

————(2013): जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय,नई दिल्ली के जवाहर लाल नेहरु अध्ययन केंद्र में अक्टूबर में प्रस्तुत किये गए विकास अध्ययन में एम.फिल.शोध कार्य "वीमेन एंड कॉमन प्रॉपर्टी रिसोर्सेज इन हिमाचल प्रदेश" के परीक्षक रहे।

प्रमुख विश्वविद्यालय स्तर की गतिविधियों में एसएचई संकाय की भागीदारी :–

डॉ. रोहित नेगी	अंतरराष्ट्रीय भागीदारी के सलाहकार समिति सदस्य (एसीआईपी) अर्बन नॉलेज नेटवर्क एशिया (यूरोप और एशिया के 14 संस्थानों का सहयोगी मंच)के संयोजक (एयूडी) स्नातक अध्ययन शिक्षालय के अध्ययन बोर्ड सदस्य। बी.ए. सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के कार्यक्रम समिति सदस्य।
डॉ. प्रवीण सिंह	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में प्रस्तुत करने के लिए एयूडी की 12वीं योजना के प्रस्ताव की तैयारी। नैक (राष्ट्रीय मूयांकन एवं प्रत्यायन परिषद्) एसएसआर की तैयारी के लिए गठित स्टीयरिंग समिति संयोजक। अकादमिक परिषद् के सदस्य। छात्र मामलों की स्थायी समिति के सदस्य। सीएएस के अकादमिक परिषद् उप–समिति के सदस्य। कार्यभार समिति के अकादमिक परिषद् (उप–समिति) सदस्य। अकादमिक एवं प्रशासनिक सुधारों की तैयारी के लिए कार्य–योजना के कार्यान्वयन समिति सदस्य। अनुसंधान एवं परियोजना प्रबंधन की सलाहाकार समिति के सदस्य। स्नातक अध्ययन शिक्षालय के अध्ययन बोर्ड सदस्य। स्नातक अध्ययन शिक्षालय की अकादमिक समन्वयन समिति के सदस्य।
डॉ. सुरेश बाबू	एयूडी की प्रोक्टोरिअल समिति के सदस्य अग्नि सुरक्षा कार्य समूह के सदस्य। अनुसंधान एवं परियोजना प्रबंधन की सलाहाकार समिति के सदस्य। (छः महीनों के लिए, अनुसंधान परियोजनाओं की नीति का मसौदा तैयार करने के लिए अग्रणी)
डॉ. अस्मिता काबरा	विकास अध्ययन शिक्षालय की अध्ययन बोर्ड सदस्य। डिज़ाइन शिक्षालय की अध्ययन बोर्ड सदस्य।

VII. मानव अध्ययन शिक्षालय :–

आयोजित कार्यक्रम –

अगस्त 2013 में ' डिसेबिलिटी,जेंडर, सब्जेक्टिविटी' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में निम्न वक्ताओं ने भाग लिया–प्रो.इंदु अग्निहोत्री, डॉ. अनीता घई, डॉ. तन्मोय भट्टाचार्य, डॉ. हेमचंद्रण करह, प्रो. रेनू अद्लाखा, डॉ. नंदिनी घोष, डॉ. शिबाजी पांडा, डॉ. शिल्पा आनंद, सप्तऋषि मंडल, डॉ. सुमी कृष्णा एवं शम्पा सेनगुप्ता।

भावनात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर चिंतन करने के लिए मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र ने मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर 'आवाज़' महोत्सव का आयोजन किया। ऊपर उल्लेख किये गए विषय पर छात्रों एवं संकाय के लिए दो दिन समर्पित थे, जिसमें गहन विचार–विमर्श, चिंतन एवं मनोवैज्ञानिक गतिविधियाँ शामिल थीं। यह आयोजन इस साल (अक्टूबर,2013) ' सफ्फरिंग एंड सरवायविंग' विषय पर आधारित था।

नवम्बर 2013 में डॉ. वत्सला सुब्रमणीयम (मनोचिकित्सक) ने 'भारत में मानसिक स्वास्थ्य' एवं 'आत्महत्या और मानसिक रोगियों के साथ कार्य' विषयों पर चर्चा की।

3 अक्टूबर 2013 को 'हिज होलीनेस दी 17जी ग्यालवांग करमपा' के अंतर्गत "मनोविज्ञान एवं मानवीय चिंतन" विषय पर चर्चा की गयी।

19–20 दिसम्बर 2013 को भारत में 'मनोविश्लेषण, धर्म एवं संस्कृति' विषय पर पहला "मनोविश्लेषण" वार्षिक सम्मेलन का आयोजन फोर्टिस अस्पताल की मनोविश्लेष्णात्मक यूनिट, गुडगाँव के साथ मिलकर किया गया।

दिसम्बर 2013 को मुदिता रस्तोगी द्वारा 'परिवार चिकित्सा' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

फ़रवरी 2014 को डॉ. जयति बासु (वरिष्ठ मनोविश्लेषक, कलकत्ता) द्वारा ' बंगाल विभाजन के दौरान मृदुल हिंसा' विषय पर चर्चा की गयी।

मार्च 2014 को प्रो. सलमान अख्तर द्वारा ' मानसिक चिड़ियाघर : मानव जीवन में जानवरों की भूमिका' विषय पर चर्चा की गयी।

30 अगस्त 2013 को जेएनयू में सुश्री देवंगना कलिता (एम.ए. इतिहास की विद्यार्थी) द्वारा "असम में महिला चाय बगान श्रमिकः प्रतिरोध की दास्ताँ" विषय पर चर्चा की गयी।

6 सितम्बर 2013 को सुश्री अक्षि सिंह (लन्दन के क्वीन मैरी कॉलेज की पीएच.डी शोधार्थी) द्वारा 'भारत में मनोविश्लेषण का इतिहासः एक वैचारिक अनुसंधान परियोजना' विषय पर चर्चा की गयी।

24 मार्च 2014 को फहमिदा रिआज़ (पाकिस्तानी कवियत्री) द्वारा " मुश्किल समय में कवि" विषय पर चर्चा की गयी।

सम्मेलन / संगोष्ठी / शोध–पत्र प्रस्तुति :–

मसिह, शालिनी (2013): इन्हें सुधीर कक्कड़ पुरस्कार (मनोचिकित्सक) के लिए नामित किया गया। इन्होनें दिसम्बर में आयोजित पहले वार्षिक मनोविश्लेष्णात्मक सम्मेलन 'मनोविश्लेषण, धर्म एवं संस्कृति' में "टेरर्स टू एक्सपेंशन्स– ए जर्नी मेडीएटिड थ्रू फेथ" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया। इस सम्मेलन का आयोजन फोर्टिस हेल्थ केयर के मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यावहारिक विज्ञान विभाग की मनोविश्लेष्णात्मक यूनिट ने अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के मानव अध्ययन शिक्षालय के साथ मिलकर किया।

नागपाल, अशोक (2013): इन्होनें दिसम्बर में आयोजित पहले वार्षिक मनोविश्लेष्णात्मक सम्मेलन 'मनोविश्लेषण, धर्म एवं संस्कृति' में "क्लिनिक इन दी आउटसाइड" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया। इस सम्मेलन का आयोजन फोर्टिस हेल्थ केयर के मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यावहारिक विज्ञान विभाग की मनोविश्लेष्णात्मक यूनिट ने अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के मानव अध्ययन शिक्षालय के साथ मिलकर किया।

नागलिया, शुभ्रा (2014): पुणे विश्वविद्यालय के क्रांतिज्योति सावित्री बाई फुले महिला अध्ययन केंद्र में 21 फ़रवरी को 'मुक्ता साल्वे लेक्चर सीरीज इन मेमोरी ऑफ शर्मीला रेगे' के अंतर्गत ' उच्च शिक्षा में समानता का प्रश्न' के सन्दर्भ में "स्टूडेंट्स 'टॉकिंग बेक' एंड बिल्डिंग क्रिटिकल पेडागोज़िज़" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

———(2014): इन्होनें 4–7 फ़रवरी को टाटा इंस्टिट्यूट फॉर सोशल साइंस गुवाहाटी एवं नार्थ–ईस्ट नेटवर्क में आयोजित 14वें राष्ट्रीय सम्मेलन 'इक्वलिटी, प्लुरलिस्म एंड दी स्टेटः पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम दी विमेंस मूवमेंट' में " जेंडर ऐज ए सिंबॉलिक रिसोर्स : इम्मीग्रेशन डिसकोर्स एंड नेशनलिस्ट प्रोजेक्ट इन टाइम्स ऑफ निओ–लिबरल ग्लोब्लाइजेशन" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया। इस सम्मेलन का आयोजन भारतीय महिला अध्ययन एसोसिएशन ने गुवाहाटी विश्वविद्यालय एवं कॉटन कॉलेज स्टेट यूनिवर्सिटी (गुवाहाटी) के साथ मिलकर किया।

———(2014): इन्होनें 27–28 फरवरी को चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'लोकतंत्र, राजनीतिक तंत्र एवं जनसमूह' में "न्याय एवं परिवर्तन की (अ) संभावनाएं: भारतीय राजनीतिक लोकतंत्र" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस संगोष्ठी का आयोजन देव समाज कॉलेज फॉर वीमेन, फिरोजपुर की 'फिलोसोफिकल सोसायटी : ए स्टूडेंट्स डिस्कशन फोरम' के 'क्रिटिक फिरोजपुर चैप्टर' ने पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के दर्शन विभाग के साथ मिलकर किया।

चौधरी,रचना (2013) : अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के मानव अध्ययन शिक्षालय ने भारतीय महिला अध्ययन एसोसिएशन के साथ मिलकर 31 अगस्त को राष्ट्रीय कार्यशाला 'डिसेबिलिटी,जेंडर,सब्जेक्टिविटी' का आयोजन किया। इसमें "जजिंग डिस (एबिलिटी)–स्क्रिप्टिंग आइडियल" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

———(2013): इन्होनें 19–20 दिसम्बर को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 'पारिवारिक ढांचा,सामाजिक परिवर्तन एवं क़ानून' के दो सत्रों "मीडिया एवं महिलाओं के खिलाफ हिंसा" और "सरोगेट माँ एवं महिलाओं के प्रजनन अधिकार" की अध्यक्षता की। इसका आयोजन विवेकानंद इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (जीजीएसआईपीयू) ने किया।

———(2014): इन्होनें 4–7 फ़रवरी को आईएडब्लूएस,गुवाहटी के 14वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "एनजेंडरिंग पोलिसिंग : वीमेन ट्रैफिक पुलिस कांस्टेब्लेस इन कंटेम्पररी देल्ही" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2014): दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज में 28 फ़रवरी को इकोनॉमिक्स सोसायटी के अंतर्गत इंटर कॉलेज की वार्षिक विचार–गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें 'जेंडर,लेबर एंड माइग्रेशन' के संदर्भ में "एनजेंडरिंग देल्ही पुलिस : लुकिंग एट दी निओ–लिबरल फ्रेमवर्क" विषय पर उद्घाटन व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2014): दिल्ली विश्वविद्यालय के दयाल सिंह कॉलेज के भूगोल विभाग ने 5 मार्च को 'जेंडर,स्पेस एंड डेवलपमेंट' के सन्दर्भ में इंटर–कॉलेज अकादमिक बैठक 'धारिणी' का आयोजन किया। इसमें "स्पैशल पॉलिटिक्स ऑफ़ जेंडर रोल्स सोशलाइजेशन" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———: नई दिल्ली में 10–13 नवम्बर को आयोजित 'सेकंड मैन इंगेज ग्लोबल सिम्पोज़ियम 2014' की एबस्ट्रैक्ट स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य।

जिमो,लोवितोली (2014): भारत पर्यावास केंद्र,नई दिल्ली में 21 मार्च को 'पीपल्स सार्क' द्वारा गोलमेज सम्मेलन ' लुकिंग ईस्ट थ्रू दी नार्थईस्ट : पीपल्स पर्सपेक्टिव' का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में इन्हें वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

———(2014): जेएनयू,नई दिल्ली के भारतीय उत्तर–पूर्वी अध्ययन कार्यक्रम के अंतर्गत 26–28 फ़रवरी को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'भारत के उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में राज्य एवं समाज' का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में "रि–अस्सेर्टिंग आइडेंटिटी / कल्चरल टूरिज्म / कंज्यूमरिज्म ?" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2014): गुवाहाटी में 4–7 फ़रवरी को भारतीय महिला अध्ययन एसोसिएशन (आई.ए.डब्लू.एस) के अंतर्गत 14वें सम्मेलन 'जेंडर,कंफ्लिक्ट एंड दी स्टेट, अंडर दी सब–थीम इक्वलिटी, कंफ्लिक्ट, प्लुरलिज्म एंड विमेंस स्टडीज' का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में "नागा मदर्स एसोसिएशन (एन.एम.ए) इन विमेंस स्टडीज डिस्कोर्स इन इण्डिया" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नावेद,शाद (2014): दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट.स्टीफंस कॉलेज के अंग्रेजी विभाग ने मार्च में वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'टेक्स्ट्स एंड टेक्नोलॉजी' का आयोजन किया। इस सम्मेलन में "रब्बिंग :'लेस्बियन' ट्रोप्स एंड पोइटिक्स मूव्स इन ए प्री–मॉडर्न उर्दू पोयम" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2014) : यूरोपियन एवं लैटिन अमेरिकन अध्ययन केंद्र में,मार्च में जामिया मिलिया इस्लामिया संगोष्ठी 'डायनमिक्स ऑफ डेवलपमेंट एंड डिस्सेंट' का आयोजन हुआ। इस सम्मेलन में "जैक्स रंसिएर्स सेंसिबल एंड दी पोलिटिकल पोएम इन उर्दू" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया गया।

———(2014) : सांस्कृतिक अध्ययन विभाग,हैदराबाद ने फ़रवरी में अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय सम्मेलन 'अंडरस्टैंडिंग एमनसीपेशन टूडे' का आयोजन किया। इस सम्मेलन में "अफ्रीका कम्स : नून मीम दानिश एंड प्रोग्रेसिव डिसइल्लुज़नमेंट" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया गया।

वासा, सामिया (2014): जामिया मिलिया इस्लामिया,नई दिल्ली के यूरोपियन एवं लैटिन अमेरिकन अध्ययन केंद्र ने यंग स्कॉलर सेमिनार 'दी डायनामिक्स ऑफ डेवलपमेंट एंड डिस्सेंट इन 21st सेंचुरी डेमोक्रेसिज़' का आयोजन किया। इस सम्मेलन में "लिबरल डेमोक्रेसी एंड दी पॉलिटिक्स ऑफ गेनेस" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया गया।

———(2013): महिला विकास अध्ययन केंद्र,नई दिल्ली ने महिला अध्ययन सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में "स्टूडेंट पॉलिटिक्स एट ई.एफ.एल.यू एंड दी क्वेश्चन ऑफ जेंडर" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया गया।

पुस्तक / पत्रिका में प्रकाशित आलेख :–

धर,अनूप एवं अंजन चक्रवर्ती (2013): कैंब्रिज जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स (भाग–37,अंक–6) में "सोशल फंड्स, पॉवर्टी मैनेजमेंट एंड सब्जेक्टिवेशनः बियॉन्ड दी वर्ल्ड बैंक अप्रोच" आलेख प्रकाशित हुआ।

धर,अनूप एवं ब्यास्देब दासगुप्ता (2013): सेन, सुनंदा एवं अंजन चक्रवर्ती द्वारा सम्पादित पुस्तक 'डेवलपमेंट ऑन ट्रायल : ब्रिन्किंग स्पेस फॉर दी पेरीफेरी' (ओरिएंट ब्लैकस्वान,हैदराबाद) में "वेन आर लिप्स स्पीक जेंडर लेबर टूगेदर" आलेख प्रकाशित हुआ।

धर,अनूप,अंजन चक्रवर्ती एवं प्रतीक्षा बनर्जी (2013): बनर्जी, शर्मीला एवं अंजन चक्रवर्ती द्वारा सम्पादित पुस्तक 'डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटीः इंडिया इन ए ग्लोबल कॉन्टेक्स्ट'(स्प्रिंगर,नई दिल्ली) में "पोलिटिकल इकॉनमी ऑफ मेंटल हेल्थ इन इंडिया" आलेख प्रकाशित हुआ।

धर,अनूप एवं ब्यास्देब दासगुप्ता (2013): सेन, सुनंदा एवं अंजन चक्रवर्ती द्वारा सम्पादित पुस्तक 'डेवलपमेंट ऑन ट्रायल : ब्रिन्किंग स्पेस फॉर दी पेरीफेरी' (ओरिएंट ब्लैकस्वान,हैदराबाद) में "रिथिंकिंग दी इंडियन स्टेट : इन दी कॉन्टेक्स्ट ऑफ दी न्यू इकनोमिक मैप" आलेख प्रकाशित हुआ।

शोध–आलेख :–

नागलिया,शुभ्रा (2013): सेज प्रकाशन की पत्रिका (43,4:641–665) में 'दोज़ हू डिड नॉट डाई : इम्पैक्ट ऑफ दी अमेरिकन क्राइसिस ऑन दी वीमेन इन पंजाब इन सोशल चेंज' (लेखिका – रंजना पधि) पुस्तक समीक्षा प्रकाशित हुई।

वासा,सामिया (2013) : आई.ए.डब्लू.एस न्यज़लेटर के विशेषांक (भाग –3, अंक–1,पृष्ठ सं. 13–17) में "स्टूडेंट पॉलिटिक्स एंड दी क्वेश्चन ऑफ जेंडर" विषय पर शोध–आलेख प्रकाशित हुआ।

————(2013) : 'सेक्सुअलिटी एंड हैरसमेंट : जेंडर पॉलिटिक्स ऑन कैंपस टुडे' (भाग–2,अंक–2–3,त्रैमासिक) समकालीन राजनीति के विस्तृत विवरण में "हेटेरोसेक्सुअलिटी एंड सेक्सुअल वायलेंस" विषय पर शोध–आलेख प्रकाशित हुआ।

धर,अनूप एवं सबाह सिद्दीक़ी (2013): 'दी एनुअल रिव्यु ऑफ क्रिटिकल साइकोलॉजी'(ए. आर.सी.पी) पत्रिका में "एट दी एज ऑफ क्रिटिकल साइकोलॉजी" विषय पर शोध–आलेख प्रकाशित हुआ।

धर,अनूप (2013): 'चर्चा' (भाग–2,अंक–2,जुलाई) पत्रिका में "इन कन्वर्सेशन विद आशीष नंदी" विषय पर शोध आलेख प्रकाशित हुआ।

———(2014) : 'चर्चा' (भाग–1,अंक–3,जनवरी) पत्रिका में "इन कन्वर्सेशन विद आशीष नंदी" विषय पर शोध आलेख प्रकाशित हुआ।

वहाली,एच.ओ(2013): मिश्रा,जी द्वारा सम्पादित पुस्तक 'कल्चर एंड साइकोएनालिसिस' (भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद्, पृष्ठ सं. 243–270) में "फ्रॉम वाइल्ड ग्रासलैंड्स टू नेचरड गार्डन्सः दी इनवर्ड जर्नी इन बुद्धिज़्म, साइकोएनालिसिस एंड इंगेज्ड सोशल एक्टिविज्म" विषय पर शोध आलेख प्रकाशित हुआ।

सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियाँ :–

उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम :– निम्नलिखित संकाय सदस्यों ने उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम में भाग लिया :

डॉ. शुभ्रा नागलिया,इलाहाबाद विश्वविद्यालय,जनवरी 2014

डॉ.रचना चौधरी, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय,नई दिल्ली,दिसम्बर 2013–जनवरी 2014

सुश्री लोवितोली जिमो,जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय,नई दिल्ली, नवम्बर–दिसम्बर 2014

करोल्लिल,ममता एवं शिफा हक़ द्वारा आयोजित (एयूडी क्वीयर कलेक्टिव) :

रितुपर्णो बोराह (निरंतर), अनूप धर एवं रुक्मिणी सेन ने 28 मार्च 2014 को ई–बैंग देबारिश की स्क्रीनिंग पर चर्चा की।

एसएचएस द्वारा 'मुज्जफरनगर में दंगों के बाद पुनर्वास' के लिए क्षेत्र अध्ययन का आयोजन किया गया, जिसमें संकाय के कई सदस्य मौजूद थे।

जनवरी 2014 में आयोजित इंटरनेशनल नॉन–वायलेंट कम्युनिकेशन कन्वोकेशन में विनोद आर द्वारा भाग लिया गया।

आशीष रॉय एवं नीतू सरीन को जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय में 27 से 29 सितम्बर 2013 को आयोजित 'लाइफ–लॉन्ग लर्निंग ऑन जेंडर हार्मोनी' कार्यक्रम के अंतर्गत 'परिवर्तन' के सत्र "कंटेम्पररी जेंडर रिलेशनशिप्स" में आमंत्रित किया गया।

प्रो. हनी ओबेरॉय : जेएनयू में अक्टूबर 2013 को आयोजित "दी प्लेस ऑफ काउन्सलिंग एंड साइकोथेरेपी इन यूनिवर्सिटी कॉन्टेक्स्टः रिफ्लेक्शन्स ऑन सीटिंग–अप ए यूनिवर्सिटी क्लिनिक" में विषय–विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

———: सी.आई.ई में सितम्बर 2013 में आयोजित शिक्षाशास्त्र के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम "मेंटल हेल्थ एंड इमोशनल कंसर्न्स इन एजुकेशन : ए सेशन विद स्कूल टीचर्स में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

———: फोर्टिस अस्पताल एवं एयूडी के मानव अध्ययन शिक्षालय ने मिलकर 19–20 दिसम्बर 2013 को 'मनोविश्लेषण का पहला भारतीय वार्षिक सम्मेलन' आयोजित किया। इस सम्मेलन के सत्र " फ्रॉम वाइल्ड ग्रासलैंड्स टू नेचरड गार्डन्स : दी इनवर्ड जर्नी इन साइकोएनालिसिस, बुद्धिज्म एंड इंगेज्ड सोशल एक्टिविज्म" में इन्हें वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

———: तिब्बत हाउस, आईआईसी दिल्ली द्वारा 18 मई 2013 को आयोजित चर्चा "माइंड,साइकोलॉजी एंड बुद्धिज्म" में आमंत्रित किया गया।

VIII. ललित अध्ययन शिक्षालय :–

शिक्षालय द्वारा आयोजित व्याख्यान / चर्चा / कार्यशालाएँः

समाजशास्त्रीय संकाय ने 5 अप्रैल 2013 को व्याख्यान आयोजित किया, जिसमें वक्ता के रूप में शालिनी भूटानी ने "कृषि का समाजशास्त्र" विषय पर वक्तव्य दिया।

एयूडी की लिटरेरी सोसायटी ने 10 अप्रैल 2013 को चर्चा का आयोजन किया ,जिसमें श्रीमान प्रमेश रत्नाकर (शिव नादर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष) को "सेंचूरियन" विषय पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

सोसायटी ऑफ़ विजुअल सेंटर ने 10 अप्रैल 2013 को दो डॉक्यूमेंट्री फिल्म "लक्ष्मी एंड मी" एवं "सिटी ऑफ़ फोटोज" की स्क्रीनिंग का आयोजन किया, जिसमें निष्ठा जैन (जानी–मानी डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता) को इस पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया।

इतिहास संकाय ने 12 अप्रैल 2013 को गैर–सरकारी संस्था "एकॉस्टिक्स ट्रेडिशनल, बैंगलोर" के सहयोग से एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का संचालन श्रीमान सलिल मुखिया ने किया।

इतिहास संकाय ने अजय भारद्वाज द्वारा निर्मित डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'कित्थे मिल्वे माही' (वेयर दी ट्वेन शेल मीट) की स्क्रीनिंग का आयोजन किया। इस स्क्रीनिंग पर चर्चा की शुरुआत जयति लाल एवं सलिल मिश्र द्वारा की गयी।

अर्थशास्त्र संकाय ने 15 अप्रैल 2013 को विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया, जिसमें प्रो. उत्सा पटनायक (जेएनयू से सेवानिवृत्त) को "कॉजेज़ ऑफ प्रेसिस्टेंट डिस्ट्रेस इन दी इंडियन कंट्रीसाइड" विषय पर वक्तव्य देने के लिए आमंत्रित किया गया।

इतिहास संकाय ने 17 अप्रैल 2013 को एक चर्चा का आयोजन किया, जिसमें विजय प्रसाद को "एग्जिट फ्रॉम निओ–लिबरलिज्मः दी वेंज़ुएला एक्सपेरिमेंट इन पर्सपेक्टिव" विषय पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

इतिहास संकाय ने 9 सितम्बर 2013 को एक व्याख्यान का आयोजन किया जिसमें डॉ. ए. बिमल अकोइजम (जेएनयू के सेंटर फॉर स्टडीज ऑफ सोशल सिस्टम के एसोसिएट प्रोफेसर) को "शक्ति, संस्कृति एवं हाशियाकरण" विषय पर वक्तव्य देने के लिए आमंत्रित किया गया।

हिंदी संकाय ने 10 सितम्बर 2013 को एक व्याख्यान का आयोजन किया, जिसमें डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी (दिल्ली विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त प्रोफ़ेसर) को "आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी और व्योमकेश दरवेश" विषय पर विद्यार्थियों के साथ विचार–विमर्श करने के लिए आमंत्रित किया गया।

अर्थशास्त्र संकाय द्वारा 18 सितम्बर 2013 को 'विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला' के अंतर्गत एक चर्चा का आयोजन किया गया,जिसमें डॉ. आरोण सचनेइदर (डेन्वेर यूनिवर्सिटी के जोसेफ कोर्बेल स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज) को "पोलिटिकल इकॉनमी ऑफ टैक्सः ए स्ट्रक्चरल–पोलिटिकल एनालिसिस ऑफ़ ब्राज़ील एंड इंडिया" विषय पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

इतिहास संकाय ने 4 अक्टूबर 2013 को एक व्याख्यान का आयोजन किया, जिसमें प्रो. एस.बी उपाध्याय (इग्नू) को "प्री– मॉडर्न ट्रेडिशन्स ऑफ इन्वेस्टीगेटिंग दी पास्ट :ग्रीक, मिडिवल,क्रिस्चियन, इस्लामिक" विषय पर वक्तव्य देने के लिए आमंत्रित किया गया।

इतिहास संकाय ने 19 अक्टूबर 2013 को एक व्याख्यान आयोजित किया, जिसमें डॉ. अपर्णा बालाचंद्रन (इतिहास विभाग,दिल्ली विश्वविद्यालय) को "ट्रांजीशन ऑफ मॉडर्न स्टेट इन इंडिया" विषय पर वक्तव्य देने के लिए आमंत्रित किया गया।

समाजशास्त्रीय संकाय ने 5 नवम्बर 2013 को एक चर्चा का आयोजन किया, जिसमें डॉ. डायना फिन्नेगन ('विस्कॉन्सिन–मैडिसन' की शोधार्थी एवं 'हिज होलीनेस दी करमापा' संस्था की सहयोगी) को " कंस्ट्रक्शन ऑफ जेंडर इन दी नैरेटिव्स ऑफ दी लाइव्स ऑफ फीमेल डिसिपल्स ऑफ दी बुद्धा" विषय पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

समाजशास्त्रीय संकाय ने 7 नवम्बर 2014 को शर्मीला रेगे की पुस्तक "अगेंस्ट दी मैडनेस ऑफ मनु" पर सामूहिक चर्चा का आयोजन किया। इस चर्चा में 'नाव्यान' के एस.आनंद एवं प्रो. उमा चक्रवर्ती (इतिहासकार,दिल्ली विश्वविद्यालय) को विचार–विमर्श करने के लिए आमंत्रित किया गया।

इतिहास संकाय ने 10 जनवरी 2014 को एक चर्चा का आयोजन किया जिसमें डॉ. मोहम्मद मेहंदी (ओहटोन,कम्युनिटी कॉलेज,शिकागो,यूएसए) को "दी पॉलिटिक्स ऑफ़ हर्ट रिलीजियस फीलिंग्सः दी माइनॉरिटी एन इमोशनल सब्जेक्ट इन इंडिया" विषय पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया।

अर्थशास्त्र संकाय ने 14,19 एवं 21 मार्च 2014 को तीन व्याख्यान श्रृंखलाओं का आयोजन किया, जिसमें प्रो. प्रभात पटनायक को "मार्क्सवाद" पर वक्तव्य देने के लिए आमंत्रित किया गया।

इतिहास संकाय ने 27 मार्च 2014 को एक व्याख्यान का आयोजन किया, जिसमें प्रो. जेन लुकैस्सेन (इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल हिस्ट्री,एम्स्टरडम) को "लेबर रिलेशंस इन इंडिया बिटवीन 1800–2000" विषय पर वक्तव्य देने के लिए आमंत्रित किया गया।

इतिहास संकाय ने 2014 में दो चर्चाओं का आयोजन किया। 12 फ़रवरी को आयोजित पहली चर्चा में प्रो. रुक्मिणी भाया नायर (प्रसिद्द लेखिका) ने "मैड गर्ल्स लव सोंग्स" विषय पर चर्चा की। दूसरी चर्चा का आयोजन 14 मार्च को हुआ जिसमें प्रो.हरीश नारंग ने " थिंग्स फॉल अपार्ट : दी पोस्ट –कोलोनियल टेक्स्ट एंड कॉन्टेक्स्ट इन अमेरिकन लिटरेचर" विषय पर चर्चा की।

अर्थशास्त्र संकाय ने 28 मार्च 2014 को एक व्याख्यान आयोजित किया जिसमें प्रो. मृत्युंजय मोहंती को "ग्लोबलाइजेशन एंड ग्रोथ ऑफ़ इंडियन इकॉनमी" विषय पर वक्तव्य देने के लिए आमंत्रित किया गया।

पुस्तकें / आलेख / अनुवाद

बनर्जी, अरिंदम (2014): हिराई, तोशियाकी,मारिया मार्कुज्जो एवं पीटर मेहर्लिंग द्वारा संपादित पुस्तक "कीनेसियन रिफ्लेक्शन्स : इफेक्टिव डिमांड, मनी,फाइनेंस एंड पॉलिसीस इन दी क्राइसिस" ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली से 2013 में प्रकाशित हुई। इस पुस्तक की समीक्षा "कीनेस री–इंगेज्ड" शीर्षक से 'दी बुक रिव्यु' (भाग–XXXVIII,अंक–01,जनवरी) पत्रिका में प्रकाशित हुई।

———(2013) : "व्हाट इज कॉज़िंग दी ग्लोबल फूड क्राइसिस?" आलेख www.vikalp.ind.in के नवम्बर अंक में प्रकाशित। वेब लिंक http://www.vikalp.ind.in/2013//2011/what-is-causing-global-food-crisis.html

———(2013): 'इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली'{48(40):73–75} में "दी टेनासिटी ऑफ दी हिन्दू अनडिवाइडेड फॅमिली : जेंडर,रिलिजन एंड टेक्स कन्सेशन्स" आलेख प्रकाशित।

———(2013): 'यूएन वीमेन' (14वें वित्त कमीशन के सन्दर्भ में जेंडर सम्बंधित मुद्दों के लिए परिचालित) के दिसम्बर अंक में "क्वेश्चनिंग दी मैंडेट फॉर दी फौर्टिन्थ फाइनेंस कमीशन" आलेख प्रकाशित।

———(2013): 'दी मार्क्सिस्ट',29(1) के जनवरी–मार्च अंक में "प्लानिंग एंड दी रेजिमे ऑफ कैपिटल इन इंडिया" आलेख प्रकाशित।

———(2013): आई.टी एम्प्लोयीस सेंटर बैंगलोर के समाचार–पत्र (अंक–9, अगस्त–दिसम्बर) में "रिविज़िटिंग इंडियाज़ 'ग्रोथ' स्टोरी" आलेख प्रकाशित।

———(2014): कलकत्ता से प्रकाशित 'संजोग' के जनवरी विशेषांक में "कैपिटलिज्म एंड इकोनॉमिक ग्रोथ इन इण्डिया" आलेख प्रकाशित।

डंगवाल,धीरेन्द्र दत्त (2013): सक्सेना,आशीष द्वारा संपादित पुस्तक 'मार्जिनेलिटी,एक्सक्लूसन एंड सोशल जस्टिस" (रावत प्रकाशन,जयपुर) में "दी गुजर्स,फारेस्ट एंड पास्चर्स : मार्जिनेलाइजेशन ऑफ ए कम्युनिटी इन उत्तराखंड" आलेख प्रकाशित।

वेंकटरमण,गीता (2013): जे.कोरियन मैथ सोसायटी {50,अंक–6} में "ऑन इररेड्यूसिबिलिटी ऑफ़ इनडयूस्ड मोड्यूल्स एंड एन एडॉप्टेशन ऑफ़ दी मैके–विग्नर मेथड ऑफ़ लिटिल ग्रुप्स" आलेख प्रकाशित ।

———(2014): सौटोय,मार्कस डू की पुस्तक 'सिमिट्री : ए जर्नी इनटू दी पैटर्न्स ऑफ नेचर", हार्पर कॉलिंस से 2008 में प्रकाशित हुई। इस पुस्तक की समीक्षा "ऑफ़ मॉन्स्टर्स एंड मूनशाइन" शीर्षक से 'एट राईट एंगल्स' पत्रिका {भाग–3,अंक–1,मार्च) में प्रकाशित।

प्रधान,गोपाल जी (2013): हजारीबाग से प्रकाशित 'प्रसंग' पत्रिका के मई (17–18)अंक में "कॉमरेड विनोद मिश्रा के साथ" संस्मरण प्रकाशित।

———(2013): "भविष्य का वामपंथ", 'सबलोग', आईएसएसएन नं. 2277–5897,4–5 अप्रैल।

———: "लेकिनः फिल्म का यथार्थ", 'समसामयिक सृजन', आईएसएसएन नं.– 2320–5733,अप्रैल–जून,2013

———: "वैकल्पिक नेतृत्व की ज़रूरत", 'सबलोग', आईएसएसएन नं. 2277–5897,अक्टूबर 2013

———: "संसदीय चुनावों में वामदलों की बदलती भूमिका", 'प्रभात खबर', दीपावली विशेषांक,2013

———(2013): "हिंदी में राजनीतिक अर्थशास्त्र के निर्माण की गंभीर कोशिश", 'आलोचना',दिल्ली, आईएसएसएन नं.– 2231–6329, अप्रैल–जून।

———(2014): "औपनेवेशिक अवशेष के भरोसे", 'जनसत्ता',2 फ़रवरी।

———(2014): "मार्क्स–एंगल्स के लेखन से जूझने की कोशिशें और नया समय", 'पहल', 95, फ़रवरी।

———(2014): "कांग्रेस की यह बदहाली", 'सबलोग', आईएसएसएन नं. 2277–5897,मार्च।

———(2014): "उपन्यास की शक्ल में उपनिवेशवाद–विरोधी विमर्श","लमही',लखनऊ , आईएसएसएन नं.–2278–554ग, जनवरी–मार्च।

———(2014): "उत्तरायण : एक साहसी तलाश", 'समीक्षा', जनवरी–मार्च।

गोस्वामी,प्रणय,आर.एस दुबे एवं एफबीएम बेल्गाकेम (2014): 'जर्नल ऑफ़ फ्रैक्शनल कैलकुलस एंड एप्लीकेशन्स {5(2):52–58}में "जनरलाइज्ड टाइम–फ्रैक्शनल टेलीग्राफ इक्वेशन एनालिटिकल सोल्यूशन बाय सुम्दु एंड फौरिएर ट्रांस्फोर्म्स" आलेख प्रकाशित।

गोस्वामी,प्रणय, जे सोकोल, एन सरकार एवं जे द्ज़ेक (2013): 'तमकंग जर्नल ऑफ़

मैथमेटिक्स' {44(1):61–71} में "ऑन सर्टेन सबोर्डीनेशन फॉर मल्टीवलेंट एनेलैटिक फंक्शन्स एसोसिएटेड विद राइट जनरलाइज्ड हाइपरजेओमेट्रिक फंक्शन" आलेख प्रकाशित।

गोस्वामी,प्रणय,एस पी गोयल, एस के बंसल एवं जहि–गैंग वैंग (2013): 'जर्नल ऑफ़ मैथमेटिक्स एंड एप्लीकेशन्स' {36:71–80} में "कांवोलुशन प्रॉपर्टीज ऑफ सबक्लासेज ऑफ एनालिटिक फंक्शन्स एसोसिएटेड विद दी दज़ोक–श्रीवास्तव ऑपरेटर" आलेख प्रकाशित।

गोस्वामी,प्रणय एवं सराप बुलूत (2013): 'साउथईस्ट एशियन बुलेटिन ऑफ़ मैथमेटिकल साइंसेज' {37 (5):723–730} में "स्टारलाइकनेस प्रॉपर्टीज ऑफ जनरल इंटीग्रल ऑपरेटर फॉर मेरोमार्फिक यूनिवलेंट फंक्शन्स" आलेख प्रकाशित।

गोस्वामी, प्रणय एवं भावना शर्मा (2013) : 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ नॉनलीनियर साइंस' {16(1):12–16} में 'मेजराईजेशन फॉर सर्टेन क्लासेज ऑफ एनालिटिक फंक्शन्स डिफाइंड बाय जनरलाइज्ड फ्रैक्शनल कैलकुलस ऑपरेटर्स" आलेख प्रकाशित।

सांकृत,सत्यकेतु (2013): "हिंदी कथा साहित्य :एक दृष्टि", राधाकृष्णन प्रकाशन,दिल्ली।

———"कवि और कर्मयोगी", 'अनन्या' (शोध–पत्रिका),आईएसएसएन नं.2250 –1207, जुलाई 2012– जून 2013

———(2013): "प्रवासी साहित्य में अस्मिता निर्मिति के सूत्र", 'समसामयिक सृजन', आईएसएसएन नं– 2320–5733,अप्रैल–जून।

———(2013): "बाबू जी की राम कहानी", 'समसामयिक सृजन', आईएसएसएन नं– 2320–5733,जुलाई–सितम्बर।

मेनन,शैलजा (2013): 'वर्ल्ड फोकस' के अप्रैल विशेषांक में "दी अम्बेडकराइट आइडियोलॉजी एंड दी इंडियन कांस्टीट्यूशंस, डॉ. बी.आर अम्बेडकर एंड सोशल जस्टिस : ए नेशनल एंड ग्लोबल पर्सपेक्टिव" आलेख प्रकाशित (आईएसएसएन नं– 2230–8458)

मेनन,शैलजा एवं एन सुकुमार (2013): ठाकुर,महिंद्र एंड धनंजय राय द्वारा सम्पादित पुस्तक "डेमोक्रेसी ऑन दी मूव? रिफ्लेक्शन्स ऑन मूमेंट्स, प्रोमिसेस एंड कंट्राडिक्शन्स" (आईएसबीएन नं. 978–93–5002–218–4) आकार बुक्स, नई दिल्ली से प्रकाशित हुई, जिसमें 'दी ओल्ड मैन एंड दी सी ऑफ ट्रबल्स' शीर्षक से आलेख प्रकाशित हुआ।

———(2013): 'सोशल चेंज' पत्रिका सामाजिक विकास परिषद् एवं सेज प्रकाशन से प्रकाशित हुई जिसमें "दी सिस्मिसिटी ऑफ लिकर इन आंध्र प्रदेश" शीर्षक से आलेख प्रकाशित हुआ (भाग–23, अंक–4, दिसम्बर, आईएसएसएन नं–0049–0857)

———(2014): "दी मैन्युफैक्चर्ड मेनडेट एंड दी कलेक्टिव स्कीम ऑफ़ 2014" शीर्षक से लेख वेब पत्रिका के मई अंक में प्रकाशित। लिंक –http://roundtableindia.co.in/index.php?option=com_content&view=article&id=7475:the-manufactured-mandate-and-the-collective-shame-of-2014&catid=119:feature&Itemid=132

———(2014): "ब्रम्हिकल कोर्ट्स एंड दी डेथ ऑफ़ जस्टिस" शीर्षक से लेख वेब–पत्रिका के अप्रैल अंक में प्रकाशित। लिंक –http://roundtableindia-co.in/index.php?option=com_content&view=aticle&id=7393:brahmanical-courts-and-the-death-of-justice&catid=119:feature&Itemid=132

———(2014): "फेंसिंग दी हिन्दू : दी लक्ष्मण–रेखा ओवर फूड" शीर्षक से लेख वेब–पत्रिका के अप्रैल अंक में प्रकाशित हुआ। लिंक –http://roundtableindia.co.in/index.php?option=com_content&view=aticle&id=7372:fencing-the-hindu-the-laxman-rekha-over-food&catid=119:feature&Itemid=132

———(2014): "कल्चरल फासिज्म एंड दी डेथ ऑफ़ दी रिपब्लिक" शीर्षक से लेख वेब–पत्रिका के फ़रवरी अंक में प्रकाशित हुआ। लिंक –http://roundtableindia.co.in?index.php?option=com_content&view=aticle&id=7206:cultural-fascism-and-the-death-of-the-republic&catid=119:feature&Itemid=132

———(2014)– "पल्यूटेड माइंड्स एंड 'गॉड्स' ओन कंट्री" शीर्षक से लेख वेब–पत्रिका के जनवरी अंक में प्रकाशित। लिंक –http://roundtableindia.co.in?index.php?option=com_content&view=aticle&id=7179:polluted-minds-and-god-s-own-country&catid=119:feature&Itemid=132

नाइट,डी.के (2014): 'साउथ–अफ्रीकन हिस्टोरिकल जर्नल" {भाग–66,अंक–1, जनवरी,122–141} में "शेयरिंग लाइफ–हिस्ट्री एंड अदर मेमोरी : दी माइनिंग पर्सन्स इन साउथ अफ्रीका, 1951–2011" शीर्षक से आलेख प्रकाशित।

———(2014): 'स्टडीज इन हिस्ट्री' {भाग–30,अंक–1, फ़रवरी,55–87} में "रिप्रोडक्शन प्रीफेरेंसेस एंड वजेस : दी माइनवर्कर इन दी झरिया कोलफील्ड 1895–1970" शीर्षक आलेख प्रकाशित।

———(2014): लहरी,के दत्त द्वारा सम्पादित पुस्तक 'दी कोल नेशन : हिस्ट्रीज़, कल्चर्स एंड इकोलॉजीज़ ऑफ कोल इन इंडिया' अश्गटे प्रकाशन (आईएसबीएन नं. –978–1–4724–2470–9) से इंग्लैंड में प्रकाशित हुई, जिसमें "स्लॉटर माइनिंग एंड यिएल्डिंग कोल्लिएर्स : झरिया कोलफील्ड्स, 1895–1946" शीर्षक से आलेख प्रकाशित हुआ।

———(2014): एलेग्जेंडर, पीटर, टी. लेक्गोवा, बी. म्मोपे, एल, सिंवेल्ल एवं बी क्सेज्वी द्वारा लिखित पुस्तक 'मरीकानाः ए व्यू फ्रॉम दी माउंटेन एंड ए केस टू आंसर' जकाना मीडिया (आईएसबीएन नं. 978–1–4312–0733–0) जोहान्सबर्ग से 2013 में प्रकाशित हुई। इसकी समीक्षा "इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली" {भाग–XLIX, अंक–15,अप्रैल–12} में प्रकाशित हुई।

———(2013): "दी वर्ल्ड ऑफ़ लास्कार्स" शीर्षक से आलेख 'इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली' {भाग–XLVIII,अंक–34,अगस्त–24} पत्रिका में प्रकाशित हुआ।

———(2013) : "शोकेसिंग ए प्रोलेटेरियन पास्ट : दी प्राग कम्युनिस्ट म्यूजियम" शीर्षक से आलेख 'इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली'{भाग–ग्स्टप्प्,अंक–48,नवम्बर–30} पत्रिका में प्रकाशित हुआ।

———(2014): "रूर माइनिंग म्यूजियम : एन इंस्टिट्यूशन ऑफ दी पोस्ट–इंडस्ट्रियल सोसायटी" शीर्षक से आलेख 'इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली' {भाग–XLIX,अंक–2,जनवरी} पत्रिका में प्रकाशित हुआ।

कोठियाल,तनुजा (2013): "ए मेंटल प्रोग्राम ऑफ़ दी मिडिवल इंडियन" शीर्षक से पुस्तक समीक्षा 'ईपीडब्लू' {भाग–XLVIII,अंक –37,14 सितम्बर} वेब –पत्रिका में प्रकाशित हुई। लिंक–http://www.epw.in/book-reviews/mental-programme-medieval-indian.html

मुदिगंती,उषा (2013): 8 से 13 सितम्बर को नई दिल्ली में आयोजित 13वें अंतरराष्ट्रीय प्रग्मेटिक्स सम्मेलन में 10 सितम्बर को "वर्चुअल रियलिटी एंड दी न्यू हीरो इन चिल्ड्रेन्स लिटरेचर" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

ठाकुर, विक्रम सिंह (2014): डिओंने, क्रैग एवं परमिता कपाड़िया द्वारा सम्पादित पुस्तक "बॉलीवुड शेक्सपीयर्स" पाल्ग्रेव मेकमिलन,न्यूयॉर्क से प्रकाशित हुई ,जिसमें 'पारसी शेक्सपियरः दी प्रिकर्सर टू बॉलीवुड शेक्सपियर' (पृष्ठ संख्या–21–43) शीर्षक से आलेख प्रकाशित हुआ।

———(2014): ऑस्ट्रेलियन एंड न्यूजीलैंड शेक्सपीयर एसोसिएशन कांफ्रेंस (टूवूम्बा), ऑस्ट्रेलिया ने 12 वें बेनियल सम्मेलन "शेक्सपीयरियन परसेप्शन्स" का आयोजन किया, जिसमें " दी पॉलिटिक्स ऑफ परफोर्मिंग शेक्सपीयर इन कंटेम्पररी इंडिया : ए स्टडी ऑफ़ एम,के रैनाज़ बादशाह पाथेर (किंग लीअर) एंड लोकेन्द्र अरम्बम्स मैकबेथरू स्टेज ऑफ़ ब्लड" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया गया।

शर्मा,संजय एवं सुरजीत सरकार (2014): क्लौड, अल्वरेस द्वारा सम्पादित पुस्तक 'मल्टीकल्चरल नॉलेज एंड दी यूनिवर्सिटी, मल्टीवेर्सिटी एंड सिटीजन्स इंटरनेशनल' (गोवा एवं पेनंग, मलेशिया, पृष्ठ संख्याः 259 –267) में "इनिशिएटिव्स विद कम्युनिटी नॉलेज सिस्टम्स इन ए सोशल साइंस यूनिवर्सिटी", शीर्षक से आलेख प्रकाशित हुआ।

मिश्र,सलिल (2013): एस. हसनैन, इम्तियाज़ द्वारा सम्पादित पुस्तक 'ऑल्टरनेट वॉइसेस : (रि) सर्चिंग, लैंग्वेज, कल्चर, आइडेंटिटी" कैंब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यू.के से प्रकाशित हुई, जिसमें 'क्रिएशन ऑफ़ सेपरेट लिंगुअस्टिक आइडेंटिटीज़ : हिंदी–उर्दू–हिन्दुस्तानी' शीर्षक से आलेख प्रकाशित हुआ।

व्याख्यान / संगोष्ठी / सम्मेलन

बनर्जी,अरिंदम (2014): कृषि अध्ययन संस्थान, कोच्ची के 10वें वर्षगांठ सम्मेलन (9–12 जनवरी) में "फ्रॉम अग्रेरियन क्राइसिस टू फूड क्राइसिस : इन्टेरोगेटिंग सम ग्लोबल इंटर–लिंकेजेज़" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2014): आर्ट्स फैकल्टी एवं ऑस्ट्रेलिया इंडिया इंस्टिट्यूट, मेलबोर्न विश्वविद्यालय तथा विकास अध्ययन संस्थान एवं भारतीय प्रबंधन संस्थान (कलकत्ता) के सहयोग द्वारा कलकत्ता में 4–6 मार्च को 'दी रिटर्न ऑफ़ दी लैंड क्वेश्चन : डिस्पोससेशन,लाइवलीहूड्स एंड कांटेस्टेशन इन इंडियास कैपिटलिस्ट ट्रांजीशन' विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में "पीज़ंट क्लासेज, अक्यूमुलेशन एंड अग्रेरियन क्राइसिस इन इंडियाः लोकेटिंग लैंड क्वेश्चन विदिन दी अग्रेरियन क्वेश्चन" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

————(2014): भारत पर्यावास केंद्र के बजट एंड गवर्नेंस अकाउंटेबिलिटी सेंटर,नई दिल्ली द्वारा 25 मार्च को 'इनइक्वेलिटी इन इंडिया : मेजर डाइमेंशन्स एंड पालिसी चैलेंजेज" विषय पर राष्ट्रीय परामर्श सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसके 'लैंड लाइट्स एंड एक्सेस टू जस्टिस" सत्र में इन्हें पैनल सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

————(2013): ट्रेड एंड इंडस्ट्री डिपार्टमेंट, रिपब्लिक ऑफ साउथ अफ्रीका एवं इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, जोहान्सबर्ग, साउथ अफ्रीका द्वारा 2–14 सितम्बर को आयोजित "दी अफ्रीकन प्रोग्राम ऑन रिथिंकिंग इकनोमिक डेवलपमेंट (ए.पी.ओ.आर.डी.ई)" कार्यशाला में इनकी भागीदारी रही।

गुप्ता,चिरश्री दास (2014): लक्ष्मीबाई महाविद्यालय में 5 मार्च को आयोजित 'जेंडर एवं असमानता' संगोष्ठी में इन्होनें "जेंडर, संपत्ति और असमानता" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

————(2014): भारतीय इस्लामिक केंद्र, नई दिल्ली, ऑक्सफेम इंडिया एवं सी.बी.जी.ए इण्डिया द्वारा 15–16 जनवरी को "ग्लोबल पालिसीमेकिंग आर्किटेक्चर एंड अपारच्यूनिटीस फॉर एडवोकेसी इन ग्लोबल प्लेटफॉर्म्स" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में "पुटिंग इनइक्वेलिटी इन पर्सपेक्टिव" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

————(2013): बजट एंड गवर्नेंस अकाउंटेबिलिटी सेंटर,नई दिल्ली द्वारा 25–26 नवम्बर को आयोजित "टैक्स पॉलिसीस एंड डेवलपमेंट : चैलेंजेज एंड इमर्जिंग अपारच्यूनीटीस" राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फ्रॉम वैट टू जीएसटी (GST): एविडेंस एंड इश्यूज फ्रॉम बिहार' विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

————(2013): पब्लिक पालिसी सेंटर, आई.आई.एम बैंगलोर द्वारा 12–14 अगस्त को आयोजित 'पब्लिक पालिसी एंड मैनेजमेंट: इंफ्रास्ट्रक्चर हार्ड एंड सॉफ्ट' 8 वें अंतरराष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में " रोल ऑफ आईसीटी इन इम्प्रूविंग दी क्वालिटी ऑफ़ स्कूल एजुकेशन इन बिहार" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

————(2013): यू एन वीमेन इंडिया, नई दिल्ली द्वारा 29 जुलाई को आयोजित "फोर्टिन्थ फाइनेंस कमीशन : फोरग्राउंडिंग इश्यूज एंड पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम ए जेंडर लेंस" में 'क्वेश्चनिंग दी मैंडेट ऑफ दी फोर्टिन्थ फाइनेंस कमीशन' विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2013): 14 वें वित्त आयोग, दिल्ली द्वारा 15 मई को आयोजित 'सी.बी.जी.ए' राष्ट्रीय संगोष्ठी में "14 वें वित्त आयोग की चुनौतियाँ एवं मुद्दे" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2013): सौंदर्या विग्नाना केन्द्रम, हैदराबाद द्वारा 4–6 मई को आयोजित 'इंडिया टुडे : लुकिंग बैक लुकिंग फॉरवर्ड' राष्ट्रीय संगोष्ठी में " प्लानिंग एंड दी रेजीम ऑफ कैपिटल इन इण्डिया" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2013): जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय की इंडियन सोसायटी ऑफ़ लेबर इकोनॉमिक्स द्वारा 16–18 दिसम्बर को अंतरराष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में इन्होनें "लेबर रेगुलेशन इन इंडियन इंडस्ट्री" विषय पर चर्चा की।

———(2013): महिला विकास अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली द्वारा 26–27 अप्रैल को आयोजित 'विमेंस वर्क, एम्प्लॉयमेंट एंड दी इंडियन इकॉनमी' कार्यशाला में " अग्रेरियन क्वेश्चन एंड विमेंस वर्क" विषय पर चर्चा की।

———(2014): सी.बी.जी.ए दिल्ली एवं ऑक्सफेम इंडिया द्वारा 25 मार्च को भारत पर्यावास केंद्र में आयोजित सम्मेलन में "इनइक्वेलिटी इन इंडिया एंड ग्लोबल कैपिटलिज्म" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

———(2013–2016): "दी स्टेट, ग्लोबलाईज़ेशन एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट इन इंडिया : दी पोलिटिकल इकॉनमी ऑफ़ रेगुलेशन एंड डीरेगुलेशन" सहयोगी अनुसंधान परियोजना में कार्यरत। इस अनुसंधान परियोजना का आयोजन 'नार्वेजियन इंस्ट्टिट्यूट ऑफ़ इंटरनेशनल अफेयर्स (एन.यू.पी.आई), आईआईएम कलकत्ता' ने 'भारत रत्न डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली' के सहयोग से किया है। वर्तमान में यह परियोजना जारी है। 2016 तक इस परियोजना के पूरे होने की सम्भावना है।

वेंकटरमण,गीता (2014): कोलम्बो, श्रीलंका में मार्च में आयोजित "डेंजरस डेमोग्राफिस– वीमेन, लीडरशिप एंड दी लूमिंग क्राइसिस इन हायर एजुकेशन" नामक ब्रिटिश काउंसिल्स साउथ एशिया डायलॉग सीरीज में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

———(2014): हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मार्च में आयोजित 'एडवांसेज इन मैथमेटिक्स' राष्ट्रीय सम्मेलन में "एनुमेरेशन ऑफ़ फिनिटी ग्रुप्स – ए ब्रीफ सर्वे" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2014): मार्च में आयोजित 'जेंडर नॉलेज : अंडरस्टैंडिंग जेंडर–क्वेश्चन्स ऑफ़ जस्टिस एंड फ्रीडम' अकादमिक सम्मेलन में "वीमेन एंड मैथमेटिक्स : देन एंड नाउ" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2013): लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राथमिक शिक्षा विभाग ने अक्टूबर में गणित शिक्षकों एवं शिक्षक–प्रशिक्षकों के लिए 'टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन्स इन दी मैथमेटिक्स क्लासरूम' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में इन्हें "मेज़रिंग सिमिट्री : एन इंट्रोडक्शन ऑफ़ ग्रुप्स" विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

———(2013): फोर्ड फाउंडेशन, दिल्ली द्वारा अगस्त में आयोजित उच्च शिक्षा के दक्षिण–एशियाई सम्मेलन में "विज्ञान शिक्षा" विषय पर परिचर्चा के लिए पैनल सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

———(2014): आई.आई.एस.ई.आर पुणे में आयोजित 'इंडियन वीमेन इन मैथमेटिक्स 2013' सम्मेलन (जुलाई) में "काउंटिंग फिनिटी ग्रुप्स" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2013): राष्ट्रीय उच्च गणितीय बोर्ड, भारत सरकार द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय (जून) में आयोजित ' दी एडवांस ट्रेनिंग स्कूल फॉर मैथमेटिक्स लेक्चर्स' सम्मेलन में "एन्यूमेरेशन ऑफ़ फिनिटी ग्रुप्स : फ्रॉम होल्डर टू ओपन क्वेश्चन्स" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रधान, गोपाल जी (2013): महिला देव समाज कॉलेज, फिरोजपुर, पंजाब में 30 अक्टूबर को "प्रतिरोध,नेतृत्व एवं युवा राजनीति" विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2013): दिल्ली विश्वविद्यालय के देशबंधु कॉलेज में 6 नवम्बर को आयोजित सम्मेलन में पैनल सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया। इस सम्मेलन में "विमर्शों के दौर में भक्ति–साहित्य" विषय पर इन्होंने व्याख्यान भी प्रस्तुत किया।

———(2014): एयूडी में 21–22 जनवरी को 'प्रवासी हिंदी साहित्य' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के कई सत्रों का संचालन किया एवं इस संगोष्ठी के संयोजक भी रहे।

———(2014): इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय,अमरकंटक के हिंदी विभाग एवं केंद्रीय हिंदी निदेशालय ने मिलकर 24–25 फ़रवरी को 'हिंदी नवजागरण

और रामविलास शर्मा" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी में इनके द्वारा "रामविलास शर्मा और हिंदी नवजागरण" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया गया।

———(2014): सधौरा,यमुना नगर, हरियाणा के डी.ए.वी कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा 4–5 मार्च को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'हिंदी संत काव्य में व्यक्त मानवतावादी चेतना' का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में इन्होनें "संत साहित्य के अध्ययन की समस्याएं" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2014): डी.डी.यू गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिंदी, आधुनिक भारतीय भाषा एवं पत्रकारिता विभाग ने मिलकर 26 –27 मार्च को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'समकालीन विमर्श और हिंदी साहित्य' का आयोजन किया। इस संगोष्ठी का प्रायोजन यूजीसी द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी में इन्होनें "भूमंडलीकरण का यथार्थ और हिंदी साहित्य" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

गोस्वामी,प्रणय (2013): एमएनआईटी,जयपुर में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "स्पेशल फंक्शन्स एंड एप्लीकेशन्स (आईसीएसएफए)–2013" में शोध–पत्र प्रस्तुत किया गया।

———(2013): जामिया मिलिया इस्लामिया,दिल्ली के डॉ. के.आर नारायण सेंटर फॉर दलित एंड माइनोरिटिज़ स्टडीज द्वारा 19–20 नवम्बर को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में इन्हें "बिटवीन दी डेविल एंड दी डिवाइन : एक्सप्लोरिंग दी कास्ट–रिलिजन डायनामिक्स अमंग दी रविदासिज़ ऑफ़ पंजाब" विषय पर पैनल सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

———(फरवरी 2014 से शुरू) : यूरोपियन कमीशन के सहयोग से जारी ऑक्सफेम इंडिया परियोजना "टाइम यूज़ एस ए मार्किट ऑफ़ इनइक्वलिटी इन इंडिया" के सलाहकार (अनुसंधान) के रूप में कार्यरत। इस अध्ययन के द्वारा एक ही समय पर विभिन्न सामाजिक समूहों एवं स्थानों की विभिन्नताओं का आकलन किया गया। यह अध्ययन दिल्ली, उत्तर–प्रदेश एवं उड़ीसा जैसे विभिन्न पांच स्थानों पर संचालित किया गया।

सांकृत,सत्यकेतु (2013): कमला नेहरु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 5 अप्रैल को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'संस्कृति–संक्रमण और नवें दशक के बाद के उपन्यास' में "भूमंडलीकरण और उपन्यासों में सांस्कृतिक बदलाव" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया गया।

———(2013): अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल में 6–7 जून को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2013): जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य–प्रदेश के हिंदी विभाग में 30–31 अगस्त को "प्रयोगवादी कवि अज्ञेय" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2014): आर्य महिला पी.जी.कॉलेज,वाराणसी के हिंदी विभाग में 22–23 मार्च को "साहित्य,कला और संस्कृतिः मध्ययुगीन समाज" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2014): चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ के हिंदी विभाग में 29–30 मार्च को "समकालीन चुनौतियां और हिंदी कविता का युवा स्वर" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2014): डी.ए.वी महिला कॉलेज,यमुना नगर,हरियाणा में 17–18 जनवरी को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी ' प्रवासी साहित्य में आधी–आबादी की भागीदारी' में विशिष्ट अथिति के रूप में आमंत्रित किया गया।

मेनन,शैलजा (2014): दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में 29 मार्च को स्नातकोत्तर विद्यार्थियों (एम.ए. राजनीति विज्ञान) के लिए "बॉडी एंड स्टिग्मा" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2014): दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में 27 मार्च को "दी रिप्रोडक्टिव बॉडी एंड इट्स क्लैम्नट्स" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2014): दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में 21–24 मार्च को अनुसंधान प्रविधियों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2014): दिल्ली विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र में 13 मार्च को जेंडर अध्ययन के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए " दी बॉडी एंड रिप्रोडक्शन" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2014): दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में 15 अक्टूबर को एम.फिल विद्यार्थियों के लिए "एथनोग्राफी : क्वालिटेटिव रिसर्च मेथड्स" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया।

———(2014): दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 28 फ़रवरी–1 मार्च को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी " स्टेट एंड

डेमोक्रेसी इन साउथ एशिया" में 'नो मैन्स लैंड ! वेयर डू दे बिलोंग?' विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

————(2013): दिल्ली विश्वविद्यालय के आधुनिक भारतीय भाषा एवं साहित्यिक अध्ययन विभाग तथा राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 6–7 नवम्बर को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'कोर्टिनेन्स इन इंडियन लिटरेरी ट्रेडिशन विद स्पेशल रिफरेन्स टू तेलगु लिटरेचर एंड कल्चर' में "बेंगलोर नगरतन्म्मा : ए लाइफ लेस आर्डिनरी" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

चौधरी, सयन्देब (2013): बिर्कबेक्क कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ़ लन्दन के बिर्कबेक्क इंस्टि्ट्यूट फॉर दी ह्यूमैनिटीस द्वारा 1–12 जुलाई को लन्दन क्रिटिकल थ्योरी समर स्कूल में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया।

————(2013): ओयूपी जर्नल स्क्रीन एवं ग्लास्गो विश्वविद्यालय ने मिलकर 28–30 जून को स्क्रीन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में "दी मेकिंग ऑफ़ कलकत्ता ऐज ए सिनेमेटिक सिटी" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

————(2013): ग्लोबल स्टडीज जर्नल एवं अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली ने मिलकर 5–7 सितम्बर को ग्लोबल स्टडीज कांफ्रेंस का आयोजन किया। इस कांफ्रेंस में "अक्रॉस दी वायलेंट सीज़ : अपर्णा सेन्स युगांत एंड दी फर्टिव अराइवल ऑफ़ ग्लोबलाइजेशन इन बंगाली सिनेमा" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

कोठियाल, तनूजा (2014): फ़िलेडैल्फ़िया, यूएसए में 27–30 से मार्च को आयोजित एसोसिएशन ऑफ़ एशियन स्टडीज के वार्षिक सम्मेलन में "रीजन्स, फ्रंटियर्स एंड मोबिलिटीज़ : नोमेडिक नैरेटिव्स इन दी थार डिजर्ट" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

————(2014): यूजीसी एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने मिलकर राष्ट्रीय संगोष्ठी "इंटरसेक्शन्स : हिस्ट्री एंड लिटरेचर" का प्रायोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड कॉमर्स में 11–12 मार्च को किया। इस संगोष्ठी में 'रि–अप्रोप्रिएटिंग पाबूजी : हिस्ट्री, मेमोरी एंड आइडेंटिटी इन ए राजपूत एपिक' विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया गया।

मुदिगंती,उषा (2013): 10 सितम्बर को 13वें अंतरराष्ट्रीय प्रैग्मेटिक्स सम्मेलन (3 दिवसीय),नई दिल्ली में "वर्चुअल रियलिटी एंड दी न्यू हीरो इन चिल्ड्रेन्स लिटरेचर" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

———(2013): रामजस कॉलेज के अंग्रेजी संकाय ने 25 सितम्बर को " दी ट्रोप ऑफ दी चाइल्ड इन दी विक्टोरियन ऐज" विषय पर परिचर्चा के लिए आमंत्रित किया।

शर्मा,संजय कुमार (2013): नेहरु स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय में 16 दिसम्बर को "खैरात, जन–कल्याण और औपनिवेशिक राज्य : उत्तर भारत के अकालों के सन्दर्भ में" विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अन्य गतिविधियों के लिए संकाय द्वारा प्राप्त सम्मान

वेंकटरमण,गीता (2012–14): टेक्नोलॉजी विज़न 2035–एजुकेशन सेक्टर (टीआईएफएसी, भारत सरकार) की सलाहकार समिति की सदस्य।

———(2012–14) : लिटिल मैथमेटिकल ट्रेसर्स, रामानुजन मैथमेटिकल सोसायटी के सम्पादकीय–मंडल की सदस्य।

———(2013–18) : नेशनल बोर्ड ऑफ हायर मैथमेटिक्स, डीएई, भारत सरकार द्वारा इन्हें "इंडियन वीमेन एंड मैथमेटिक्स" परियोजना की नार्थ जोन कमेटी की सदस्य नियुक्त किया गया।

मेनन,शैलजा (2014) : दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग ने इन्हें 20–30 मार्च को माननीय अथिति अध्येता के रूप में आमंत्रित किया।

IX. स्नातक अध्ययन शिक्षालय

एसयूएस संकाय का योगदान

एसयूएस संकाय में स्थायी सदस्य नहीं है। हालाँकि, अल्प संख्या में अकादमिक फेलो एसयूएस से जुड़े हुए हैं, लेकिन एयूडी के प्रत्येक संकाय के सदस्य से ये उम्मीद की जाती है कि वह एसयूएस के सभी कार्यों में अपना योगदान दें।

एसयूएस द्वारा समर्थित कार्यक्रम / कार्यशाला / परिचर्चा / क्षेत्र–भ्रमण

एसयूएस के छात्र एयूडी की सभी गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन 2013–14 में किया गया –

गणित संकाय द्वारा 15–19 जुलाई 2013 को स्नातक कार्यक्रम के लिए "सी.. प्रोग्रामिंग लैंग्वेज" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

गणित संकाय द्वारा 14 अगस्त 2013 को प्रो. सुदेष्ण बासु (गणित विभाग, जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय, वाशिंगटन डी.सी, यूएसए) के व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इतिहास संकाय एवं सामुदायिक ज्ञान केंद्र ने मिलकर 23 अक्टूबर 2013 को "दिल्ली की यादें : ओरल नैरेटिव अबाउट कश्मीरी गेट, चांदनी चौक एंड दरिया गंज" विषय के अंतर्गत द्वि– व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। इस श्रृंखला में वक्ता के रूप में श्रीमान आर.वी स्मिथ एवं श्रीमान लाला नारायण प्रसाद को आमंत्रित किया गया।

इतिहास संकाय ने 29 अक्टूबर 2013 को मेरठ (हेडक्वार्टर ऑफ़ दी ओनली कैवलरी रेजिमेंट ऑफ़ इंडियन आर्मी) से "जेम्स स्किनर एंड दी रेजिमेंट" से सम्बंधित आंकडें एकत्रित करने के लिए क्षेत्र– भ्रमण का आयोजन किया।

X. सामुदायिक ज्ञान केंद्र
सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / शोध–पत्र एवं प्रकाशन

एयूडी के प्रकाशन

सी.सी.के ,टाइम, स्पेस, डायरेक्शन (अक्टूबर 2013–मार्च 2014): तीन पेपर सहित कार्टोग्राफ़िक प्रदर्शनी की एक सूची जिसमें चित्रों के साथ–साथ सभी नक्शे एवं शीर्षक सहित व्याख्यात्मक नोट शामिल थे।

सरकार, सुरजीत एवं धारित्री नार्ज़री चक्रवर्ती : उत्तर–पूर्व मंच के सदस्यों द्वारा भौतिक–सांस्कृतिक एवं सामुदायिक ज्ञान पर किये गए अनुसंधान से सम्बंधित " आइडेंटिटीस, ऑब्जेक्टिव्स, मीनिंग्सः इनसाइडर पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम नार्थ ईस्ट इंडिया" संकलन, आईएसबीएन नं.– 978–81–929849–0–2

बाह्य प्रकाशक :–

सरकार,सुरजीत एवं संजय शर्मा (2014) : अल्वरेस, क्लाउड द्वारा संपादित पुस्तक 'मल्टीकल्चरल नॉलेज एंड दी यूनिवर्सिटी' (मल्टीवेर्सिटी, इंडिया एवं सिटीजन्स इंटरनेशनल, पेनंग) में " इनिशिएटिव्स विद कम्युनिटी नॉलेज सिस्टम्स इन ए सोशल साइंस यूनिवर्सिटी" शीर्षक से आलेख प्रकाशित।

सरकार,सुरजीत (2013): म्यूजियम एंथ्रोपोलॉजी रिव्यु {भाग–7, (1–2)} में "आर्ट्स, एक्टिविज्म, एथनोग्राफी – कटपुलट आर्ट्स कारवां 2004–2010" शीर्षक से आलेख प्रकाशित।

सम्मेलन / प्रस्तुति

सुरजीत सरकार जून 2013 में ओरल हिस्टोरियंस एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया, बैंगलोर के कार्यकारी सदस्य चुने गए।

XI. मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र (सीपीसीआर)

कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी

मनोचिकित्सक यूनिट, फोर्टिस हॉस्पिटल, गुडगाँव ने दिसम्बर 2013 को "साइकोएनालिसिस,कल्चर एंड रिलिजन" विषय पर पहला वार्षिक मनोचिकित्सक सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में तीन एम.फिल छात्रों एवं तीन संकाय सदस्यों ने अपने शोध–पत्र प्रस्तुत किये।

एयूडी में अक्टूबर 2013 को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम 'आवाज़ का आयोजन हुआ। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय विद्यालयों में कार्यशाला के साथ– साथ परिचर्चा, शोध पत्र प्रस्तुतीकरण एवं फिल्म स्क्रीनिंग जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया।

'मस्कुलिनिटीस' कार्यशाला के अंतर्गत चार फिल्मों की स्क्रीनिंग की गयी जिस पर परिचर्चा का आयोजन किया गया।

'एहसास' एवं 'एआरए लीगल एड' मिलकर भारत में शरणार्थियों के लिए आश्रय–स्थल की व्यवस्था करते हैं। इस गठबंधन का लक्ष्य राजनीतिक अशांति, हिंसा, बलात्कार एवं बेघर हुए मानसिक आघात से पीड़ित शरणार्थियों की मदद करना है। साथ ही इन्हें किसी मान्यता प्राप्त राजनीतिक आश्रय स्थल में जीवन की पुनः शुरुआत करने के मौके भी दिए जा रहे हैं।

2013–2014 में शुरू की गयी परियोजनाएं :–

2014 की शुरुआत में महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केन्द्रित करके एक समुदाय आधारित परियोजना शुरू की गयी। यह परियोजना जामा मस्जिद एवं चांदनी चौक के आस–पास के समुदायों पर आधारित है। साथ ही इन क्षेत्रों में इस परियोजना का सरकार द्वारा संचालित समन्वित बाल विकास योजना (आईसीडीएस) से सम्बन्ध भी है।

'प्रयोगात्मक कार्य समूह' एयूडी के सफाई कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य से सम्बंधित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कार्यरत है।

प्रकाशन :–

पेवा, एन.डी (2014): इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इन्फेंट ऑब्जरवेशन एंड इट्स एप्लीकेशन्स में " हू ओब्ज़र्व्स हूम ? इन्फेंट ऑब्जरवेशन ओब्जरव्ड : एन एक्सपीरियंस ऑफ सेटिंगः अप एन इन्फेंट ऑब्जरवेशन स्किल्स ट्रेंनिंग इन इंडिया, इन्फेंट ऑब्जरवेशन" शीर्षक से शोध–पत्र प्रकाशित {भाग–17,अंक–1, पृष्ठ संख्या : 5–19}

शोध–पत्र प्रस्तुति :–

मानव अध्ययन शिक्षालय ने साइकोएनालिटिक यूनिट, मेंटल हेल्थ डिपार्टमेंट एवं बिहेवियरल साइंसेज–फोर्टीस हेल्थ केयर के सहयोग से दिसम्बर 2013 में पहला वार्षिक मनोचिकित्सक सम्मेलन "साइकोएनालिसिस, कल्चर एंड रिलिजन" का आयोजन किया। इस सम्मेलन में निम्नलिखित शोध–पत्र प्रस्तुत किये गये–

मनीष,एस (मनोचिकित्सक): "टेरर्स टू एक्सपेंशन्स –ए जर्नी मेडीएटेड थ्रू फेथ" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया एवं इन्हें सुधीर कक्कड़ पुरस्कार के लिए नामांकित भी किया गया।

ओबेरॉय, एच : परिचर्चा सत्र में "फ्रॉम वाइल्ड ग्लासलैंड्स टू टेंडर्ड गार्डन्स : दी इनवर्ड जर्नी इन साइकोएनालिसिस, बुद्धिज़्म एंड सोशल एक्टिविज्म" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

नागपाल,ए : "क्लिनिक इन दी कल्चर एंड आउटसाइड" विषय पर समापन व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अग्रवाल,यू (एम.फिल शोधार्थी) : " रिमेम्बेरिंग, रिपिटिंग एंड वर्किंग थ्रू , दी इंडियन गर्ल चाइल्ड" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

मेहदी, ज़ेड (एम.फिल शोधार्थी) : "रिलिजन ऐज एन एनालिटिकल सिम्पटम" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

सिद्दकी, एस (एम.फिल शोधार्थी): "देवी पोस्सेज़ेशंस एस ए टेक्नोलॉजी ऑफ दी सेल्फ" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

XII. प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र :–

पूर्ण एवं परिचालित परियोजनाएं –

अनुसंधान एवं मूल्यांकन परियोजनाएं –

उचित व्यवहार के केस अध्ययन (2011–2013): आईईसीईआई अध्ययन के एक भाग के रूप में मौजूदा प्रारम्भिक बाल शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए नीतिगत स्तरीय अनुशंसाओं के साथ ईसीई कार्यक्रमों की गुणवत्ता में प्रणालीगत सुधार के उद्देश्य से, इस शोध में चयनित प्रारम्भिक बाल शिक्षा केन्द्रों एवं कार्यक्रमों से 9 केस अध्ययनों को लिया गया। इन 9 केस अध्ययनों को अलग–अलग राज्यों से लेकर पूर्ण किया गया। केस अध्ययन के प्रकाशन के तहत मुख्य अधिगम की स्पष्टता के लिए संश्लेषित दस्तावेज तैयार किया जा रहा है।

'गरीबों के लिए प्रारंभिक बाल विकास : स्तरीय प्रभाव' (2013–2017): नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ हेल्थ, वाशिंगटन डी सी (येल यूनिवर्सिटी, इंस्टिट्यूट ऑफ़ फिस्कल स्टडीज़ के साथ भागीदारी) के सौजन्य से यह परियोजना संचालित की गयी है। इस व्यापक अध्ययन का उद्देश्य वैकल्पिक सेवा की प्रावधान पद्धति एवं इसकी अनुमापकता में आये लघु स्तरीय व्यावधानों की प्रभावशीलता को जांचना तथा बाल विकास के निर्धारण तंत्र पर ईसीडी के हस्तक्षेप के प्रभाव की पहचान करना है। इस परियोजना में

सीईसीईडी की भूमिका पाठ्यक्रम के विकास में एक तकनीकी सहयोगी की है। इसके अतिरिक्त सीईसीईडी, पर्यवेक्षकों के लिए प्रशिक्षण पुस्तिका के विकास के साथ ही उन्हें प्रशिक्षण भी प्रदान करेगा। यह पर्यवेक्षक गृह–निरीक्षणों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए गृह–निरीक्षकों (होम विजिटर्स) को प्रशिक्षित करेंगे।

कर्नाटक में आईसीडीएस प्रणाली के साथ प्रतिबद्ध 'अक्षरा संस्थान' के प्रभाव का मूल्यांकन (2013): बेंगलुरु में स्थित पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट 'अक्षरा' संस्थान ने वर्ष 2006–07 की समेकित बाल विकास योजना (आईसीडीएस) के अंतर्गत 2009–10 में एक संरचित पूर्व विद्यालयी शिक्षा कार्यक्रम के लिए 'आंगनवाड़ी' पाठ्यक्रम की गुणवत्ता को दृढ़ करने की शुरुआत की। इस परियोजना की उल्लेखनीय विशेषता यह है कि इसने बेंगलुरु के शहरी जिलों में स्थित सभी आंगनवाड़ियों को इस कार्यक्रम में सम्मिलित किया। अक्षरा संस्थान के आमंत्रण पर सीईसीईडी ने इस अध्ययन का मूल्यांकन किया जिसमें कार्यक्रम की पूर्व– विद्यालयी शिक्षा के घटक का आकलन, विद्वानों द्वारा प्री–स्कूल कीट (पूर्व विद्यालयी सामग्री) की तकनीकी समीक्षा, विद्यालयी तत्परता संकेतों पर 4–5 वर्ष के बच्चों का मूल्यांकन तथा तीन आंगनवाड़ी केस अध्ययन शामिल हैं। इस अध्ययन प्रतिवेदन को पूर्ण करके संस्थान में प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात् व्यापक तौर पर इस प्रतिवेदन को सार्वजनिक रूप से साझा किया गया।

'कथा' के अंतर्गत एमसीडी विद्यालयों में 'आई लव रीडिंग' (आईएलआर) कार्यक्रम के प्रभाव का आकलन (2014): 'कथा' (गैर–लाभकारी संगठन) ने दिल्ली के नगर निगम प्राथमिक विद्यालयों के साथ मिलकर लगभग 75 विद्यालयों में कहानी अध्यापन के प्रभाव का मूल्यांकन किया। इस योजना की संरचना अभिभावकों, समुदाय, विद्यालय के प्रधानाचार्यों, शिक्षकों एवं मुख्यतः अधिगम असमर्थी विद्यार्थियों के साथ कार्य करने के लिए बनायी गयी थी। 'कथा' द्वारा तीसरे पक्ष के रूप में सीईसीईडी से इस मूल्यांकन में सहयोग प्रदान करने की गुज़ारिश की गयी। सीईसीईडी को इस उद्देश्य के साथ शामिल किया गया था कि यह विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों की भाषा एवं संख्यात्मक कार्य कौशल के अधिगम स्तरों में वृद्धि के प्रभाव का आकलन कर सके। इसके अतिरिक सीईसीईडी को यह मूल्यांकन भी करना था कि एमसीडी विद्यालयों में कक्षा प्रणाली एवं कार्यक्रम गुणवत्ता को 'कथा' द्वारा किस प्रकार प्रभावित किया गया है।

सीईसीईडी द्वारा 3–5 दिसम्बर 2013 को भारतीय पर्यावास केंद्र, दिल्ली में आईईसीईआई अध्ययन के तीन प्रकार के आंकड़ों के त्रिकोणीकरण पर एक शोध–परामर्श आयोजित किया गया है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय विद्वान व

अनुसंधान सहयोगियों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य प्रत्येक प्रकार के परिणामों को साझा एवं मूलभूत सिद्धांत के निर्माण के लिए त्रिकोणीकरण पर विचार–विमर्श करना था।

25 फ़रवरी 2014 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नयी दिल्ली में "सूक्ष्म अध्ययन" (माइक्रो स्टडीज) पर एक अनुसंधान परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें इसके उद्देश्य एवं पद्धतियों पर चर्चा की गयी। सूक्ष्म अध्ययन को आईईसीईआई अध्ययन से उभरे निष्कर्षों को और अधिक गहराई से समझने के लिए प्रस्तावित किया जा रहा है। वंचित पृष्ठभूमि से आये बच्चे विद्यालय तत्परता में अच्छा प्रदर्शन कैसे करते हैं , इस सकारात्मक विचलन का पता लगाना ही सूक्ष्म अध्ययन का मुख्य उद्देश्य है।

सीईसीईडी एवं केयर इंडिया प्रकाशन :–

सिंघी,पी (2013): ब्रेन डेवलपमेंट इन अर्ली चाइल्डहुड इयर्स : दी क्रिटिकल इयर्स (ईसीईडी ब्रीफ –3), प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र और केयर इंडिया।

कौल, वी, ए मेहेंदल एवं एम डोगरा (2013) : राइट टू अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट : ए कॉम्प्रेहेंसिव फ्रेमवर्क (ईसीईडी ब्रीफ–4), प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र और केयर इंडिया।

XIII. पुस्तकालय

सम्मेलन

दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर ने सोसायटी फॉर लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स, एसएलए एशियन चैप्टर एवं संयुक्त राष्ट्र सूचना केंद्र के साथ मिलकर 7–8 फरवरी 2014 को दो दिवसीय राष्ट्रीय (एलआईपीएस 2014) सम्मेलन "फ्रॉम ब्रिक टू क्लिकः ट्रांस्फोर्मिंग लाइब्रेरीज इनटू सोशल स्पेसेस" का आयोजन किया। इस सम्मेलन में डॉ. देबल सी कार ने अध्यक्षता की एवं श्रीमती अल्का राय ने " दी ग्रोथ एंड डेवलपमेंट ऑफ़ एयूडी लाइब्रेरीः जर्नी ऑफ़ फाइव इयर्स" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

परिशिष्ट क

प्रवेश प्रक्रिया

2013 की प्रवेश प्रक्रिया

स्नातक अध्ययन शिक्षालय (एयूएस) ने 7 बी.ए कार्यक्रम प्रस्तुत किये थे जिसकी ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया 27 मई 2013 से 22 जून 2013 तक चली।

2013 में अन्य 8 शिक्षालयों ने 17 एम.ए कार्यक्रम प्रस्तुत किये। एम.ए कार्यक्रमों की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 15 अप्रैल 2013 से 22 जून 2013 तक चली जबकि ऑफलाइन आवेदन 27 मई से 22 जून 2013 तक हुए।

अकादमिक सत्र 2013–14 में सभी बी.ए कार्यक्रमों के लिए कुल 245 सीटें थीं जबकि प्रत्येक कार्यक्रम के लिए 35 सीट आरक्षित की गयी थीं। वर्ष 2013–14 में एम.ए शिक्षा (30 सीटें), एम.ए डिजाईन (20 सीटें) तथा प्रकाशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (20 सीटें) के अलावा प्रत्येक एम.ए कार्यक्रम में 42 सीटें रखी गयी थीं (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार के निर्देशानुसार ही सामान्य एवं आरक्षित सीटों की संख्या निर्धारित की गयी थी)।

एयूडी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार के अंतर्गत है। इसी कारण यहाँ की 85% सीटें दिल्ली के उन प्रत्याशियों के लिए आरक्षित हैं जिन्होनें दिल्ली में स्थित किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण की हो या वह दिल्ली का निवासी हो।

सामाजिक श्रेणी आधारित आरक्षण

(एनसीटी एवं बाह्य छात्रों के लिए आरक्षण नीति)

अनुसूचित जातिः 15%; अनुसूचित जनजातिः 7.5%; अन्य पिछड़ा वर्ग (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से बाहर के प्रत्याशी शामिल नहीं हैं) : 27%

अतिरिक्त सीटें : 3

शारीरिक अक्षम / शारीरिक विकलांग : 3%

युद्ध में शहीद या शारीरिक रूप से वाधित (डिसएबल्ड) हुए सैनिकों के बच्चों के लिएः 3%

एकल बालिका योजना के अनुसार : 1 सीट

ईसीए : 1 सीट

विस्थापित कश्मीरी : 2 सीटें

विदेशी छात्र : 2 सीटें

बी.ए कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्रता शर्तें–

बी.ए कार्यक्रम में प्रवेश के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 में न्यूनतम 50% अंक की आवश्यकता है। सभी कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/शारीरिक अक्षम प्रत्याशियों को न्यूनतम योग्यता में 5% की छूट दी गयी है।

विश्वविद्यालय के कुछ पाठ्यक्रमों में पात्रता की शर्तें इस प्रकार हैं –

बी.ए अर्थशास्त्रः प्रत्याशी द्वारा 10+2 में एक विषय के रूप में 'गणित' अवश्य पढ़ा होना चाहिए। इसके अलावा गणित में प्राप्त अंकों को 'सर्वश्रेष्ठ चार विषयों' की गणना में भी शामिल किया जाएगा।

बी.ए अंग्रेजीः प्रत्याशी के 12वीं कक्षा में अंग्रेजी विषय में न्यूनतम अंक 65% अवश्य होने चाहिए।

बी.ए गणितः प्रत्याशी के 12वीं कक्षा में गणित विषय में न्यूनतम अंक 60% होने आवश्यक हैं एवं इसमें प्राप्त अंकों को 'सर्वश्रेष्ठ चार विषयों' की गणना में भी शामिल किया जाएगा।

एम.ए कार्यक्रम में प्रवेश की पात्रता शर्तें :–

एम.ए कार्यक्रम में प्रवेश के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि में 45% या इसके समान ग्रेड होने आवश्यक हैं। इसके अलावा एम.ए शिक्षा एवं प्रकाशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा में प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में न्यूनतम अंक 50% या इसके समान ग्रेड होने चाहिए जबकि एससीसीई में न्यूनतम पात्रता योग्यता 40% है। एयूडी के सभी कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/शारीरिक अक्षम श्रेणियों के लिए 5% की छूट रखी गयी है।

छात्र कल्याण निधि, शुल्क छूट, छात्रवृत्ति

शुल्क छूट एवं छात्रवृत्तियाँ

विश्वविद्यालय उन छात्रों को पूर्ण व आंशिक रूप से शुल्क (फीस) छूट प्रदान करता है जिनकी आर्थिक पृष्ठभूमि को सहायता की ज़रूरत है। दरअसल, 25% शुल्क जो विद्यार्थियों से एकत्रित किया जाता है वो शुल्क आर्थिक रूप से असहाय विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं शुल्क छूट के रूप में वापिस कर दिया जाता है। पिछले 3 सालों में 229 विद्यार्थियों को शुल्क (फीस माफ़ी) छूट दी गयी है। इनमें से ज़्यादातर छात्रों का शुल्क (फीस) पूर्ण रूप से माफ़ कर दिया गया है।

जिन विद्यार्थियों की पारिवारिक आय 4,00,000/- से कम है वह शुल्क छूट प्राप्त करने के योग्य हैं। विद्यार्थियों को शुल्क छूट तब तक मिलती रहेगी जब तक वह नियमित रूप से कक्षाएं लेंगे तथा शिक्षा (स्टडीज) में अपने प्रदर्शन का एक स्वीकार्य स्तर बनाये रखेंगे।

विद्यार्थियों को कार्यक्रम में प्रवेश के समय शुल्क छूट से सम्बंधित सभी आवश्यक दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा।

विद्यार्थियों का अगर अस्थायी –प्रवेश हो गया है तो उन्हें प्रवेश–शुल्क से छूट प्राप्त होगी।

अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / शारीरिक अक्षम श्रेणियों के विद्यार्थियों को यह सलाह दी जाती है कि छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए अकादमिक वर्ष के लिए फ़रवरी महीने में अपने आवेदन प्रस्तुत करें।

छात्र कल्याण निधि

विश्वविद्यालय ने छात्र कल्याण निधि का निर्माण इस उद्देश्य के साथ किया है कि ज़रूरतमंद विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता दी जा सके। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री, पुस्तकों की खरीदारी, चिकित्सा व अन्य आवश्यकताओं से सम्बंधित सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को एयूडी छात्रावास से सम्बंधित बोर्डिंग एवं लॉजिंग खर्च के बराबर राशि भी दी जाती है। छात्र कल्याण निधि के लिए सभी विद्यार्थियों से प्रत्येक सत्र में 500 रु. लिए जाते हैं तथा जितनी राशि विद्यार्थियों से एकत्रित की जाती है उसके समान ही राशि का योगदान विश्वविद्यालय इस निधि में करता है। छात्र–कल्याण निधि एक समिति द्वारा प्रबंधित एवं संचालित है जिसमें विद्यार्थी समुदाय के कुछ व्यक्ति भी शामिल हैं।

National Museum, New Delhi
and
Ambedkar University, Delhi
Present
Safarnama :
Journeys through a
Kalamkari Hanging
(A Photographic Exhibition)
9th to 21nd April, 2013
(closed on Mondays)
10 a.m. to 5 p.m. at
1st Floor, Ajanta Hall
राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली
और
अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली
प्रस्तुत करते है
सफरनामा :
एक कलमकारी लटकन
की यात्राएँ
(छाया चित्र प्रदर्शनी)
9 से 21 अप्रैल, 2013 तक,
प्रथम तल, अजंता हॉल में
प्रतिदिन पूर्वाह्न 10.00 बजे से
सायं 5.00 बजे तक
(सोमवार अवकाश)

परिशिष्ट ख

एयूडी के वरिष्ठ अधिकारियों की सूची

क्र. सं.	अधिकारी का नाम	पद
1.	प्रोफेसर श्याम बी. मेनन	कुलपति
2.	प्रोफेसर चन्दन मुखर्जी	उपकुलपति
3.	प्रोफेसर विजया एस. वर्मा	योजना सलाहकार निर्देशक, विकास परिसर
4.	प्रोफेसर अशोक नागपाल	अधिष्ठाता,अकादमिक सेवाएं
5.	प्रोफेसर कुरियाकोस मामकूट्टम	अधिष्ठाता, विद्यार्थी सेवाएं
6.	सुश्री सुमति कुमार	पंजीयक (रजिस्ट्रार)

परिशिष्ट– ग

विश्वविद्यालय के अधिकारी

31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार न्यायालय के सदस्य हैं :

श्री नजीब जंग, कुलाधिपति

प्रो. श्याम बी. मेनन, कुलपति

प्रो. एस. आर. हाशिम, जी.एन.सी.टी.डी द्वारा नामित

डॉ० किरण कार्णिक, जी.एन.सी.टी.डी द्वारा नामित

प्रो. दीपक नैय्यर, जी.एन.सी.टी.डी द्वारा नामित

प्रो. के. सच्चिदानंद, जी.एन.सी.टी.डी द्वारा नामित

न्यायमूर्ति लीला सेठ, जी.एन.सी.टी.डी द्वारा नामित

प्रमुख सचिव–वित्त, जी.एन.सी.टी.डी

प्रमुख सचिव–उच्च शिक्षा एवम् टी.टी.ई, जी.एन.सी.टी.डी

सचिव – कला और संस्कृति, जी.एन.सी.टी.डी

प्रो. उमेश राय, यू.जी.सी के प्रतिनिधि

श्री एस.पी. दीक्षित,पंजीयक (ओफिसियटिंग), गुरु गोविंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय

श्रीमती सुमति कुमार, पंजीयक एवं सचिव, न्यायालय, एयूडी

31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार प्रबंधन बोर्ड के सदस्य हैं :

प्रो. श्याम बी. मेनन, कुलपति

प्रो. अमृत्य देसाई, जी.एन.सी.टी.डी द्वारा नामित

प्रो. एन.आर. माधव मेनन, जी.एन.सी.टी.डी द्वारा नामित

डॉ० किरण दातार, जी.एन.सी.टी.डी द्वारा नामित

प्रो. कुरियाकोरस मामकुट्टम, कुलाधिपति द्वारा नामित

प्रो. चंदन मुखर्जी, कुलाधिपति द्वारा नामित

प्रो. अशोक नागपाल, कुलाधिपति द्वारा नामित

प्रमुख सचिव – वित्त, जी.एन.सी.टी.डी

प्रमुख सचिव–उच्च शिक्षा एवम् टी.टी.ई, जी.एन.सी.टी.डी

श्रीमती सुमति कुमार, पंजीयक–सचिव

31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार अकादमिक परिषद के सदस्य हैं :

प्रो. श्याम बी. मेनन, कुलपति

प्रो. अशोक चटर्जी, जी.एन.सी.टी.डी द्वारा नामित

प्रो. के. रामचंद्रन, जी.एन.सी.टी.डी द्वारा नामित

डॉ० राजा मोहन , जी.एन.सी.टी.डी द्वारा नामित

डॉ० मैथ्यू वर्गीस, जी.एन.सी.टी.डी द्वारा नामित

डॉ० अनुराधा कपूर, जी.एन.सी.टी.डी द्वारा नामित

प्रो. ए.के. शर्मा, यू.जी.सी द्वारा नामित

प्रो. अशोक नागपाल, कुलपति द्वारा नामित

प्रो. डेनिस पी. लेइटन, कुलपति द्वारा नामित

प्रो. गीता वेंकटरमण,कुलपति द्वारा नामित

अधिष्ठाता (डीन)–व्यवसाय, लोकनीति एवम् सामाजिक उद्यमिता अध्ययन शिक्षालय

अधिष्ठाता–सांस्कृतिक एवम् सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन शिक्षालय

अधिष्ठाता–विकास अध्ययन शिक्षालय

अधिष्ठाता–डिज़ाईन शिक्षालय

अधिष्ठाता–शैक्षिक अध्ययन शिक्षालय

अधिष्ठाता– मानव पारिस्थितिकी अध्ययन शिक्षालय

अधिष्ठाता– मानव अध्ययन शिक्षालय

अधिष्ठाता– ललित अध्ययन शिक्षालय

अधिष्ठाता–स्नातक अध्ययन शिक्षालय

डॉ० सुमंगला दामोदरन, कुलपति द्वारा नामित

डॉ० प्रवीण सिंह, कुलपति द्वारा नामित

पंजीयक–सचिव

31 मार्च, 2014 की स्थिति के अनुसार वित्त समिति के सदस्य निम्नलिखित हैं –

प्रोफेसर श्याम बी. मेनन, कुलपति

प्रधान सचिव, उच्च शिक्षा विभाग,जी.एन.सी.टी.डी

प्रधान सचिव, वित्त विभाग, जी.एन.सी.टी.डी

डॉ. किरण दातार, प्रबंधन बोर्ड द्वारा नामित

प्रो. चन्दन मुख़र्जी, प्रबंधन बोर्ड द्वारा नामित

वित्त–नियंत्रक,पदेन गैर–सदस्य सचिव

31 मार्च, 2014 की स्थिति के अनुसार स्थापना समिति के सदस्य निम्नलिखित हैं:

प्रोफेसर श्याम बी. मेनन, कुलपति

डॉ. किरण दातार, प्रबंधन बोर्ड द्वारा नामित

प्रो.अशोक नागपाल, कुलपति द्वारा नामित

प्रोफेसर चन्दन मुखर्जी, कुलपति द्वारा नामित

श्रीमती सुमति कुमार, पंजीयक एवं सचिव

वित्तीय वर्ष 2013–2014 में सांविधिक निकायों की बैठकें

बैठकों के नाम	दिनांक
न्यायालय	
न्यायालय की तीसरी बैठक	11.02.2014
प्रबंधन बोर्ड	
प्रबंधन बोर्ड की चौदहवीं बैठक	29.07.2013
प्रबंधन बोर्ड की पंद्रहवीं बैठक	21.01.2014
वित्तीय समिति	
वित्तीय समिति की नौवीं बैठक	24.07.2013
वित्तीय समिति की दसवीं बैठक	03.10.2013
स्थायी समिति	
स्थायी समिति की नौवीं बैठक	24.07.2013
स्थायी समिति की दसवीं बैठक	19.03.2014
अकादमिक परिषद्	
अकादमिक परिषद् की चौथी बैठक	10.07.2013
अकादमिक परिषद् की पांचवीं बैठक	04.03.2014

परिशिष्ट–घ

पाठ्य समिति

विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित अध्ययन शिक्षालयों के लिए पाठ्य समिति का गठन किया है –

1. व्यापार लोक नीति और सामाजिक उद्यमिता अध्ययन शिक्षालय
2. संस्कृति और रचनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन शिक्षालय
3. डिजाइन अध्ययन शिक्षालय
4. विकास अध्ययन शिक्षालय
5. शैक्षिक अध्ययन शिक्षालय
6. मानव पारिस्थितिकी शिक्षालय
7. मानव अध्ययन शिक्षालय
8. ललित अध्ययन शिक्षालय (स्कूल ऑफ़ लिबरल स्टडीज)
9. स्नातक अध्ययन शिक्षालय

परिशिष्ट–ड.

सूचना अधिकार अधिनियम (आर टी आई)

सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 4 (1) (बी) के तहत आवश्यकताओं के अनुपालन के लिए , अम्बेडकर विश्वविद्यालय,दिल्ली ने 17 नियमावलियाँ तैयार की हैं, जो विश्वविद्यालय की वेबसाइट – www.aud.ac.in पर उपलब्ध हैं।

नियमावलियाँ:–

1. एयूडी के संगठनों, कार्यों और कर्त्तव्य का विवरण ।
2. अपने अधिकारियों और कर्मचारियों की शक्तियां और कर्तव्यों का विवरण।
3. निर्णय लेने के लिए जिस प्रक्रिया का प्रयोग किया जाता है उसमें पर्यवेक्षण के माध्यम और उनके दायित्व शामिल हैं।
4. विश्वविद्यालय ने अपने कार्यों के निवर्हन के लिए मापदंड निर्धारित किये हुए हैं ।
5. नियम, विनियम, निर्देश ,नियमावली एवं अभिलेख विश्वविद्यालय द्वारा ही बनाये जाते हैं या इनके अपने नियंत्रण में रहते हैं या इनका उपयोग विश्वविद्यालय कर्मचारियों के द्वारा कार्यों के निर्वहन के लिए किया जाता है।
6. दस्तावेजों की श्रेणियों का विवरण विश्वविद्यालय के द्वारा ही बनाया जाता है या उनके अपने नियंत्रण में रहता है ।
7. किसी भी नीति को बनाने या उसके कार्यान्वयन के लिए, उसके प्रतिनिधित्व के लिए, किसी भी व्यवस्था के विवरण के लिए जनता के सदस्यों के परामर्शों को शामिल करना ।
8. सलाहकार समितियों,परिषदों ,कमेटियों और अन्य निकायों का गठन किया जाए जिसमें दो या दो से अधिक व्यक्ति सलाह देने के लिए हों । इन समितियों ,परिषदों ,कमेटियों तथा अन्य निकायों में होने वाली बैठकों की जानकारी जनता के लिए सार्वजनिक हो । ऐसी बैठकों के कार्यवृत्त जनता के लिए उपलब्ध हों ।
9. अपने अधिकारियों और कर्मचारियों की निर्देशिका ।
10. अपने विनियमों में अधिकारियों और कर्मचारियों के द्वारा प्राप्त मासिक पारिश्रमिक सहित मुआवजे की प्रणाली को भी बताया जाए ।

11. ऐसी रिपोर्ट जिसमें हर एजेंसी को निर्धारित किये गए बजट की जानकारी हो । इस रिपोर्ट में सभी एजेंसियों की योजनाओं एवं प्रत्येक योजना के लिए प्रस्तावित व्यय तथा उसके संवितरण की जानकारी भी हो ।
12. ऐसा विवरण जिसमें रियायत (सब्सिडी) कार्यक्रमों के निष्पादन की नीति और आवंटित राशि सहित ऐसे कार्यक्रमों के लाभार्थियों की भी जानकारी हो ।
13. ऐसे ब्यौरे जिसमें उन प्राप्तकर्ताओं की जानकारी हो जिनको रियायतें , परमिट या प्राधिकार प्रदान किये गए हैं ।
14. ऐसी जानकारी के सम्बन्ध में विवरण जो इलेक्ट्रॉनिक रूप को कम करने के लिए उपलब्ध हों या उसके द्वारा धारित हो ।
15. सूचना प्राप्त करने के लिए नागरिकों को दी गयी सुविधाओं का विवरण, जिसमें पुस्तकालय या वाचनालय के काम के घंटे भी शामिल हों , अगर उन्हें सार्वजनिक उपयोग के लिए बनाया गया है।
16. जन सूचना अधिकारियों के नाम , पद तथा उनसे सम्बंधित अन्य जानकारी का विवरण ।
17 . ऐसी कोई भी जानकारी जिसे समय–समय पर छापा एवं निर्धारित किया जा सके । इसके बाद प्रकाशित सामग्री को नवीन रूप में बदला जा सके।

अनुसूचित जाति / जनजाति के लिए संपर्क अधिकारीः–

विश्वविद्यालय में भर्ती और दाखिले में अनुसूचित जाति / जनजाति के पक्ष में आरक्षण नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए, विकासात्मक अध्ययन केंद्र के, सहायक प्राध्यापक, डॉ. अरुण कुमार मोन्डिटोका को संपर्क अधिकारी के रूप में नामित किया गया है ।

संपर्क अधिकारी के कर्तव्य इस प्रकार हैंः–

1. अनुसूचित जाति / जनजाति के लिए आरक्षण के आदेश के साथ विश्वविद्यालय द्वारा इसके अनुपालन तथा अन्य स्वीकार्य लाभों को सुनिश्चित करना ।
2. ये सुनिश्चित करना कि नियुक्त प्राधिकारी द्वारा वार्षिक विवरणों को मंत्रलाय / विभाग के समक्ष शीघ्र प्रस्तुत किया जाए । इसके साथ ही ये जांचना कि वार्षिक विवरण का एकत्रीकरण और इस तरह के समेकित विवरण को क्रमिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के पास भेजा जाए ।

3. आरक्षण प्रस्तावों की ठीक से जांच करना और पूरी संतुष्टि के बाद ये प्रमाणित करना कि इस तरह के आरक्षण अपरिहार्य हैं। इस सम्बन्ध में जो भी कदम उठाये जा सकते थे उन्हें पूरी निष्ठा के साथ उठाया गया है ।

4. मंत्रालयों/विभागों के बीच संबंध स्थापित करने के लिए आवश्यक सूचना प्रदान करना, प्रश्नों का जवाब देना एवं संदेह को दूर करना ।

5. नामावली/तालिका का वार्षिक निरीक्षण कराना, इन निरीक्षण के रिकॉर्ड को बनाये रखना ।

6. अनुसूचित जाति/जनजाति की समिति को ज़रूरी सहायता प्रदान करना ताकि वह अपने कर्त्तव्यों और कार्यों का निर्वाह सही ढंग से कर सकें ।

'सूचना के अधिकार' (आरटीआई) की जानकारी के लिए अधिकारीः–

प्रथम अपीलीय प्राधिकारी और जन सूचना अधिकारीः–

क्र.सं.	कार्यालय	प्रभारी
1.	प्रथम अपीलीय प्राधिकारी	सुश्री सुमति कुमार, पंजीयक
2.	जन–सूचना अधिकारी (पीआईओ)	श्री नरेन्द्र मिश्र, सहायक पंजीयक

जन–सूचना सहायक अधिकारी

क्र. सं.	कार्यालय	प्रभारी
1.	संपत्ति से सम्बंधित सभी जानकारियां	श्री राजीव कुमार, सहायक पंजीयक
2.	आईटी सेवाओं से सम्बंधित सभी जानकारियां	डॉ. के श्रीनिवास, निर्देशक, आईटी
3.	अकादमिक सेवाओं से सम्बंधित सभी जानकारियां	श्री वी.के. कटारमल, उप–पंजीयक
4.	योजना प्रभाग से सम्बंधित सभी जानकारियां	श्री पुनीत गोयल, सहायक पंजीयक
5.	वित्तीय प्रभाग से सम्बंधित सभी जानकारियां	श्री आशीष पाटीदार
6.	निजी प्रभाग से सम्बंधित सभी जानकारियां	श्री सतपाल, सहायक पंजीयक
7.	विद्यार्थी सेवाओं से सम्बंधित सभी जानकारियां	श्रीमती बिंदु नायर, सहायक पंजीयक

परिशिष्ट–च

समितियों की सूची

स्थायी समिति (अकादमिक कार्यक्रम)

यह समिति अपनी निगरानी में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों का विकास एवं मार्गदर्शन, विभिन्न चरणों के माध्यम से शिक्षालय के अध्ययन मंडल द्वारा परिकल्पित रूप में करती है।

कुलपति	स्थायी आमंत्रित सदस्य
प्रति कुलपति अथवा इनके द्वारा नामित सदस्य	सभापति
प्रोफेसर अशोक नागपाल, एस.एच.एस	
प्रोफेसर चन्दन मुखर्जी, एस.डी.एस / एस.एच.ई	
प्रोफेसर शिवाजी पणिक्कर,एस.सी.सी.ई	
प्रोफेसर हनी ओबेरॉय वहाली, एस.एच.एस	
प्रोफेसर के. मामकूट्टम, एस.बी.पी.पी.एस.ई	
प्रोफेसर वनिता कौल, एस.ई.एस	
प्रोफेसर सलिल मिश्र, एस.एल.एस	सदस्य सचिव

स्थायी समिति (विद्यार्थी सेवाएं):–

यह समिति छात्र सेवाओं से संबंधित सभी मामलों में जाँच –पड़ताल के लिए उत्तरदायी होगी ।

प्रोफेसर के. मामकूट्टम, अधिष्ठाता (एस.एस)	सभापति
प्रोफेसर वनिता कौल,एस.ई.एस	
प्रोफेसर हनी ओबेरॉय वहाली, एस.एच.एस	
डॉ.सुमंगला दामोदरन, एस.डी.एस	
डॉ.प्रवीण सिंह ,एस.एच.ई	
डॉ. रचना जौहरी, एस.एच.एस	विशिष्ट आमंत्रित सदस्य
सहायक पंजीयक (विद्यार्थी सेवाएं)	सदस्य सचिव

अनुसूचित जाति और जनजाति के संपर्क अधिकारीः–

डॉ. अरुण कुमार मोन्डिटोका, सहायक प्राध्यापक, एस.डी.एस ,विश्वविद्यालय में नीति के कार्यान्वयन के लिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण और रियायतों की जाँच –पड़ताल करेंगे ।

रैगिंग –विरोधी समिति

पंजीयक सभापति

प्रोफेसर सलिल मिश्र, डीन (अधिष्ठाता), एस.एल.एस

प्रोफेसर हनी ओबेरॉय वहाली, अधिष्ठाता (एस.एच.एस)

डॉ. सुरजीत मजूमदार , एसोसिएट प्रोफेसर

श्रीमान विनोद आर., वरिष्ठ वार्डन

रैगिंग –विरोधी दस्ता :–

डॉ.चिरश्री दास गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. अस्मिता काबरा, एसोसिएट प्रोफ़ेसर

डॉ. गोपाल जी प्रधान, एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. प्रवीण सिंह, सहायक प्राध्यापक

श्रीमान विक्रम सिंह ठाकुर ,सहायक प्राध्यापक

डॉ. योगेश स्नेही, सहायक प्राध्यापक

डॉ. सुरेश बाबू, सहायक प्राध्यापक

डॉ. अंशु गुप्ता, सहायक प्राध्यापक

डॉ. अभिजीत एस. बर्डपूर्कर, सहायक प्राध्यापक

श्रीमान विनोद आर., वरिष्ठ वार्डन

डॉ. ओइनम हेमलता देवी, वार्डन

जेंडर मुद्दों की समिति

प्रोफेसर वनिता कौल, एस.ई.एस	सभापति
डॉ. रचना चौधरी, एस.एच.एस	
डॉ. ममता करोल्लिल, एस.एच.एस	
डॉ. शुभ्रा नागलिया, एस.एच.एस	
मिस संजू थॉमस, एस.यू.एस / एस.एल.एस	

परिसर के विकास के लिए संचालन समितिः–

कुलपति	सभापति
प्रति– उपकुलपति	सदस्य
अधिष्ठाता (डीन), योजना	सदस्य
अधिष्ठाता (डीन), डिज़ाइन अध्ययन शिक्षालय	सदस्य
प्रोफेसर सी.आर.बाबू	सदस्य
श्री संतोष औलक	सदस्य
रजिस्ट्रार (पंजीयक)	सदस्य
वित्तनियंत्रक	सदस्य
निर्देशक (योजना एवं प्रशासन), परिसर विकास	सदस्य

परिसर के विकास के लिए सलाहकार समितिः–

कुलपति	सभापति
प्रति–उपकुलपति	सदस्य
सचिव (उच्च) शिक्षा,	सदस्य
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र,दिल्ली सरकार	
किसी भी अध्ययन केंद्र से एक अधिष्ठाता (कुलपति द्वारा नामित)	सदस्य

अधिष्ठाता (डीन), योजना	सदस्य
रजिस्ट्रार (पंजीयक)	सदस्य
वित्त नियंत्रक	सदस्य
सरकारी प्रत्याशियों में से एक प्रबंधन बोर्ड से	सदस्य
एक पूर्व मुख्य सचिव, जी.एन.सी.टी.डी (GNCTD) या एक पूर्व सचिव या इसके बराबर	सदस्य
प्रोफेसर सी.आर.बाबू ,पर्यावरण और पारिस्थितिकी के प्रतिष्ठित प्रोफेसर	सदस्य
श्री अशोक कुमार निगम, पूर्व उप–सभापति, डी.डी.ए	सदस्य
प्रोफेसर के.टी. रविन्दरन, पूर्व सभापति, शहरी कला आयोग	सदस्य
श्री वी.सुरेश, पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एच.यू.डी.सी.ओ (HUDCO)	सदस्य
निदेशक (योजना एवं प्रशासन) परिसर विकास	सदस्य

एयूडी में यात्रा अनुदान समितिः–

अधिष्ठाता (शैक्षिक सेवाएँ)	सभापति
अधिष्ठाता संबद्ध (CONCERNED)	सदस्य
वित्त नियंत्रक सदस्य	
निदेशक, एस.बी.पी.पी.एस.ई / अधिष्ठाता (डीन), एसएलएस	सदस्य

एयूडी में स्थानीय खरीदारी की स्थायी समिति :–

श्री सतपाल, सहायक पंजीयक (एचआर)	सदस्य
श्रीमती बिंदु नायर, सहायक पंजीयक (विद्यार्थी सेवाएं)	सदस्य
श्री हरीश गुरनानी, सहायक पंजीयक (वित्त)	सदस्य

खेल समिति :–

डॉ. योगेश स्नेही, एस.यू.एस / एस.एल.एस	संयोजक
श्रीमान सयनदेब चौधरी,एस.यू.एस / एस.एल.एस	सदस्य
सुश्री थोकचोम बिबिनाज देवी,एस.एच.एस	सदस्य
श्रीमान अखा कैहरी माओ, एस.ई.एस	सदस्य
डॉ. उर्फत अंजम मीर,एस.यू.एस / एस.एल.एस	सदस्य
डॉ. धारित्री नर्ज़री,एस.यू.एस / एस.एल.एस	सदस्य
श्रीमान आनंद सौरभ, एस.एल.एस	सदस्य
श्रीमान विक्रम सिंह ठाकुर,एस.यू.एस / एस.एल.एस	सदस्य

कार्य– सलाहकार समितिः–

मिस सुमति कुमार, पंजीयक	सभापति
प्रोफेसर विजया एस. वर्मा, निदेशक परिसर विकास	विशिष्ट आमंत्रित सदस्य
प्रोफेसर जतिन भट्ट ,एसडीईएस	विशिष्ट आमंत्रित सदस्य

श्रीमान राजन कृष्णन, एस.सी.सी.ई	विशिष्ट आमंत्रित सदस्य
डॉ. लीओन मोरेनस, एसडीईएस	सदस्य
श्री संतोष औलक, सलाहकार, वास्तुकार	सदस्य
श्री एस.के.शर्मा, ए.ई ,इलेक्ट्रिकल,पी.डब्लू.डी	सदस्य
श्री वी.के.गुप्ता, ए.ई ,सिविल,पी.डब्लू.डी	सदस्य
श्री योगेश कुमार, जे.ई ,इलेक्ट्रिकल, पी.डब्लू.डी	सदस्य
सुश्री यू.के. धान्य, जे.ई, सिविल, पी.डब्लू .डी	सदस्य
श्री पी.मणि, वरिष्ठ सलाहकार	सदस्य
श्री युधिष्ठिर , जे.ई , इलेक्ट्रिकल,एयूडी	सदस्य

नैक संचालन समिति :–

प्रवीण सिंह, संयोजक	सयनदेब चौधरी (एस.एल.एस)
सुमंगला दामोदरन (एस.डी.एस)	आशीष दास (एस.एल.एस)
अबीर गुप्ता (एसडीईएस)	निधि कैकर (एस.बी.पी.पी.एस.ई)
ममता करोल्लिल (एस.एच.एस)	तनूजा कोठियाल (एस.एल.एस)
राजन कृष्णन (एस.सी.सी.ई)	वेणुगोपाल मद्दिपति (एसडीईएस)
बिन्दू नायर (विद्यार्थी सेवाएं)	मानसी थपलियाल नवानी (एस.ई.एस)
अंशुमिता पाण्डेय (एस.एच.एस)	दीप्ति सचदेवा (एस.एच.एस)
संतोष सदानंदन (एस.सी.सी.ई)	रुक्मिणी सेन (एस.एल.एस)

परिशिष्ट – छ

विश्वविद्यालय संकाय

(31 मार्च 2014 तक)

क्र. सं.	प्रोफेसर	विषय	शिक्षालय (स्कूल)
1.	जतिन भट्ट	डिज़ाईन	एसडीईएस
2.	वनिता कौल	शिक्षा	एस.ई.एस
3.	डेनिस पी. लेइटन	इतिहास	एस.यू.एस / एस.एल.एस
4.	कुरियाकोस मामकूट्टम	प्रबंधन	एस.बी.पी.पी.एस.ई
5.	सलिल मिश्र	इतिहास	एस.एल.एस
6.	चन्दन मुख़र्जी	अर्थशास्त्र	एस.यू.एस / एस.एल.एस
7.	अशोक नागपाल	मनोविज्ञान	एस.एच.एस
8.	शिवाजी के. पणिक्कर	दृश्य कला	एस.सी.सी.ई
9.	हनी ओबेरॉय वहाली	मनोविज्ञान	एस.एच.एस
10.	गीता वेंकटरमन	गणित	एस.यू.एस / एस.एल.एस

क्र. सं.	एसोसिएट प्रोफेसर	विषय	शिक्षालय (स्कूल)
1.	सुचित्रा बालसुब्रह्मण्यन	डिजाईन	एसडीईएस
2.	प्रिया भगोवालिया	अर्थशास्त्र	एस.यू.एस / एस.एल.एस
3.	सुमंगला दामोदरन	अर्थशास्त्र	एस.डी.एस
4.	धीरेन्द्र दत्त डंगवाल	इतिहास	एस.यू.एस / एस.एल.एस
5.	चिरश्री दास गुप्ता	अर्थशास्त्र	एस.यू.एस / एस.एल.एस
6.	कार्तिक दवे	प्रबंधन	एस.बी.पी.पी.एस.ई
7.	अनूप कुमार धर	मनोविज्ञान	एस.एच.एस
8.	रचना जौहरी	मनोविज्ञान	एस.एच.एस

9.	अस्मिता काबरा	अर्थशास्त्र, पर्यावरण एवं विकास	एस.एच.ई
10.	सुब्रत कुमार मंडल	अर्थशास्त्र	एस.डी.एस
11.	सुरजीत मजूमदार	अर्थशास्त्र	एस.यू.एस / एस.एल.एस
12.	गोपालजी प्रधान	हिंदी	एस.यू.एस / एस.एल.एस
13.	सत्यकेतु सांकृत	हिंदी	एस.यू.एस / एस.एल.एस
14.	ग़ज़ाला शाहबुद्दीन	पारिस्थितिकी	एस.एच.ई
15.	दीपन शिवरमन	निष्पादन कला	एस.सी.सी.ई
16.	संजय कुमार शर्मा	इतिहास	एस.यू.एस / एस.एल.एस
17.	डायमंड ओबेरॉय वहाली	अंग्रेजी	एस.यू.एस / एस.एल.एस
18.	मिलिंद वाकणकर	साहित्यिक कला	एस.सी.सी.ई

क्र. सं.	प्रतिष्ठित प्रोफेसर	शिक्षालय
1.	सी.आर बाबू	एस.एच.ई

क्र. सं	सहायक प्राध्यापक	विषय	शिक्षालय
1.	कँवल अनिल	प्रबंधन	एस.बी.पी.पी.एस.ई
2.	गुन्जीत अरोड़ा	अंग्रेजी	एस.यू.एस / एस.एल.एस
3.	सुरेश बाबू	पारिस्थितिकी	एस.एच.ई
4.	अरिंदम बनर्जी	अर्थशास्त्र	एस.यू.एस / एस.एल.एस
5.	तपोसिक बनर्जी	अर्थशास्त्र	एस.एल.एस
6.	मिनकेतन बेहेरा	अर्थशास्त्र	एस.यू.एस / एस.एल.एस
7.	ज्योतिर्मय भट्टाचार्य	अर्थशास्त्र	एस.यू.एस / एस.एल.एस
8.	बिनील बिस्वास	साहित्यिक कला	एस.सी.सी.ई

9.	धरित्री चक्रवर्ती	इतिहास	एस.यू.एस / एस.एल.एस
10.	रचना चौधरी	जेंडर अध्ययन	एस.एच.एस
11.	सयनदेब चौधरी	अंग्रेजी	एस.यू.एस / एस.एल.एस
12.	बिधान चन्द्र दास	समाजशास्त्र	एस.यू.एस / एस.एल.एस
13.	ओइनम हेमलता देवी	नृविज्ञान, पर्यावरण एवं विकास	एस.एच.ई
14.	थोकचोम बिबिनाज़ देवी	मनोविज्ञान	एस.एच.एस
15.	आइवी धर	राजनीति विज्ञान	एस.डी.एस
16.	प्रणय गोस्वामी	गणित	एस.यू.एस / एस.एल.एस
17.	राधिका गोविन्द	मनोविज्ञान	एस.एच.एस
18.	अबीर गुप्ता	डिजाईन	एसडीईएस
19.	अंशु गुप्ता	प्रबंधन	एस.बी.पी.पी.एस.ई
20.	मनीष जैन	शिक्षा	एस.ई.एस
21.	शेफाली जैन	दृश्य कला	एस.सी.सी.ई
22.	लोवितोली जिमो	जेंडर अध्ययन	एस.एच.एस
23.	निधि कैकर	प्रबंधन	एस.बी.पी.पी.एस.ई
24.	गंगमुमेई कामेई	मनोविज्ञान	एस.एच.एस
25.	मौशुमी कन्दली	दृश्य कला	एस.सी.सी.ई
26.	अपर्णा कपाड़िया	इतिहास	एस.यू.एस / एस.एल.एस
27.	ममता करोल्लिल	मनोविज्ञान	एस.एच.एस
28.	रमणीक खासा	गणित	एस.यू.एस / एस.एल.एस
29.	तनुजा कोठियाल	इतिहास	एस.यू.एस / एस.एल.एस
30.	राजन कृष्णन	सिनेमाई कला	एस.सी.सी.ई
31.	वेणुगोपाल मद्दिपति	डिजाईन	एसडीईएस
32.	प्रीति मान	नृविज्ञान	एस.डी.एस
33.	अखा कैहरी माओ	शिक्षा	एस.ई.एस
34.	भूमिका मेइलिंग	अंग्रेजी	एस.यू.एस / एस.एल.एस

35.	शैलजा मेनन	इतिहास	एस.यू.एस / एस.एल.एस
36.	उर्फत अंजम मीर	समाजशास्त्र	एस.यू.एस / एस.एल.एस
37.	रिक मित्रा	मनोविज्ञान	एस.एच.एस
38.	अरुणा कुमार मोन्डिटोका	राजनीति विज्ञान	एस.डी.एस
39.	उषा मुदिगन्ति	अंग्रेजी	एस.यू.एस / एस.एल.एस
40.	तुहीना मुखर्जी	प्रबंधन	एस.बी.पी.पी.एस.ई
41.	शुभ्रा नगालिया	जेंडर अध्ययन	एस.एच.एस
42.	मानसी थपलियाल नवानी	शिक्षा	एस.ई.एस
43.	रोहित नेगी	भूगोल, पर्यावरण एवं विकास	एस.एच.ई
44.	धीरज कुमार नाईट	इतिहास	एस.यू.एस / एस.एल.एस
45.	अंशुमिता पाण्डेय	मनोविज्ञान	एस.एच.एस
46.	बालचंद प्रजापति	गणित	एस.यू.एस / एस.एल.एस
47.	अनिल परसाद	इतिहास	एस.यू.एस / एस.एल.एस
48.	विनोद आर.	मनोविज्ञान	एस.एच.एस
49.	संतोष. एस	दृश्य कला	एस.सी.सी.ई
50.	संतोष कुमार सिंह	समाजशास्त्र	एस.यू.एस / एस.एल.एस
51.	दीप्ति सचदेव	मनोविज्ञान	एस.एच.एस
52.	नीतू सरीन	मनोविज्ञान	एस.एच.एस
53.	रुक्मिणी सेन	समाजशास्त्र	एस.यू.एस / एस.एल.एस
54.	अनिर्बान सेनगुप्ता	समाजशास्त्र	एस.डी.एस
55.	गुंजन शर्मा	शिक्षा	एस.ई.एस
56.	प्रवीण सिंह	इतिहास, पर्यावरण एवं विकास	एस.एच.ई
57.	योगेश स्नेही	इतिहास	एस.यू.एस / एस.एल.एस
58.	विक्रम सिंह ठाकुर	अंग्रेजी	एस.यू.एस / एस.एल.एस

59.	संजू थॉमस	अंग्रेजी	एस.यू.एस / एस.एल.एस
60.	कांचरिया वेलेंटिना	प्रबंधन	एस.बी.पी.पी.एस.ई

क्र.सं.	अस्थायी / अतिथि	संकाय	शिक्षालय
1.	इमरान आमीन		एस.एच.एस
2.	सैकत बनर्जी		एस.यू.एस / एस.एल.एस
3.	देबब्रत पाल		एस.यू.एस / एस.एल.एस
4.	अमित चक्रवर्ती		एस.यू.एस / एस.एल.एस
5.	आशीष कुमार दास		एस.यू.एस / एस.एल.एस
6.	मोनिमलिका डे		एस.ई.एस
7.	शालिनी ग्रोवर		एस.यू.एस / एस.एल.एस
8.	अनुराधा कपूर		एस.सी.सी.ई
9.	कृतिका माथुर		एस.बी.पी.पी.एस.ई
10.	सरोज बी.मलिक		एस.यू.एस / एस.एल.एस
11.	शाद नावेद		एस.एच.एस
12.	नंदन नॉन		एस.यू.एस / एस.एल.एस
13.	नंदिनी नायक		एस.डी.एस
14.	जोगी पंघाल		एसडीईएस
15.	शांतनु डे रॉय		एस.यू.एस / एस.एल.एस
16.	सुरजीत सरकार		सी.सी.के
17.	अमित सिंह		एस.यू.एस / एस.एल.एस
18.	अमित कुमार सिंह		एस.यू.एस / एस.एल.एस
19.	सुनीता सिंह		सी.ई.सी.ई डी
20.	विनीत ठाकुर		एस.यू.एस / एस.एल.एस
21.	समिया वासा		एस.एच.एस
22.	गरिमा यादव		एस.यू.एस / एस.एल.एस

क्र.सं	अकादमिक अध्येता	शिक्षालय
1.	अपराजिता भारगढ़	सी.ई.सी.ई.डी
2.	कोपल चौबे	एस.एच.ई
3.	मोनिशिता हज़रा पाण्डेय	एस.यू.एस
4.	जूही ऋतुपर्ण	एस.यू.एस
5.	आनंद सौरभ	एस.एल.एस
6.	नूपुर सेमुअल	एस.यू.एस

परिशिष्ट– ज

अध्यापनेतर अधिकारी एवं कर्मचारी

(31 मार्च 2014 तक)

I कुलपति कार्यालय

1	सुश्री ममता असवाल	सहायक
2	श्री रुद्रेश सिंह नेगी	कार्यालय परिचारक
3	श्री संदीप	कार्यालय परिचारक

II प्रति उपकुलपति कार्यालय

1	सुश्री शर्मिष्ठा रॉय	उप–पंजीयक
2	सुश्री सुनीता त्यागी	सहायक पंजीयक
3	श्री मनोज कुमार बलियान	सहायक
4	श्री अजय सिंह डांगी	कार्यालय परिचारक

III पंजीयक कार्यालय (निजी प्रभाग)

1	श्री सतपाल	सहायक पंजीयक
2	सुश्री नीलिमा घिलदियाल	सहायक (पी.आर)
3	श्री महेश कुमार	सहायक
4	श्री भूपेन्दर सिंह	सहायक
5	सुश्री नीरू शर्मा	सहायक
6	सुश्री रीतिका कटारमल	सहायक
7	श्री अशोक कुमार	कार्यालय परिचारक
8	सुश्री सुशीला देवी	कार्यालय परिचारक

IV पंजीयक कार्यालय (प्रशासन प्रभाग)

1	श्री मनीष कुमार	उप–पंजीयक
2	श्री नरेन्द्र मिश्रा #	सहायक पंजीयक
3	श्री एम.आर. कपूर	सलाहाकार
4	श्री के .युधिष्ठर	जूनियर इंजीनियर
5	श्री सुभाष *	कनिष्ठ कार्यकारी
6	श्री सीता राम शर्मा	केयरटेकर (अभीक्षक)
7	श्री यतिंदर सिंह	केयरटेकर (अभीक्षक)
8	श्री तेजेश्वर सिंह	सहायक
9	श्री सौरभ	सहायक
10	श्री दीपक	इलेक्ट्रीशियन (विद्युत कारीगर)
11	श्री मेवा लाल	इलेक्ट्रीशियन (विद्युत कारीगर)
12	श्री दयाचन्द	उद्यान पर्यवेक्षक
13	श्री राजकुमार मौर्या	माली
14	श्री योगेश कुमार	माली
15	श्री रिज़वान	माली
16	श्री रणजीत भूइमाली	माली
17.	श्री फ़िदा हुसैन	माली

V वित्त प्रभाग

1	श्री अरुण कुमार आहूजा	उप–पंजीयक
2	श्री आशीष पाटीदार #	सहायक पंजीयक
3	श्री हरीश गुरनानी	सहायक पंजीयक
4	श्री अख्तर हसन	सलाहकार
5	श्री अजय कुमार ठाकुर *	कनिष्ठ कार्यकारी
6	श्री ब्रजेश कुमार गुप्ता *	सहायक

7	श्री मोहित जगोटा	सहायक
8	सुश्री अंजना कुमारी	सहायक
9	सुश्री सुमन नेगी	सहायक
10.	श्री नरेश कुमार सामरिया	कार्यालय परिचारक

VI आई.टी प्रभाग

1	श्री दीपक बिस्ला	जुनियर सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर
2	श्री मुकेश सिंह डांगी	तकनीकी सहायक
3	श्री रमीज़ काज़मी	तकनीकी सहायक
4	श्री मानस रंजन डकुआ	तकनीकी सहायक
5	श्री शम्भू शरण सिंह	तकनीकी सहायक
6	श्री रूद्र पाल	कार्यालय परिचालक
7	श्री आशु मान	कार्यालय परिचालक
8	श्री अजय कुमार	कार्यालय परिचालक

VII पुस्तकालय

1	श्री रविंदर रावत	प्रोफेशनल असिस्टेंट (वृत्तिक सहायक)
2	सुश्री मंजू	प्रोफेशनल असिस्टेंट (वृत्तिकसहायक)
3	श्री ओम प्रकाश मिश्रा	पुस्तकालय प्रशिक्षु
4	सुश्री मीनाक्षी	पुस्तकालय प्रशिक्षु
5	सुश्री रफ़िया	पुस्तकालय प्रशिक्षु
6	श्री शशिकान्त मिश्रा	पुस्तकालय प्रशिक्षु
7	श्री संजय सिंह रावत	कार्यालय परिचारक

8	श्री निक्सन	कार्यालय परिचारक
9	सुश्री पिंकी	कार्यालय परिचारक

VIII योजना प्रभाग

1	श्री पुनीत गोयल – #	सहायक पंजीयक
2	श्री समीर खान	कनिष्ठ कार्यकारी
3	सुश्री अनीता रावत	सहायक
4	श्री शिव चरण	कार्यालय परिचारक

IX कार्य प्रभाग

1	श्री पी.मणि	सहायक पंजीयक
2	भूपेंदर सिंह चौहान	सहायक

X संपत्ति प्रभाग

1	राजीव कुमार – #	सहायक पंजीयक

XI अकादमिक सेवाएं

1	श्री पी.के. कटारमल	उप–पंजीयक
2	श्री सी.पी सिंह	सहायक पंजीयक
3	श्री मनीष वर्मा *	कनिष्ठ कार्यकारी
4	श्री युसूफ रज़ा नकवी	सहायक
5	श्री नवीन कुमार	कार्यालय परिचारक

XII विद्यार्थी सेवाएं

1	श्रीमती बिंदु नायर – #	सहायक पंजीयक
2	श्री मनमोहन असवाल	सहायक
3	सुश्री अरुणिमा शुक्ला	सहायक
4	श्री नितिन चौधरी	सहायक
5	श्री सुमित सोलंकी	कार्यालय परिचारक

शिक्षालय एवं केंद्र

I स्नातक अध्ययन शिक्षालय

1	श्रीमती प्रियंका अलघ	कनिष्ठ कार्यकारी
2	श्रीमती आशा देवी डी.	सहायक
3	श्री संदीप कुमार	कार्यालय परिचारक

II ललित अध्ययन शिक्षालय

1	श्रीमती पूनम पेटवाल	सहायक
2	श्री अशोक कुमार	कार्यालय परिचारक

III मानव अध्ययन शिक्षालय

1	श्री संतोष थॉमस	कनिष्ठ कार्यकारी
2	सुश्री मीनाक्षी सिंह जुगरान	सहायक
3	श्री संदीप कुमार	कार्यालय परिचारक

IV विकास अध्ययन शिक्षालय

1	सुश्री संगीता	सहायक
2	श्री शफीक अहमद	कार्यालय परिचारक

V मानव पारिस्थितिकी शिक्षालय

1	श्री राजकुमार	सहायक

VI व्यापार,लोक नीति और सामाजिक उद्यमिता शिक्षालय

1	श्री दीपक कुमार	सहायक
2	श्री शिवम कौशिक	सहायक

VII संस्कृति एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन शिक्षालय

1	सुश्री रमनजीत कौर *	कनिष्ठ कार्यकारी

VIII शैक्षिक अध्ययन शिक्षालय

1	सुश्री गीता चोपड़ा *	सहायक
2	श्री राजिंदर प्रकाश सहायक अभीक्षक (केयरटेकर)	

XI डिज़ाईन अध्ययन शिक्षालय

1	श्री निशांत मैसी	सहायक

X प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र (सी.ई.सी.ई.डी)

1	श्री अनिल सिंह रावत	सहायक

अनुबंध = 83 (तिरासी)

– स्थायी = 05 (पांच)

* – प्रतिनियुक्ति = 06 (छः)

परिशिष्ट झ

आय और व्यय का बहीखाता

विभाग की प्राथमिक ज़िम्मेदारियाँ हैं विश्वविद्यालय अनुदान और प्राप्तियों (रसीदों) का रख–रखाव, बजट अनुमान की तैयारी, स्टॉफ के सदस्यों का भुगतान, आपूर्ति सामग्री एवं प्रतिपादन सेवाओं के लिए बाहरी एजेंसियों को भुगतान, बाहरी एजेंसियों द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं की धनराशि का रख–रखाव, खर्च पर नियंत्रण एवं निगरानी रखना, वार्षिक खातों का संकलन, वित्तीय सहमति का अनुदान, विधिक और सरकारी लेखा परीक्षकों के साथ आंतरिक लेखा परीक्षण और समन्वयन का संचालन करना।

2013–14 समाप्ति वर्ष की प्राप्ति और व्यय का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:–

व्यय	अनुसूची	राशि (रु. में)	आय	राशि (रु. में)
स्थायी संपत्ति	II	15,059,831.00	पिछले वर्ष का अधिशेष	80,244,504
प्रशासन लागत	IV (ए)	130,218,126.88	प्राप्तअनुदान	250,000,000
अकादमिक लागत	IV (बी)	102,927,976.00	यूजीसी से प्राप्त अनुदान	28,000,000
यूजीसी व्यय	IV (सी)	8,445,161.00	फॉर्म की बिक्री / प्रकाशन / निविदा दस्तावेज आदि	517,700
सी.ई.सी.ई.डी की ऊपरी प्राप्तियां				
व्यय से अधिक आय को बैलेंस शीट में आगे जारी किया गया		158,589,073.38	पाठ्यक्रम शुल्क	45,131,836
			छात्रावास शुल्क	575,250
			आवेदन शुल्क	1,487,251
			ऊपरी शुल्क (आय)	1,099,845
			विविध शुल्क	12,176
			बैंक ब्याज	
			– मियादी जमा पर ब्याज	1,806,888
			–बचत खाते पर ब्याज	3,603,937
			पिछली अवधि की वस्तुएं	21,000
			यूजीसी से प्राप्त ब्याज	493,768
			बिना भुगतान हुए चेक	2,246,013
	कुल	**415,240,168.00**	**कुल**	**415,240,168.00**

वार्षिक बहीखाते का परीक्षण सनदी लेखाकार (चार्टर्ड अकाउंटेंट) द्वारा किया जा चुका है और ईएलएफए का लेखा परीक्षण होना अभी बाकी है।

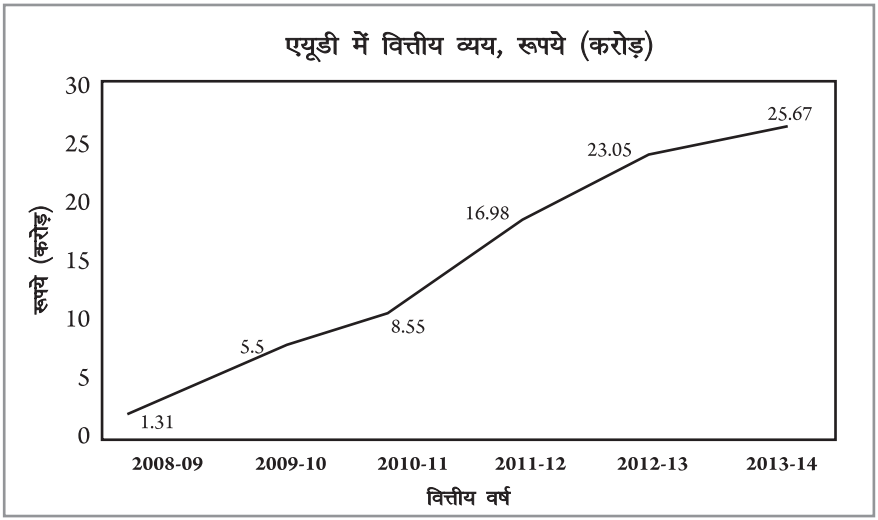

एयूडी में वित्तीय व्यय, रूपये (करोड़)
रूपये (करोड़)
30
25
20
15
10
5
0
1.31
5.5
8.55
16.98
23.05
25.67
2008-09
2009-10
2010-11
2011-12
2012-13
2013-14
वित्तीय वर्ष

रत्न डा बी० आर०
डकर विश्वविद्यालय, दिल्ली
Bharat Ratna Dr B.R.
Ambedka University, D

Ambedkar University Delhi

Ambedkar University Delhi

Ambedkar University Delhi

Ambedkar University Delhi
Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi–110006
www.aud.ac.in